RADIAN'S

UPPET

उत्तर प्रदेश प्रारंभिक अर्हता परीक्षा

[UTTAR PRADESH PRELIMINARY ELIGIBILITY TEST]

समूह–ग

By

Preeti Aggarwal

RADIAN BOOK COMPANY

Pitampura, New Delhi-110034

Published by:

M/s Radian Book Company

Address: 37, Kailash Enclave, Pitampura, Delhi-110034

Phone: 9811341569; *Email:* info@radianbooks.in

ISBN: 978-93-90886-61-6

First Edition: 2022

Printer: Siddhi Press Pvt. Ltd.

© Radian Book Company

This book shall not, by way of trade or otherwise be lent, resold, hired out, or otherwise circulated without the publisher's prior written consent in any form of binding or cover other than that in which it is published. No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means (graphic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping, or information retrieval system) or reproduced on any disc, tape, perforated media or other information storage device, etc., without the written permission of the publishers. Breach of this condition is liable for legal action.

DISCLAIMER:

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publisher nor the seller will be responsible for any damage or loss of action to any one, of any kind, in any manner, therefrom.

For binding mistakes, misprints or for missing pages, etc., the publisher's liability to replacement within one month of purchase by similar edition. All expenses in this connection are to be borne by the purchaser.

All disputes are subject to Delhi jurisdiction only.

विषय-सूची

खंड–I (SECTION–I): सामान्य अध्ययन (General Studies) ..... I-1—I-220

1. भारतीय इतिहास [Indian History] ..... I-3—I-47

- ❖ सिंधु घाटी की सभ्यता I-3
- ❖ वैदिक संस्कृति I-4
- ❖ बौद्ध धर्म–गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षाएँ) I-7
- ❖ जैन धर्म–महावीर (जीवनी एवं शिक्षाएँ) I-8
- ❖ मौर्य वंश I-10
- ❖ गुप्त वंश–समुद्रगुप्त तथा चंद्रगुप्त द्वितीय I-12
- ❖ हर्षवर्द्धन I-14
- ❖ राजपूत काल I-15
- ❖ सल्तनत काल I-17
- ❖ मुगल साम्राज्य I-23
- ❖ मराठा I-30
- ❖ ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम I-31
- ❖ भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 की क्रांति) I-34
- ❖ ब्रिटिश राज का सामाजिक–आर्थिक प्रभाव I-36

2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन [Indian National Movement] ..... I-48—I-60

- ❖ स्वाधीनता आंदोलन के प्रारंभिक वर्ष I-48
- ❖ स्वदेशी तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन: महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं की भूमिका I-52
- ❖ क्रांतिकारी आंदोलन तथा उग्र राष्ट्रवाद का उदय I-54
- ❖ विधायी संशोधन तथा ब्रिटिश इंडिया एक्ट, 1935 ..... I-54
- ❖ भारत छोड़ो आंदोलन I-55
- ❖ आजाद हिंद फौज तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस I-56

3. भूगोल [Geography] ..... I-61—I-101

भारत का भौतिक भूगोल (Physical Geography of India)

- ❖ नदियाँ तथा नदियों की घाटियाँ I-61
- ❖ भू–जल संसाधन I-64
- ❖ भारत में पर्वत I-65
- ❖ भारत में पहाड़ियाँ I-67
- ❖ हिमनद I-68
- ❖ मरुस्थल और शुष्क क्षेत्र I-69
- ❖ भारत में वन I-69
- ❖ भारत में खनिज संसाधन I-71
- ❖ भारत का राजनैतिक भूगोल I-75

विश्व का भौतिक भूगोल (Physical Geography of World)

- ❖ नदियाँ तथा नदियों की घाटी I-81
- ❖ विश्व में भू–जल संसाधन I-84
- ❖ पर्वत, पहाड़ियाँ तथा हिमनद I-84
- ❖ मरुस्थल और शुष्क क्षेत्र I-87
- ❖ वन I-88
- ❖ खनिज संसाधन I-89
- ❖ विश्व का राजनीतिक भूगोल I-90

4. भारतीय अर्थव्यवस्था [Indian Economy] ..... I-102—I-138

भारतीय अर्थव्यवस्था (1947 से 1991 तक)

- ❖ आर्थिक नियोजन I-102
- ❖ योजना आयोग I-103
- ❖ भारत में पंचवर्षीय योजनाएँ I-104
- ❖ मिश्रित अर्थव्यवस्था I-106
- ❖ पूँजीवादी अर्थव्यवस्था I-107
- ❖ समाजवादी अर्थव्यवस्था I-107
- ❖ भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था का विकास I-108
- ❖ भारत में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र I-108
- ❖ हरित क्रांति I-109
- ❖ ऑपरेशन फ्लड (श्वेत क्रांति) I-111
- ❖ बैंकों का राष्ट्रीयकरण I-112
- ❖ भारत में आर्थिक सुधार तथा उसके बाद की अर्थव्यवस्था I-115
- ❖ वर्ष 2014 के पश्चात के आर्थिक सुधार I-119
- ❖ श्रम सुधार I-122
- ❖ वित्तीय सुधार I-123
- ❖ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार I-125

5. भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन [Indian Constitution and Public Administration] ..... I-139—I-175

भारतीय संविधान (Indian Constitution)

- ❖ भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं I-140
- ❖ मौलिक अधिकार I-142
- ❖ राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांत I-145
- ❖ मूल कर्त्तव्य I-146
- ❖ संसदीय प्रणाली I-146
- ❖ संघीय विधायिका I-147
- ❖ संघीय प्रणाली I-150
- ❖ केन्द्र–राज्य संबंध I-153
- ❖ न्यायपालिका I-154

जिला प्रशासन (District Administration) I-156

स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाएं (Local Bodies and Panchayati Raj Institutions) I-157

6. सामान्य विज्ञान [General Science] ..... **I-176—I-220**

- ❖ प्रारंभिक भौतिक विज्ञान I-176
- ❖ प्रारंभिक रसायन विज्ञान I-191
- ❖ प्रारंभिक जीव विज्ञान I-204

खंड–II (SECTION–II): सामान्य ज्ञान (General Knowledge) ..... II-1—II-54

1. भारत के पड़ोसी देश II-3
2. देश, राजधानी एवं मुद्रा II-10
3. भारत के राज्य तथा केंद्र-शासित प्रदेश II-13
4. भारतीय संसद, राज्य सभा, लोक सभा, विधान सभा और विधान परिषद् II-15
5. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस II-20
6. विश्व संगठन एवं उनके मुख्यालय II-23
7. भारतीय पर्यटन स्थल II-26
8. भारत की कला एवं संस्कृति II-31
9. भारत एवं विश्व के खेल II-38
10. भारतीय अनुसंधान संगठन II-41
11. पुस्तकें एवं उनके लेखक II-43
12. पुरस्कार एवं विजेता II-47
13. जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण II-50

खंड–III (SECTION–III): प्रारंभिक अंकगणित (Elementary Arithmetic) ..... III-1—III-58

1. पूर्ण संख्या, भिन्न तथा दशमलव III-3
2. प्रतिशतता III-16
3. साधारण अंकगणितीय समीकरण III-22
4. वर्ग और वर्गमूल III-25
5. घात, घातांक एवं करणी III-28
6. औसत III-30
7. तालिका की व्याख्या एवं विश्लेषण III-35
8. ग्राफ की व्याख्या एवं विश्लेषण III-44

खंड–IV (SECTION–IV): सामान्य हिन्दी (General Hindi) ..... IV-1—IV-60

1. संधि IV-3
2. विलोम शब्द IV-8
3. पर्यायवाची शब्द IV-12
4. वाक्यांशों के लिए एक शब्द IV-17
5. लिंग IV-22
6. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द IV-25
7. मुहावरे–लोकोक्तियाँ IV-32
8. सामान्य अशुद्धियां IV-38
9. लेखक और रचनाएँ IV-41
10. अपठित गद्यांश का विवेचन एवं विश्लेषण IV-48

खंड–V (SECTION–V): सामान्य अंग्रेजी (General English) ..... V-1—V-34

1. **Parts of Speech** V-3
2. **Error Detection** V-10
3. **Active and Passive Voices** V-15
4. **Direct and Indirect Speech** V-19
5. **Idioms and Phrases** V-23
6. **Vocabulary** V-25
7. **Reading Comprehension** V-28

खंड–VI (SECTION–VI): तर्क एवं तर्कशक्ति (Logic and Reasoning) ..... VI-1—VI-40

1. वृहत एवं लघु VI-3
2. क्रम और रैंकिंग VI-5
3. रक्त संबंध VI-8
4. वर्गीकरण VI-13
5. कैलेण्डर एवं घड़ी VI-17
6. कारण एवं प्रभाव VI-24
7. सांकेतिक भाषा परीक्षण VI-26
8. न्याय निगमन VI-32
9. सादृश्यता VI-37

खंड–VII (SECTION–VII): समसामयिक घटनाचक्र (Current Affairs) ..... VII-1—VII-24

सॉल्वड पेपर–1 [24 अगस्त, 2021 (प्रथम पाली)] ..... P-1—P-8

सॉल्वड पेपर–2 [24 अगस्त, 2021 (द्वितीय पाली)] ..... P-9—P-16

पाठ्यक्रम

विषय	अध्याय
भारतीय इतिहास	सिंधु घाटी की सभ्यता; वैदिक संस्कृति; बौद्ध धर्म : गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षाएं); जैन धर्म : महावीर (जीवनी एवं शिक्षाएं); मौर्य वंश : सम्राट अशोक; गुप्त वंश : समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, हर्षवर्द्धन, राजपूत काल, सल्तनत काल, मुगल साम्राज्य, मराठा, ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, ब्रिटिश राज का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव।
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन	स्वाधीनता आन्दोलन के प्रारम्भिक वर्ष; स्वदेशी तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन: महात्मा गाँधी तथा अन्य नेताओं की भूमिका; क्रांतिकारी आंदोलन तथा उग्र राष्ट्रवाद का उदय; विधायी संशोधन तथा ब्रिटिश इंडिया एक्ट, 1935; भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिन्द फौज तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस।
भूगोल	भारत एवं विश्व का भौतिक भूगोल; नदियां तथा नदियों की घाटी; भूजल संसाधन; पर्वत, पहाड़ियां तथा हिमनद; मरुस्थल और शुष्क क्षेत्र; वन; खनिज संसाधन (विशेषकर भारत में); भारत एवं विश्व का राजनैतिक भूगोल; जलवायु तथा मौसम; टाइम जोन; जनसांख्यकीय परिवर्तन तथा प्रवास।
भारतीय अर्थव्यवस्था	भारतीय अर्थव्यवस्था (1947 से 1991 तक), योजना आयोग तथा पंचवर्षीय योजनाएं; मिश्रित अर्थव्यवस्था का विकास: निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र, हरित क्रांति, दुग्ध विकास एवं ऑपरेशन फ्लड, बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा सुधार; वर्ष 1991 में आर्थिक सुधार तथा उसके बाद की अर्थव्यवस्था; वर्ष 2014 के पश्चात के आर्थिक सुधार, कृषि सुधार, ढांचागत सुधार, श्रम-सुधार, आर्थिक सुधार, जी.एस.टी.।
भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन	भारतीय संविधान; भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं; राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त; मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य; संसदीय प्रणाली; संघीय प्रणाली, संघ एवं केन्द्रशासित प्रदेश; केन्द्र-राज्य सम्बन्ध; न्यायिक ढांचा-सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, जिला प्रशासन, स्थानीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थाएं।
सामान्य विज्ञान	प्रारम्भिक भौतिक विज्ञान, प्रारम्भिक रसायन विज्ञान, प्रारम्भिक जीव विज्ञान।
प्रारम्भिक अंकगणित	पूर्ण संख्या, भिन्न तथा दशमलव; प्रतिशतता; साधारण अंकगणितीय समीकरण; वर्ग एवं वर्गमूल; घातांक एवं घात; औसत।
सामान्य हिन्दी	संधि; विलोम शब्द; पर्यायवाची शब्द; वाक्यांशों के लिए एक शब्द; लिंग; समश्रुत भिन्नार्थक शब्द; मुहावरे-लोकोक्तियाँ; सामान्य अशुद्धियां; लेखक और रचनाएँ (गद्य एवं पद्य)
सामान्य अंग्रेजी	अंग्रेजी व्याकरण; अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न
तर्क एवं तर्कशक्ति	वृहत एवं लघु; क्रम एवं रैंकिंग; संबंध; समूह से भिन्न को अलग करना; कैलेण्डर एवं घड़ी; कारण और प्रभाव; कोडिंग-डिकोडिंग (संख्या तथा अक्षर); निगमनात्मक तर्क/कथन विश्लेषण एवं निर्णय
करेंट अफेयर्स	भारतीय एवं वैश्विक
सामान्य जागरुकता	भारत के पड़ोसी देश-देश, राजधानी एवं मुद्रा; भारत के राज्य तथा केन्द्रशासित प्रदेश; भारतीय संसद, राज्यसभा, लोकसभा और विधान सभा, विधान परिषद; राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस; विश्व संगठन एवं उनके मुख्यालय; भारतीय पर्यटन स्थल; भारत की कला एवं संस्कृति; भारत एवं विश्व के खेल; भारतीय अनुसंधान संगठन; प्रसिद्ध पुस्तकें और लेखक; पुरस्कार एवं विजेता; जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण।
अपठित हिन्दी गद्यांश का विवेचन एवं विश्लेषण	02 गद्यांश प्रत्येक पर 5 प्रश्न
ग्राफ की व्याख्या एवं विश्लेषण	02 ग्राफ प्रत्येक पर 5 प्रश्न
तालिका की व्याख्या एवं विश्लेषण	02 तालिकाएँ प्रत्येक पर 5 प्रश्न

Section - I

सामान्य अध्ययन
(General Studies)

पुस्तक के खंड-I (Section–I) में शामिल किये गए विषय

1. भारतीय इतिहास (INDIAN HISTORY)

- सिंधु घाटी की सभ्यता; वैदिक संस्कृति; बौद्ध धर्म : गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षाएं); जैन धर्म : महावीर (जीवनी एवं शिक्षाएं); मौर्य वंश : सम्राट अशोक; गुप्त वंश : समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय; हर्षवर्द्धन; राजपूत काल; सल्तनत काल; मुगल साम्राज्य; मराठा; ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम; ब्रिटिश राज का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव।

2. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (INDIAN NATIONAL MOVEMENT)

- स्वाधीनता आन्दोलन के प्रारम्भिक वर्ष; स्वदेशी तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन : महात्मा गाँधी तथा अन्य नेताओं की भूमिका; क्रांतिकारी आंदोलन तथा उग्र राष्ट्रवाद का उदय; विधायी संशोधन तथा ब्रिटिश इंडिया एक्ट, 1935; भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिन्द फौज तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस।

3. भूगोल (GEOGRAPHY)

- भारत एवं विश्व का भौतिक भूगोल
- नदियां तथा नदियों की घाटी
- पर्वत, पहाड़ियां तथा हिमनद
- वन
- भूजल संसाधन
- मरुस्थल और शुष्क क्षेत्र
- खनिज संसाधन (विशेषकर भारत में)
- भारत एवं विश्व का राजनैतिक भूगोल; जलवायु तथा मौसम; टाइम जोन; जनसांख्यकीय परिवर्तन तथा प्रवास

4. भारतीय अर्थव्यवस्था (INDIAN ECONOMY)

- भारतीय अर्थव्यवस्था (1947 से 1991 तक)
- योजना आयोग तथा पंचवर्षीय योजनाएं
- मिश्रित अर्थव्यवस्था का विकास : निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र
- हरित क्रांति
- दुग्ध विकास एवं ऑपरेशन फ्लड
- बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा सुधार
- वर्ष 1991 में आर्थिक सुधार तथा उसके बाद की अर्थव्यवस्था
- वर्ष 2014 के पश्चात् के आर्थिक सुधार
- कृषि सुधार
- श्रम-सुधार
- जी.एस.टी.
- ढांचागत सुधार
- आर्थिक सुधार

5. भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन (INDIAN CONSTITUTION AND PUBLIC ADMINISTRATION)

- भारतीय संविधान
- भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं
- राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त
- मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य
- जिला प्रशासन
- स्थानीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थाएं
- संसदीय प्रणाली
- संघीय प्रणाली, संघ एवं केन्द्रशासित प्रदेश, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
- न्यायिक ढांचा-सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय

6. सामान्य विज्ञान (GENERAL SCIENCE)

- प्रारम्भिक भौतिक विज्ञान
- प्रारम्भिक रसायन विज्ञान
- प्रारम्भिक जीव विज्ञान

1 अध्याय

भारतीय इतिहास [*Indian History*]

1. सिंधु घाटी की सभ्यता *(Indus Valley Civilization)*

- सिंधु घाटी की सभ्यता को **'हड़प्पा संस्कृति'** भी कहा जाता है। इसकी खोज **रायबहादुर दयाराम साहनी** ने की।
- हड़प्पा सभ्यता **कांस्ययुगीन** थी, जबकि विश्व की अन्य सभ्यताएँ ताम्रयुगीन थीं।
- हड़प्पावासी **भूमध्यसागरीय प्रजाति** के थे।
- 1826 ई. में हड़प्पा टीले का सर्वप्रथम उल्लेख **चार्ल्स मैस्सन** द्वारा किया गया था।
- रेडियो कार्बन C–14 जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के आधार पर सिंधु सभ्यता की सर्वमान्य तिथि **2500 ई.पू. से 1750 ई. पू.** मानी जाती है।
- सर्वप्रथम मानव द्वारा **तांबा** धातु का प्रयोग किया गया।
- सिंधु घाटी सभ्यता का विस्तार **उत्तर में मांडा** (जम्मू–कश्मीर, चिनाब नदी), **दक्षिण में दैमाबाद** (महाराष्ट्र, प्रवरा नदी), **पूरब में आलमगीरपुर** (मेरठ, हिंडन नदी) तथा **पश्चिम में सुत्कांगेडोर** (बलूचिस्तान, दाश्क नदी) तक था।
- सैंधववासी दशमलव प्रणाली पर आधारित बाटों का प्रयोग करते थे। इस सभ्यता में ईटों का अनुपात 4 : 2 : 1 था।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हड़प्पा सभ्यता के सर्वाधिक स्थल **गुजरात** में खोजे गए हैं।
- नगर निर्माण योजना सिंधु घाटी की प्रमुख विशेषता थी। नगर ग्रिड–पद्धति पर बसे थे तथा सड़कें एक–दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
- सिंधु सभ्यता के नगरों में किसी भी मंदिर के अवशेष प्राप्त नहीं हुए हैं।
- सिंधु सभ्यता में **जौ, गेहूँ, कपास** इत्यादि की खेती होती थी।
- कपास की खेती करने का श्रेय सिंधु सभ्यता के लोगों को प्राप्त था।
- हड़प्पा सभ्यता के लोग **गाय, भैंस, बैल, बकरी, भेड़** इत्यादि पशु पालते थे। इसमें कूबड़ वाला साँड़ विशेष महत्व का था।
- कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं।
- बनावली में पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति मिली हैं।
- हड़प्पावासियों को **स्वर्ण, चांदी, तांबा** और **कांस्य** की जानकारी थी।
- सिंधु सभ्यता में लेन–देन के लिए **वस्तु विनिमय प्रणाली** प्रचलित थी।
- मेसोपोटामिया से सम्राट सारगौन के अभिलेख से हड़प्पाई व्यापार के साक्ष्य मिलते हैं।
- हड़प्पा काल में अफगानिस्तान और कर्नाटक से सोना, ईरान से चांदी, बदख्शां (अफगानिस्तान) से लाजवर्द, खेतड़ी (राजस्थान) से तांबा तथा ईरान और अफगानिस्तान से टिन का आयात किया जाता था।
- हड़प्पाई समाज **मातृसत्तात्मक** प्रतीत होता है।
- हड़प्पा में राजनीतिक शासन संभवतः **वणिक समुदाय** चलाते थे।
- कालीबंगा के मृण–पट्टिका पर एक ओर दोहरे सींग वाले देवता का अंकन है।
- मृतकों के संदर्भ में पूर्ण समाधीकरण, आंशिक समाधीकरण तथा दाह संस्कार तीनों प्रचलित थे। हड़प्पा से R–37 कब्रिस्तान के प्रमाण मिले हैं।
- कालीबंगा तथा लोथल से **युग्मित शवाधान** प्राप्त हुए हैं जिससे सती प्रथा के प्रचलन का आभास मिलता है।
- सिंधु सभ्यता में वृक्ष पूजा तथा पशु पूजा का भी प्रचलन था।
- **स्वास्तिक चिह्न** संभवतः हड़प्पा सभ्यता की देन है।
- हड़प्पा से प्राप्त एक मूर्तिका में स्त्री के गर्भ से पौधे को निकलते हुए दिखाया गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि हड़प्पाई लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे।
- मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर में चित्रित देवता को पशुपति शिव बताया गया है। उनके चारों ओर **हाथी, गैंडा, व्याघ्र और भैंसा** विराजमान हैं। उस योगी के दायीं ओर बाघ और हाथी तथा बायीं ओर गैंडा एवं भैंसा चित्रित किये गए हैं।
- मोहनजोदड़ो से कांस्य निर्मित एक **नर्तकी की मूर्ति** प्राप्त हुई है।
- लोथल से **गोदीवाड़ा** (डॉक्यार्ड) मिला है।
- लोथल तथा कालीबंगा से **अग्निवेदिकाएँ** प्राप्त हुई हैं।
- सिंधु प्रदेश से बहुतायत में आग में पकी मिट्टी की मूर्तिकाएँ (टेराकोटा) प्राप्त हुई हैं।
- मूर्तिकाओं में सर्वाधिक संख्या में पशु आकृतियाँ मिली हैं तथा इन पशु आकृतियों में कूबड़ वाले साँड़ की संख्या सबसे अधिक है। मानव मूर्तिकाओं में स्त्री मूर्तिकाओं की संख्या सर्वाधिक है।
- सिंधु सभ्यता की **मुहरें** मुख्य रूप से **वर्गाकार** थीं और सेलखड़ी की बनी होती थीं। मुहरों में एक शृंगी पशु की आकृति सबसे अधिक मिलती हैं। इसके बाद कूबड़ वाले बैल का है।
- हड़प्पा के मकानों में आमतौर पर स्नान तथा शौच का अलग क्षेत्र होता था।
- हड़प्पा में धर्म मुख्यतः **मातृदेवी की पूजा** पर आधारित था। यहाँ पीपल वृक्ष, नदी, मगरमच्छ, सूर्य, सर्प इत्यादि की भी उपासना का प्रचलन था।
- हड़प्पा से लाल एवं काले रंग के मृदभांड (बर्तन) पाए गए हैं।

हड़प्पा सभ्यता के मुख्य स्थल तथा उनसे संबंधित तथ्य

मुख्य स्थल	वर्तमान स्थिति	नदी तट	संबंधित तथ्य
1. हड़प्पा	मोंटगोमरी (पाकिस्तान)	रावी	• उत्खनन–दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स (1921)
2. मोहनजोदड़ो	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)	सिंधु	• विशाल स्नानागार के सबूत • सबसे बड़ी इमारत अन्न कोठार • उत्खनन–राखालदास बनर्जी (1922)
3. कालीबंगा	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	घग्घर	• निचला शहर भी दीवार से घिरा है। • अलंकृत ईंट तथा लकड़ी की नाली के प्रमाण प्राप्त • उत्खनन– बी.बी.लाल, वी.के. थापड़ (1961–69)
4. चन्हूदड़ो	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)	सिंधु	• उत्खनन–गोपाल मजूमदार (1931) • वक्राकार ईंटों की प्राप्ति।
5. धौलावीरा	कच्छ (गुजरात)	–	• नगर तीन भागों में विभाजित– दुर्गाभाग, मध्यम नगर तथा निचला नगर। • खोज–जगपति जोशी (1967–68) • उत्खनन–आर.एस.बिष्ट (1989–91)
6. लोथल	अहमदाबाद (गुजरात)	भोगवा	• उत्खनन–रंगनाथ राव (1955, 1962)
7. कोटदीजी	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)	सिंधु	• उत्खनन–फजल अहमद (1953)
8. बनावली	हिसार (हरियाणा)	रंगोई	• उत्खनन–रवीन्द्र सिंह बिष्ट (1974)
9. रंगपुर	काठियावाड़ (गुजरात)	भादर	• उत्खनन–रंगनाथ राव (1953–54)
10. आलमगीरपुर	मेरठ (उत्तर प्रदेश)	हिन्डन	• उत्खनन–यज्ञदत्त शर्मा (1958)
11. सुत्कागेन–डोर	मकरान (पाकिस्तान)	दाश्क	• उत्खनन–ऑरेल स्टेइन, जार्ज डेल्स (1927, 1962)
12. रोपड़	पंजाब (भारत)	सतलज	• उत्खनन–यज्ञदत्त शर्मा (1953–56)
13. माण्डा	जम्मू और कश्मीर	चिनाब	• उत्खनन–जे.पी. जोशी (1982)
14. बालाकोट	बलूचिस्तान	–	• उत्खनन–जार्ज एफ. डेल्स (1973–76)

- हड़प्पा लिपि **भावचित्रात्मक** थी। इस लिपि को बूस्ड्रोफेडन कहा जाता है तथा इसे दायीं ओर से बायीं ओर लिखा जाता था। इस लिपि को अब तक पढ़ा नहीं जा सका है।
- हड़प्पा में आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार का व्यापार विकसित था।
- सुमेरियन/मेसोपोटामियाई ग्रंथों में हड़प्पा को **'मेलुहा'** और वैदिक साहित्य में हड़प्पा को **'हरियूपिया'** नाम से संबोधित किया गया है।
- प्राचीन विश्व के प्रथम लिपि आविष्कर्ता सुमेरिया सभ्यता के लोग थे। इनकी क्यूनीफार्म लिपि को सामान्यतः प्राचीनतम लिपि माना जाता था।
- सिंधु सभ्यता के लोग मुख्य रूप से **शाकाहारी** थे।
- मोहनजोदड़ो को **'मृतकों का टीला'** भी कहा जाता है।
- भारत में आदमगढ़ (होशंगाबाद, म.प्र.) तथा बागोर (भीलवाड़ा, राजस्थान) से पशुपालन के साक्ष्य प्राप्त हुए है।
- बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर) से मानव कंकाल के साथ कुत्ते का कंकाल प्राप्त हुए हैं।
- सिंधु घाटी के लोग तलवार से परिचित नहीं थे। क्योंकि यह कांस्ययुगीन सभ्यता थी तथा यहाँ के लोग लोहे से परिचित नहीं थे।
- सिंधु सभ्यता में **पर्दा प्रथा** एवं **वेश्यावृति** प्रचलित थी।
- सिंधु सभ्यता में शवों को जलाने एवं दफनाने संबंधी दोनों प्रथाएँ प्रचलित थीं। लोथल तथा कालीबंगन में **युग्म समाधियाँ** मिली हैं।
- सिंधु सभ्यता का विनाश संभवतः बाढ़ के कारण हुआ।

2. वैदिक संस्कृति *(Vedic Culture)*

- **आर्यों** को वैदिक संस्कृति का संस्थापक माना जाता है। वैदिक संस्कृति एक **ग्रामीण संस्कृति** थी।
- आर्य सर्वप्रथम **पंजाब** एवं **अफगानिस्तान** में बसे। मैक्समूलर ने आर्यों का मूल निवास स्थान मध्य एशिया को माना है।
- आर्य का शाब्दिक अर्थ **'श्रेष्ठ'** या **'कुलीन'** है। आर्य संस्कृत भाषा का शब्द है।
- आर्यों की भाषा **संस्कृत** थी।
- वैदिक काल का विभाजन दो भागों में किया गया है–
  1. ऋग्वैदिक काल (1500–1000 ईसा पूर्व)
  2. उत्तर वैदिक काल (1000–600 ईसा पूर्व)
- भारत में आर्यों के संबंध में प्रथम जानकारी हमें **ऋग्वेद** से मिलती है।
- ऋग्वेद में 'आर्य' शब्द का **36 बार** उल्लेख मिलता है।
- **सरस्वती नदी** ऋग्वैदिक आर्यों की **सर्वाधिक पवित्र** नदी थी। इस नदी को **'देवीतमा'**, **'मातेतमा'** एवं **'नदीत्मा'** कहा गया है।
- वैदिक संहिताओं का क्रम है- वैदिक संहिताएं, ब्राह्मण, आरण्य, उपनिषद।
- आर्यों के निवास स्थल के लिए **'सप्तसैंधव'** शब्द का प्रयोग किया गया है।
- आर्यों की प्रशासनिक इकाई आरोही क्रम में पाँच भागों में विभाजित थी– कुल, ग्राम, विश, जन, राष्ट्र।
- विश का प्रधान **विशपति**, ग्राम के मुखिया **ग्रामिणी** एवं जन के शासक **राजन** कहलाते थे।
- सभा और समिति दोनों ऋग्वैदिक काल की जनतांत्रिक संस्थाएँ मानी जाती हैं, जो राजा को सलाह देती थीं।

- अथर्ववेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है। सभा श्रेष्ठ और संभ्रांत लोगों की संस्था थी जबकि समिति सामान्य लोगों की।
- समिति का अध्यक्ष **'ईशान'** कहा जाता था। स्त्रियाँ सभा और समितियों में भाग ले सकती थीं।
- जनता स्वेच्छा से राजा को उसका अंश दे देती थी। इस अंश को **'बलि'** कहते थे। राजा इसके बदले उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेता था।
- आर्यों का समाज **पितृप्रधान** था। परिवार की सबसे छोटी इकाई **परिवार** या कुल थी, जिसका मुखिया **पिता** होता था, जिसे **कुलप** कहते थे।
- आर्यों का मुख्य पेय पदार्थ **सोमरस** था जो वनस्पति से बनाया जाता था।
- **कृषि** तथा **पशुपालन** आर्यों का मुख्य व्यवसाय था।
- संगीत, रथदौड़, घुड़दौड़ एवं द्यूतक्रीड़ा आर्यों के मनोरंजन के प्रमुख साधन थे।
- लोहा आर्यों द्वारा खोजी गई धातु थी, जिसे **श्याम अयस** कहा जाता था। तांबे को **लोहित अयस** कहा जाता था।
- युद्ध में कबीले का नेतृत्व राजा करता था। युद्ध के लिए ऋग्वेद में 'गविष्टि' शब्द का प्रयोग होता था, जिसका अर्थ था–गायों की खोज।
- ऋग्वेद के **7वें मंडल** में **'दशराज्ञ युद्ध'** का उल्लेख है जो परुष्णी (रावी) नदी के किनारे भरत वंश के राजा सुदास तथा दस जनों–पाँच आर्य एवं पाँच अनार्य के बीच हुआ था। इस युद्ध में भरत वंश के राजा **सुदास** की जीत हुई थी।
- ऋग्वेद के **10वें मंडल** के पुरुष सूक्त में **चतुर्वर्ण** का उल्लेख है। इसमें कहा गया है कि ब्राह्मण विराट पुरुष (ब्रह्मा) के मुख से, क्षत्रिय भुजाओं से, वैश्य जंघाओं से तथा शूद्र पैरों से उत्पन्न हुए हैं।
- ऋग्वैदिक काल में बाल विवाह तथा पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था। नियोग तथा विधवा विवाह का प्रचलन था।
- ऋग्वेद में **लोपमुद्रा, घोषा, विश्ववरा, अपाला** जैसी विदुषी महिलाओं का उल्लेख है।
- ऋग्वैदिक काल में **गाय** को सर्वाधिक **उत्तम धन** माना जाता था। घोड़ा एक महत्वपूर्ण पशुधन था।
- ऋग्वैदिक आर्यों द्वारा धातु के रूप में सर्वप्रथम **तांबे** का प्रयोग किया गया।
- ऋग्वैदिक आर्यों के प्रमुख देवता **इंद्र** थे। इंद्र (पुरंदर) को **बादल का देवता** माना गया है।
- इंद्र के बाद **अग्नि** का दूसरा स्थान है। अग्नि को **मनुष्य और देवताओं के बीच मध्यस्थ** की भूमिका निभाने वाले देवता के रूप में पूजा जाता था। वरुण तीसरे प्रमुख देवता थे जो **ऋतु के नियामक** थे।
- ऋग्वैदिक काल में अदिति और ऊषा जैसी देवियों का भी उल्लेख है। परंतु इस काल में देवियों की प्रमुखता नहीं थी।
- ऋग्वैदिक काल में स्तुतिपाठ और यज्ञ बलि उपासना की मुख्य रीति थी। इस काल में कर्मकांड का महत्व नहीं था।
- **पूषण** ऋग्वैदिक काल में **पशुओं के देवता** थे जो उत्तर वैदिक काल में शूद्रों के देवता के रूप में माने जाते थे।
- ऋग्वैदिक समाज **चार वर्णों** में विभाजित था– ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र। यह विभाजन व्यवसाय के आधार पर था।
- ऋग्वैदिक काल में उपनिषदों की कुल संख्या **108,** महापुराणों की संख्या **18** तथा वेदांग की संख्या **06** है।
- ऋग्वैदिक काल में स्त्रियाँ अपने पति के साथ यज्ञ कार्य में भाग लेती थीं।
- ऋग्वैदिक काल में आर्य मुख्य रूप से तीन प्रकार के वस्त्रों का प्रयोग करते थे– **वास, अधिवास** और **ऊष्णीय**। इसके अतिरिक्त अंदर पहनने वाले कपड़े को **'नीवि'** कहते थे।
- ऋग्वैदिक काल में सामान्यत: कबीले का प्रमुख ही राज्य प्रमुख होता था जिसे **राजन** कहते थे। इनमें पांच कबीले थे, जो निम्न हैं–यदु, द्रुहु, पुरू, अनु, तुर्बस। इन्हें पंचजन भी कहते है।

वेद

वेद चार प्रकार के होते हैं–ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद।

ऋग्वेद

- ऋग्वेद को विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है।
- ऋग्वेद में **1028 प्रार्थनाएँ/ऋचाएं** हैं, जिन्हें **सूक्त** कहा गया है।
- ऋग्वेद के दो ब्राह्मण ग्रंथ हैं– ऐतरेय तथा कौषीतकी।
- ऋग्वेद में इंद्र को सर्वाधिक प्रतापी देवता के रूप में वर्णन किया गया है, जिसे **250 सूक्त** समर्पित है वही अग्नि को **200 सूक्त** समर्पित हैं।
- ऋग्वेद को **10 मंडलों (अध्याय)** में बाँटा गया है। दो से सात तक के मंडल को **परिवार मंडल** कहा जाता है।
- ऋग्वेद के दूसरे से सातवें मंडल तक की ऋचाएं सर्वाधिक प्राचीन हैं। वहीं 9वें मण्डल के सभी 114 सूक्त सोम को समर्पित हैं।
- ऋग्वेद का पहला और दसवां मंडल सबसे नये मंडल हैं।
- 10वें मंडल के पुरुषासूक्त में प्रथम बार चतुरवर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) का उल्लेख हुआ है।
- ऋग्वेद के **तृतीय मंडल** में **गायत्री मंत्र** का उल्लेख है जो सविता (सवितृ) देवता को समर्पित है।
- गायत्री मंत्र के रचयिता पुरोहित **विश्वामित्र** हैं।
- ऋग्वेद का संकलन **महर्षि कृष्ण द्वैपायन** द्वारा किया गया था।
- ऋग्वेद तथा ईरानी पुस्तक 'जेंन्द अवेस्ता' में अनेक समानताएँ हैं।
- ऋग्वेद में **सिंधु नदी** सर्वाधिक वर्णित नदी है।
- ऋग्वेद में **'गोत्र'** शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख हुआ है।

ऋग्वेद में प्रचलित शब्द प्रयोग

प्रचलित शब्द	शब्द प्रयोग
व्राजपति	चरागाह या बड़े जत्थे का प्रधान
पुरप	दुर्गपति
स्पश	गुप्तचर
उग्र	अपराधियों को पकड़ने वाला
अमाजू	आजीवन अविवाहित रहने वाली महिलाएँ
अघन्या	गाय

सामवे

- सामवेद को **भारतीय संगीत का जनक** कहा गया है। सामवेद के पाठकर्त्ता को **उदागातृ (उद्गाता)** कहा जाता था।
- सामवेद के प्रमुख उपनिषाद हैं– छांदोग्य एवं जैमनीय
- सामवेद में कुल 1875 ऋचाएँ है।

यजुर्वेद

- एकमात्र वेद जो **गद्य और पद्य** दोनों में रचित।
- यजुर्वेद दो भागों में विभाजित है– कृष्ण व शुक्ल।
- शुक्ल यजुर्वेद जो केवल पद्य में रचित है वहीं कृष्ण यजुर्वेद **पद्य एवं गद्य** दोनों में रचित हैं।
- शुक्ल वेद को **'वाजसनेयी संहिता'** भी कहा जाता है।
- **'ईशोपनिषद'** यजुर्वेद का अंतिम भाग है, जिसका संबंध याज्ञिक अनुष्ठान से न होकर आध्यात्मिक चिंतन से है।
- यजुर्वेद के सर्वाधिक विस्तृत एवं महत्वपूर्ण दो ब्राह्मण ग्रंथ– शतपथ एवं तैत्तिरीय।
- शतपथ ब्राह्मण में पुरुष मेघ का उल्लेख हुआ है।

अथर्ववेद

- अथर्ववेद के रचयिता **अंगीरस** हैं।
- अथर्ववेद में कुल 20 अध्याय एवं 731 सूक्त तथा 5987 (सामान्यत: 6000) मंत्र हैं।
- अथर्ववेद को 'वन पुस्तक' भी कहा जाता है क्योंकि यह पुस्तक वनों में रहने वाले विद्यार्थियों और साधुओं के लिए लिखी गई है।
- अथर्ववेद में **औषधियाँ, जादू-टोने**, **वशीकरण** इत्यादि का उल्लेख है।
- अथर्ववेद के उपनिषद **'मुण्डक उपनिषद'** में राष्ट्रीय वाक्य **'सत्यमेव जयते'** का उल्लेख है।
- गोपथ ब्राह्मण अथर्ववेद से संबंधित है।
- अथर्ववेद सबसे नवीनतम वेद है।
- **वेदों की त्रयी** में ऋग्वेद, यजुर्वेद तथा सामवेद शामिल हैं।
- चारों वेदों सहित ब्राह्मण में उपलब्ध साहित्य को **श्रुति** कहते हैं, जिसे प्रत्यक्ष रूप से ऋषियों से सुना गया था।

ऋग्वैदिक कालीन देवता

देवता	संबंधित विषय/क्षेत्र
इन्द्र	युद्ध का नेता एवं वर्षा के देवता
अग्नि	देवताओं एवं मनुष्य के बीच मध्यस्थ
वरुण	पृथ्वी एवं सूर्य के निर्माता, समुद्र के देवता, विश्व के नियामक एवं शासक, सत्य का प्रतीक, ऋतु परिवर्तन एवं दिन-रात का कर्त्ता
सोम	वनस्पति देवता
उषा	प्रगति एवं उत्थान देवता
आश्विन	विपत्तियों को हरने वाले देवता
विष्णु	विश्व के संरक्षक
मरुत	आँधी-तूफान के देवता
द्यौ	आकाश के देवता (सबसे प्राचीन)
पूषन	पशुओं के देवता

ऋग्वैदिक कालीन नदियाँ एवं उनके आधुनिक नाम

प्राचीन नाम	आधुनिक नाम
वितस्ता	झेलम
परुष्णी	रावी
विपाशा	व्यास
गोमती	गोमल
कुभा	काबुल
आस्किनी	चिनाब
सदानीरा	गंडक
शतुद्रि	सतलज
क्रुमु	कुर्रम
सुवास्तु	स्वात
दृशद्धती/सरस्वती	घग्घर या चितंग

भारतीय दर्शन एवं उसके प्रवर्तक

दर्शन	प्रवर्तक
चार्वाक	चार्वाक
योग	पतंजलि
सांख्य	कपिल
न्याय	गौतम
पूर्व-मीमांसा	जैमिनी
उत्तर-मीमांसा	बादरायण
वैशेषिक	कणाद या उलूक

उत्तर वैदिक काल: एक नजर में

- उत्तर वैदिक काल में चित्रित धूसर मृदभांड का प्रयोग किया जाता था।
- उत्तर वैदिक काल में लोहे की मदद से कृषि उपकरण बनने लगे, जिससे कृषि का विकास हुआ।
- इस काल में **जौ (यव), मूंग, उड़द, तिल, गेहूँ** तथा **धान की खेती** का उल्लेख मिलता है।
- इस काल में राजा के राज्याभिषेक के समय राजसूय यज्ञ किया जाता था।
- उत्तर वैदिक काल में **जन्म के आधार पर** वर्ण का निर्धारण होने लगा।
- इस काल में **निष्क** और **शतमान मुद्रा** की इकाइयाँ प्रचलन में थीं। इस काल में किसी खास आकृति, भार और मूल्य के सिक्कों के चलन का कोई प्रमाण नहीं मिलता है।
- इस काल में कौशांबी नगर में प्रथम बार पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया है।
- उत्तर वैदिक काल की जानकारी हमें सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक ग्रंथ तथा उपनिषद ग्रंथ से मिलती है।
- इस काल में आर्यों का पंजाब से आगे गंगा-यमुना से लेकर सदानीरा (गंडक) नदी तक विस्तार हो गया।
- इस काल में प्रथम बार **'राजत्व की दैवी उत्पत्ति'** की अवधारणा आई।

- इस काल में कर्मकांड के विधानों से राजा और भी प्रभावशाली हो गया। राजसूय यज्ञ, अश्वमेध यज्ञ तथा वाजपेय यज्ञ के माध्यम से राजा की शक्ति और महिमा बढ़ी।
- राज्याभिषेक के समय **राजसूर्य यज्ञ** का अनुष्ठान होता था।
- उत्तरवैदिक काल में औपचारिक ढंग से करों का संग्रह होने लगा तथा इसके संग्रह व संचालन के लिए **'संग्रहित'** नामक अधिकारी होता था।
- इस काल में गोत्र प्रथा प्रतिष्ठित हुई तथा एक गोत्र में विवाह को निषिद्ध किया गया।
- इस काल में आश्रम व्यवस्था की शुरुआत हुई किंतु चौथा आश्रम (संन्यास आश्रम) वैदिक युग में प्रतिष्ठित नहीं हुआ था।
- इस काल में हल को **सीर** तथा कृषि भूमि को **सीता** कहा जाता था।
- उत्तरवैदिक काल में इंद्र के स्थान पर **प्रजापति मुख्य देवता** के रूप में प्रतिष्ठित हुए।
- इस काल में ही षड्दर्शनों का बीजारोपण हुआ।

3. बौद्ध धर्म–गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षाएँ)

- गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम **सिद्धार्थ** था।
- गौतम बुद्ध के पिता का नाम **शुद्धोधन** था, जो **शाक्य गणतंत्र** (राजधानी–कपिलवस्तु) के प्रधान थे।
- सिद्धार्थ का जन्म **563 ईसा पूर्व** में शाक्य क्षत्रिय कुल में **कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी** (वर्तमान नेपाल) में हुआ।
- सिद्धार्थ की माता का नाम **मायादेवी** (कोलिय गणराज्य की कन्या) था। सिद्धार्थ का लालन–पालन इनकी सौतेली माँ **प्रजापति गौतमी** ने किया था।
- सिद्धार्थ का विवाह **16 वर्ष** की अवस्था में **यशोधरा** के साथ हुआ और इनसे **राहुल** नाम का एक पुत्र हुआ।
- सिद्धार्थ जब कपिलवस्तु की सैर पर निकले तो उन्होंने निम्न **चार दृश्यों** को क्रमशः देखा–
  (*i*) बूढ़ा व्यक्ति (*ii*) एक बीमार व्यक्ति
  (*iii*) शव (*iv*) एक संन्यासी
- सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर सिद्धार्थ ने **29 वर्ष** की आयु में **गृह-त्याग** किया। बौद्ध धर्म में इसे **महाभिनिष्क्रमण** कहा गया है।
- गृह-त्याग के बाद सिद्धार्थ ने वैशाली के **अलारकलाम** से सांख्य दर्शन की शिक्षा ग्रहण की। इस प्रकार **अलारकलाम** सिद्धार्थ के **प्रथम गुरु** बने।
- अलारकलाम के बाद सिद्धार्थ ने राजगीर स्थित **रुद्रक रामपुत्त** से शिक्षा प्राप्त किया।
- उरुवेला में सिद्धार्थ को **कौण्डिन्य, वप्पा, भादिया, महानामा** तथा **अस्सागी** नामक पाँच साधक मिले।
- कठिन तपस्या के बाद **वैशाख पूर्णिमा** की रात **निरंजना (फल्गु)** नदी के किनारे, **पीपल वृक्ष** के नीचे **35 वर्ष** की आयु में सिद्धार्थ को **ज्ञान (निर्वाण)** प्राप्त हुआ।
- ज्ञान (निर्वाण) प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ को **बुद्ध** के नाम से जाना गया। जिस स्थान पर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई वह **बोधगया** के नाम से जाना जाता है।
- गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश **सारनाथ (ऋषिपत्तनम)** में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में **धर्मचक्रप्रवर्तन** कहा गया है।
- बुद्ध ने अपने उपदेश **पालि भाषा** में दिए।
- गौतम बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश कौशल की राजधानी **श्रावस्ती** में दिए थे। बुद्ध के उपदेशों का संबंध आचरण की शुद्धता एवं पवित्रता से था।
- **वत्सराज उदयन** के शासनकाल में **महात्मा बुद्ध कौशाम्बी** आए थे।
- बुद्ध का भ्राता देवदत्त पहले उनका अनुगत बना फिर उनका विरोधी बन गया।
- बौद्ध धर्म के **तीन रत्न** हैं– बुद्ध, धम्म एवं संघ।
- गौतम बुद्ध ने निर्वाण प्राप्ति के लिए **10 शीलों** को जीवन का आधार बनाया। इनमें से पाँच शील का अनुपालन सामान्य बौद्ध अनुयायियों के लिए स्वीकार करना अनिवार्य था।
- महात्मा बुद्ध ने **चार आर्य सत्यों** का प्रतिपादन किया था– (*i*) दुःख (*ii*) दुःख समुदाय (*iii*) दुःख निरोध (*iv*) दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा। चौथे आर्य सत्य के अन्तर्गत ही अष्टांगिक मार्ग की अवधारणा दी गई है।
- **अष्टांगिक मार्ग–** सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक्, सम्यक कर्मान्त, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि है।
- महात्मा बुद्ध से संबंधित **आठ पवित्र स्थल** हैं– लुम्बिनी, बोध गया, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, वैशाली, राजगृह, सनकस्य।
- अल्प व्यस्क (15 वर्ष से कम), चोर, ऋणी, राजा के सेवक, दास तथा रोगी व्यक्ति का बौद्ध संघ में प्रवेश प्रतिबंधित था।
- गौतम बुद्ध ने शिष्य **आनंद** व **गौतमी** के कहने पर महिलाओं को बौद्ध संघ में सम्मिलित किया।
- महात्मा बुद्ध ने **जाति प्रथा, पशु बलि** जैसे यज्ञीय कर्मकांड का विरोध किया।
- सारनाथ स्थित भूमि स्पर्श मुद्रा की बुद्ध मूर्ति गुप्तकाल से संबंधित है।
- **'मल्ल' बौद्ध ग्रंथ** अंगुत्तर निकाय में वर्णित षोडश महाजनपदों में से एक महाजनपद था।
- महात्मा बुद्ध को **एशिया के ज्योतिपुंज** के तौर पर जाना जाता है।
- **'Light of Asia'** के लेखक **एडविन अर्नाल्ड** हैं। यह पुस्तक गौतमबुद्ध के जीवन पर आधारित है। यह लंदन में 1879 ई. में प्रकाशित हुई थी।
- महात्मा बुद्ध के **प्रमुख शिष्य–** उपाली, आनंद, जीवक।
- गौतम बुद्ध द्वारा धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति **सुभद्द** था।
- बौद्ध दर्शन में क्षणिकवाद को स्वीकार किया गया है।
- गौतम बुद्ध ने मानव प्रतिष्ठा पर बल दिया।

गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित प्रतीक चिह्न	
घटना	**प्रतीक चिह्न**
जन्म	कमल व सांड
गृहत्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल (बोधिवृक्ष)
निर्वाण	पद चिह्न
मृत्यु	स्तूप

बौद्ध संगीति : एक नज़र में					
बौद्ध संगीति	**स्थान**	**समय**	**अध्यक्ष**	**शासक**	**उपलब्धि**
प्रथम संगीति	राजगृह	483 ई.पू.	महाकस्सप	अजातशत्रु (हर्यक वंश)	सुत्तपिटक और विनयपिटक का संकलन।
द्वितीय संगीति	वैशाली	383 ई.पू.	सुबुकामी (साबकमीर)	कालाशोक (शिशुनारा वंश)	बौद्ध धर्म का दो भागों में विभाजन-थेरवाद तथा महासंघिक।
तृतीय संगीति	पाटलिपुत्र	251 ई.पू.	मोग्गलि-पुत्ततिस्स	अशोक (मौर्य वंश)	अभिधम्मपिटक का संकलन।
चतुर्थ संगीति	कुंडलवन (कश्मीर)	ईस्वी प्रथम शताब्दी	वसुमित्र	कनिष्क (कुषाण वंश)	बौद्ध धर्म का विभाजन दो भागों में-महायान तथा हीनयान।

- बौद्ध धर्म में आत्मा की परिकल्पना नहीं है, परंतु बौद्ध धर्म **पुनर्जन्म** तथा **कर्म में विश्वास** करता है।
- 483 ई. पू. में **कुशीनगर** (वर्तमान उत्तर प्रदेश) में **80 वर्ष** की आयु में महात्मा बुद्ध की मृत्यु **(महापरिनिर्वाण)** हो गई।

बौद्ध साहित्य

- त्रिपिटक बौद्ध धार्मिक साहित्य है। इसमें पिटकों की संख्या **तीन** है जो **पालि भाषा** में रचित हैं।
- पिटक तीन निकायों– **विनय पिटक, सुत्त पिटक** तथा **अभिधम्म पिटक** में विभाजित थे।
  - ***(i)*** **विनय पिटक**–इसके लेखक **उपाली** हैं। इसमें संघ में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाए गए **नियमों का संकलन** है।
  - ***(ii)*** **सुत्त पिटक**–इसके रचयिता **आनंद** थे। इसमें गौतम बुद्ध के **उपदेशों का संकलन** है। जातक कथाएँ भगवान बुद्ध के जन्म तथा पूर्व जन्म की प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है।
  - ***(iii)*** **अभिधम्म पिटक**–इसकी रचना तृतीय बौद्ध संगीति के समय हुई थी। इसकी रचना **मोगलिपुत्ततिस्स** ने की थी। गौतम बुद्ध के दार्शनिक सिद्धांतों से संबंधित इस पिटक में सात ग्रंथ शामिल हैं।
- बौद्ध धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें–ललितविस्तार (गौतम बुद्ध की पूर्ण जीवनी), दीपवंश, महावंश तथा कुलवंश (श्रीलंका में रचित पुस्तकें)।
- महायान (उत्कृष्ट मार्ग) के अनुयायी भगवान बुद्ध को एक देवता का स्थान देकर मूर्ति बनाकर पूजा (भारत में सर्वप्रथम मूर्ति पूजा का प्रारंभ) करते थे।
- हीनयान (निम्न मार्ग) मत के अनुयायी रूढ़िवादी थे।
- थेरी गाथा एक **बौद्ध साहित्य** है। इस बौद्ध साहित्य में 32 बौद्ध कवयित्रियों की कविताएँ संकलित है।

बौद्ध धर्म का स्थापत्य कला में योगदान

स्थापत्य कला में बौद्ध धर्म का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

स्तूप

- स्तूप **अर्द्धगुंबदाकार भवन** हैं जिसमें गौतम बुद्ध के **जीवन से संबंधित अवशेष** जैसे अस्थियों की पूजा की जाती है।
- साँची का स्तूप और भरहुत का स्तूप (मध्य प्रदेश में स्थित) प्रसिद्ध स्तूप हैं। इसकी स्थापना मौर्य शासक अशोक के शासनकाल में हुई थी। साँची स्तूप का महात्मा बुद्ध की किसी घटना से संबंध नहीं है।
- साँची और भरहुत के स्तूपों की खोज **एलेक्जेंडर कनिंघम** ने की थी।
- मध्य प्रदेश में स्तूप की सर्वाधिक बड़ी सघनता है।
- विश्व का सबसे ऊँचा स्तूप **राजगीर (बिहार)** का 'विश्व शांति स्तूप' है।
- प्राय: सभी स्तूपों के भीतर एक छोटा-सा डिब्बा रखा रहता है। इन डिब्बों में महात्मा बुद्ध या उनके अनुयायियों के शरीर के अवशेष (हड्डी, दाँत या राख) या उनके द्वारा प्रयुक्त कोई चीज या कोई कीमती पत्थर रखे रहते हैं। इसे **धातु-मंजूषा** कहते हैं।
- अशोक के शासनकाल में महास्तूप का निर्माण ईटों की सहायता से हुआ था, जिसके चारों ओर काष्ठ की वेदिका बनी थी।

विहार

- बौद्ध **भिक्षुओं के निवास स्थान** को विहार कहते हैं। चट्टानों को काटकर इनका निर्माण किया जाता था। अजन्ता तथा एलोरा की गुफाएँ इनका उदाहरण हैं।
- चैत्य **स्तंभाकार भवन थे** जहाँ बौद्ध भिक्षुक **पूजा** करते थे।
- विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध मंदिर **बोरोबुदुर (इंडोनेशिया)** में स्थित है।

4. जैन धर्म–महावीर (जीवनी एवं शिक्षाएँ)

- जैन धर्म ईश्वर के अस्तित्व को नकारता है और यह मूल रूप से **नास्तिक** है।
- जैन धर्म के महापुरुषों (तीर्थंकर) को जैन मतानुयायी देवता स्वरूप मानते हैं।
- जैन धर्म के अनुसार, कण-कण में आत्मा है, कर्म आत्मा का विनाशक है और इसका अंत होना चाहिए।
- जैन धर्म का **कर्म** और **पुनर्जन्म में विश्वास** है।
- जैन धर्म के अनुयायी तीर्थंकरों को देवता के रूप में पूजते हैं।
- जैन धर्म में कुल **24** तीर्थंकर हैं।

- **ऋषभदेव प्रथम जैन तीर्थंकर** थे जिनका उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।
- **नेमिनाथ** या अरिष्टनेमी **22वें जैन तीर्थंकर** थे। जैन धर्म की मान्यता के अनुसार ये वासुदेव के निकट संबंधी थे।
- **पार्श्वनाथ** जैन धर्म के **23वें तीर्थंकर** थे। इन्होंने **सत्य, अहिंसा, अस्तेय** (चोरी न करना) तथा **अपरिग्रह** (आवश्यकता से अधिक धन के संग्रह से बचना) के चातुर्याम धर्म की व्यवस्था की थी।
- 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी (काशी) में महावीर स्वामी से 250 वर्ष पहले 850 ई.पू. में हुआ था।
- वर्धमान महावीर जैन धर्म के **24वें** और **अंतिम तीर्थंकर** थे।

जैन धर्म के तीर्थंकर–एक नजर में

क्रम संख्या	नाम	तीर्थंकर	जन्म स्थान	प्रतीक चिह्न
1.	ऋषभदेव	प्रथम	अयोध्या	बैल
2.	अजितनाथ	द्वितीय	अयोध्या	हाथी
3.	संभवनाथ	तृतीय	श्रावस्ती	घोड़ा
4.	अभिनंदन नाथ	चतुर्थ	अयोध्या	बंदर
5.	सुमतिनाथ	पंचम	अयोध्या	चकबा
6.	पदमप्रभु	छठा	कौशाम्बी	कमल
7.	सुपार्श्वनाथ	सातवाँ	बनारस	साथिया
8.	चन्द्रप्रभु	आठवाँ	चन्द्रपुरी	चन्द्रमा
9.	पुष्पदंत	नौवाँ	काकांदी	मगर
10.	शीतलनाथ	दसवाँ	बद्धिलपुर	कल्पवृक्ष
11.	श्रेयांसनाथ	ग्यारहवाँ	सिंहपुरी	गेंडा
12.	वासुपूज्य	बारहवाँ	चंपापुरी	भैंसा
13.	विमलनाथ	तेरहवाँ	कपिलपुर	शूकर
14.	अनंतनाथ	चौदहवाँ	अयोध्या	सेही
15.	धर्मनाथ	पंद्रहवाँ	रत्नापुर	वज्रदंड
16.	शांतिनाथ	सोलहवाँ	हस्तिनापुर	हिरण
17.	कुंथुनाथ	सत्रहवाँ	हस्तिनापुर	बकरा
18.	अरहनाथ	अठारहवाँ	हस्तिनापुर	मछली
19.	मल्लिनाथ	उन्नीसवाँ	मिथिला	कलश
20.	मुनि सुव्रतनाथ	बीसवाँ	राजगढ़	कछुआ
21.	नमिनाथ	इक्कीसवाँ	मिथिलापुरी	नीलकमल
22.	नेमिनाथ	बाइसवाँ	मथुरा	शंख
23.	पार्श्वनाथ	तेइसवाँ	काशी	सर्प
24.	महावीर	चौबीसवाँ	कुंडलपुर	सिंह

वर्धमान महावीर–जीवनी

- वर्धमान महावीर का जन्म **599 ईसा पूर्व** में **वैशाली के कुण्डग्राम** में हुआ था।
- वर्धमान महावीर के पिता **सिद्धार्थ** वज्जि संघ के **लिच्छवि कुल** के शासक थे। इनकी माता का नाम **त्रिशला** था। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवी गणराज्य के प्रमुख चेटक की बहन थी। इनके बड़े भाई का नाम नंदिवर्धन था। इनकी पत्नी का नाम **यशोदा** एवं पुत्री का नाम **अणोज्जा (प्रियदर्शना)** था।
- प्रियदर्शना का विवाह जमालि से हुआ था, जो बाद में महावीर स्वामी का अनुयायी बन गया।
- महावीर ने **30 वर्ष** की अवस्था में गृह त्याग दिया तथा **12 वर्षों** की कठिन तपस्या के बाद **जृम्भिक ग्राम** के नजदीक **ऋजुपालिका नदी के** तट पर **साल वृक्ष** के नीचे उन्हें **'कैवल्य'** की प्राप्ति हुई।
- कैवल्य (ज्ञान प्राप्ति) के बाद महावीर **केवलिन, जिन** (विजेता), **अर्ह** (योग्य), **निर्ग्रंथ** (बंधन रहित) कहलाए।
- जैन धर्म के **पाँच महाव्रत** हैं– **अहिंसा** (हिंसा न करना), **सत्य** (झूठ न बोलना), **अस्तेय** (चोरी नहीं करना), **अपरिग्रह** (संपत्ति अर्जित नहीं करना) तथा **ब्रह्मचर्य** (इंद्रिय निग्रह करना)। इसमें शुरुआत के चार व्रत पार्श्वनाथ के समय से ही चल रहे हैं जबकि पाँचवां व्रत महावीर ने जोड़ा।
- महावीर ने अपने उपदेश **प्राकृत भाषा** में दिए।
- महावीर के प्रथम अनुयायी उनके जामाता (प्रियदर्शना के पति) **जमालि** बने।
- महावीर ने अपने अनुयायियों को **11** गणों/समूहों में बाँटा था तथा प्रत्येक गण को एक-एक प्रमुख शिष्य (गणधर) के नेतृत्व में रखा गया।
- जैन धर्म के **तीन रत्न**– सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र तथा सम्यक दर्शन हैं। ये जैन धर्म में मोक्ष के लिए तीन साधन हैं।
- **प्रभासगिरि** उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी में स्थित **जैन तीर्थस्थल** है।

जैन धर्म की शिक्षाएँ

- **अहिंसा** जैन धर्म का आधारभूत बिंदु है।
- जैन दर्शन की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा यह है कि संपूर्ण विश्व प्राणवान है। यह संसार **6 द्रव्यों**– जीव, पुद्गल (तत्व), धर्म (गति), अधर्म (विश्राम), आकाश और काल से निर्मित है।
- पार्श्वनाथ ने तीन सफेद वस्त्र धारण करने का प्रावधान किया। किन्तु महावीर ने सांसारिकता से पूर्णरूपेण अनासक्ति के लिए नग्नता आवश्यक माना।
- **'स्यादवाद'** या **'सप्तभंगी नय'** जैन धर्म का महत्वपूर्ण दर्शन है जो **'ज्ञान की सापेक्षता'** की बात करता है।
- जैन धर्म को चंद्रगुप्त मौर्य, महापद्मनंद, अमोघवर्ष तथा खारवेल जैसे शासकों का संरक्षण प्राप्त था।
- जैन धर्म का प्राचीनतम साहित्य **'पूर्व'** कहलाता है जिसकी संख्या **14** थी। बाद में इसका संकलन **'आगम'** के रूप में हुआ जिसकी संख्या **46** है।
- प्रमुख जैन ग्रंथ–हेमचंद्र रचित **परिशिष्टपर्वन** और हरिभद्र सूरी रचित **अनेकांतविजय** है।
- वर्धमान महावीर को **527 ई.पू.** में राजगीर के समीप **पावापुरी** में मल्ल राजा के राजप्रसाद में निर्वाण (मृत्यु) प्राप्त हुआ।
- महावीर स्वामी के निर्वाण के पश्चात् जैन धर्म दो संप्रदायों में विभाजित हो गया। ये हैं–(*i*) श्वेतांबर (सफेद वस्त्र धारण करने वाले) तथा (*ii*) दिगंबर (नग्न रहने वाले)।
- **प्रथम जैन संगीति चंद्रगुप्त मौर्य** के शासनकाल में लगभग **310 ई.पू.** में **पाटलिपुत्र** में **स्थूलभद्र** की अध्यक्षता में संपन्न हुई थी। इसमें जैन धर्म दो भागों–श्वेतांबर और दिगंबर में विभाजित हो गया।

- द्वितीय जैन संगीति **गुजरात के वल्लभी** नामक स्थान पर **क्षमाश्रवण** की अध्यक्षता में **छठी शताब्दी** में संपादित हुई। इसी सम्मेलन में प्राकृत भाषा में जैन ग्रंथों का संकलन हुआ।
- प्रथम जैन संगीति में **12 अंगों** में जैन सिद्धांतों का संकलन किया गया था।

वर्धमान महावीर के अन्य नाम	
उपाधि	**गुण**
निग्रन्थ	सभी बंधनों से मुक्त
अरिहन्त	योग्य
जिनसेन	इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने वाला
महावीर	पराक्रम दिखाने के कारण
काशव	गोत्र

जैन साहित्य

- जैन के पवित्र ग्रंथ **सिद्धांत** या **आगम** कहलाते हैं। इनकी भाषा **प्राकृत भाषा की एक पूर्वी बोली** है जिसे **अर्धमगधी** कहा जाता है।
- **भगवती सूत्र** महावीर स्वामी की जीवनी है जिसके रचयिता **सुधर्मन स्वामी** हैं।
- भद्रबाहु द्वारा संस्कृत में रचित **कल्पसूत्र** तीर्थंकरों की जीवनी से संबंधित है।
- बृहत्कल्पसूत्र, आचारांगसूत्र और सूत्रकृतांग आरंभिक जैन साहित्य का भाग है।
- जैन धर्म मुख्य रूप से क्षत्रियों और व्यापारियों द्वारा समर्थित था।
- चंपा नगरी का सबसे बड़ा केन्द्र चम्पानगरी था।
- महावीर स्वामी ने अपना **प्रथम उपदेश** राजगीर में **पालि भाषा** में दिया था।
- जैन तीर्थंकरों के पाँच मंदिरों का निर्माण चंदेल शासकों ने **खजुराहो** में करवाया।
- महावीर स्वामी ने **प्राकृत भाषा** को प्रचार का माध्यम बनाया।
- विष्णु पुराण तथा भागवत पुराण में ऋषभदेव का उल्लेख नारायण के अवतार के रूप में मिलता है।
- भद्रबाहु तथा उनके अनुयायियों को **दिगंबर** कहा गया।
- स्थूल भद्र तथा उनके अनुयायियों को **श्वेतांबर** कहा गया।
- बाहुबली प्रथम जैन तीर्थंकर **ऋषभदेव के पुत्र** थे।
- **बाहुबली** (गोमट) की विशालकाय जैन मूर्ति श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में स्थित है। इस मूर्ति का निर्माण गंग साम्राज्य के राजा राजमल्ल के शासनकाल में चामुंडराय नामक मंत्री ने लगभग 981 ई. में कराया था।
- जैन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव महामस्तकाभिषेक प्रत्येक 12 वर्ष के अंतराल पर कर्नाटक राज्य के श्रवणबेलगोला में आयोजित किया जाता है।

5. मौर्य वंश

- चंद्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश के अंतिम शासक **घनानंद** को हराकर 323 ई. पू. में मौर्य वंश की स्थापना की।
- चाणक्य द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तक **'अर्थशास्त्र'** शासन के सिद्धांतों को जानने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत है। इस पुस्तक में 15 अभिकरण हैं।
- मौर्य काल की राजनैतिक स्थिति और राज प्रबंध की जानकारी हमें प्रसिद्ध पुस्तक **अर्थशास्त्र** से मिलती है।
- **विशाखदत्त** रचित **'मुद्राराक्षस'** से चंद्रगुप्त मौर्य के विषय में विस्तृत सूचना प्राप्त होती है।
- मुद्राराक्षस पर टीका **ढुंढिराज** द्वारा लिखी गई थी।
- चंद्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र **बिन्दुसार 298 ई. पू.** में शासक बना।
- मेगस्थनीज के अनुसार भारतीय समाज में दास प्रथा प्रचलित नहीं था।
- बिन्दुसार **आजीवक सम्प्रदाय** का अनुयायी था।
- बिन्दुसार की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र **अशोक** शासक बना।
- अर्थशास्त्र में सर्वप्रथम राज्य के सप्तांग सिद्धांत– राजा, अमात्य, जनपद, कोष, दुर्ग, मित्र, एवं दंड की सर्वप्रथम व्याख्या मिलती है।
- चंद्रगुप्त मौर्य की **'सैंड्रोकोट्स'** के रूप में पहचान करने वाले विलियम जोन्स पहले विद्वान थे।
- प्लूटार्क एवं एरियन ने चंद्रगुप्त मौर्य को **'एंड्रोकोटस'** के रूप में वर्णित किया था।
- चंद्रगुप्त मौर्य की दक्षिण विजय की पुष्टि जैन एवं तमिल साक्ष्य से होती है।

प्रमुख भारतीय राजा एवं उनकी उपाधियां	
भारतीय राजा	**उपाधियां**
बिन्दुसार	अमित्रघात
अशोक	प्रियदर्शी, देवनामप्रिय, अशोकवर्द्धन
समुद्रगुप्त	कविराज, अप्रतिरथ, परमभागवत, भारत का नेपोलियन
चंद्रगुप्त प्रथम	महाराजाधिराज
चंद्रगुप्त द्वितीय	विक्रमादित्य, परमभागवत
हर्षवर्धन	शिलादित्य, परमभट्टारक
कनिष्क	देवपुत्र

सम्राट अशोक

- **273 ई. पू.** में अशोक सम्राट बना। मौर्य साम्राज्य का वह महानतम शासक था।
- अशोक का वास्तविक राज्याभिषेक **269 ई. पू.** में हुआ।
- पुराणों में अशोक को अशोकवर्द्धन कहा गया है।
- राज्याभिषेक (सम्राट बनने) से पूर्व अशोक **उज्जैन का राज्यपाल** था।
- भारत में शिलालेख का प्रचलन सर्वप्रथम अशोक ने किया था।
- अभिलेखों में अशोक को **देवनांमप्रिय** या **देवनांमपियदसि** नाम से संबोधित किया गया है।
- अपने राज्याभिषेक के **8वें वर्ष** अर्थात् **261 ई. पू.** में अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया। अशोक के **13वें शिलालेख** से पता चलता है कि अशोक ने **कलिंग पर विजय** प्राप्त की थी।
- कलिंग युद्ध के पश्चात् अशोक ने भेरी घोष त्याग कर धम्म घोष को अपनाया।
- बौद्ध धर्म अपनाने से पहले अशोक भगवान शिव की पूजा करता था।
- उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु ने अशोक को **बौद्ध धर्म** में दीक्षित किया।

- अशोक की माता का नाम **सुभद्रांगी** था। असंधिमित्रा एवं कारुवाकी अशोक की पत्नियाँ थीं।
- अशोक की एक अन्य पत्नी नागदेवी से **महेन्द्र (पुत्र)** तथा **संघमित्रा (पुत्री)** का जन्म हुआ।
- बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रसार के लिए अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र तथा पुत्री संघमित्रा को **श्रीलंका** भेजा।

अशोक के धम्म के प्रमुख सिद्धान्त

- बड़ों का आदर
- छोटों के प्रति उचित व्यवहार
- सत्य भाषण
- अहिंसा
- दान
- पवित्र जीवन
- सत्य
- शुभ कर्म
- धार्मिक सहनशीलता।

अशोक के प्रमुख अभिलेख

- अशोक के अभिलेखों को **तीन भागों** में बाँटा गया है–शिलालेख, स्तंभ लेख तथा गुहा लेख।
- शिलालेख में अशोक की धार्मिक यात्राओं, धर्म के नियमों, अहिंसा की नीति के विषय में लिखा गया है।
- वृहद शिलालेखों की संख्या **14** है जो आठ विभिन्न स्थलों–शाहबाजगढ़ी, मानसेहरा, गिरनार, धौली, कालसी, जौगढ़, सोपारा तथा एर्टगुड़ी से प्राप्त हुए हैं।
- गिरनार, कालसी और मेरठ के अभिलेख **ब्राह्मी लिपि** में है।
- दीर्घ स्तंभ लेखों की संख्या सात हैं जो छह पाषाण स्तंभों पर उत्कीर्ण हैं।
- प्रयाग स्तंभ लेख प्रारंभ में **कौशाम्बी** में स्थित था, जिसे बाद में अकबर ने इलाहाबाद के किले में स्थापित कराया।
- सारनाथ तथा साँची के लघु स्तंभ लेखों में अशोक ने अपने महामात्रों को संघभेद रोकने का आदेश दिया है।
- कौशाम्बी स्तंभ लेख को **'रानी का अभिलेख'** भी कहा जाता है। इस अभिलेख में अशोक की पत्नी कारूवाकी तथा उसके पुत्र तीवर का उल्लेख मिलता है।
- **रुम्मिनदेई अभिलेख** में अशोक की **कर नीति** की जानकारी मिलती है। इस अभिलेख को **आर्थिक अभिलेख** भी कहते हैं। यह **सबसे छोटा अभिलेख** है।
- अशोक की राजकीय घोषणाएं जिन स्तंभों पर उत्कीर्ण हैं, उन्हें साधारण तौर पर लघु स्तंभ लेख कहा जाता है।
- गुहा लेख गुफाओं में उत्कीर्ण लेख हैं।
- गुहा लेख धार्मिक सहिष्णुता का परिचायक है।
- बौद्ध धर्म ग्रहण करने के पश्चात् उन्होंने विहार एवं आखेट यात्राएं रोक दीं तथा उसके स्थान पर धर्म यात्राएं शुरू कीं।
- अशोक के शासनकाल में रज्जुकों (आधुनिक जिलाधिकारी) को **राजस्व** एवं **न्याय** दोनों क्षेत्रों में अधिकार प्राप्त थे।
- बिहार के गया में बराबर की पहाड़ी की तीन गुफाओं की दीवारों पर अशोक के गुफा लेख उत्कीर्ण हैं। इन अभिलेखों में आजीवकों को ये गुफाएँ दान में दिए जाने का उल्लेख है।
- अशोक के अधिकांश अभिलेख **प्राकृत** भाषा और **ब्राह्मी** लिपि में लिखे गए हैं।
- अशोक के केवल दो अभिलेखों (**शाहबाजगढ़ी** और **मानसेहरा**) की लिपि **खरोष्ठी** में है।
- प्राचीन भारत में खरोष्ठी लिपि **दाएं से बाएं** लिखी जाती थी।
- तक्षशिला तथा लघमान से **अरामेइक** लिपि में अभिलेख मिले हैं।
- कंदहार के पास यूनानी और अरामेइक लिपियों में लिखा द्विभाषीय अभिलेख प्राप्त हुए हैं।
- मास्की, नेत्तूर, गुर्जरा तथा उदेगोलम अभिलेखों में अशोक का उल्लेख है।
- 1837 **ई.** में **जेम्स प्रिंसेप** ने सर्वप्रथम अशोक के अभिलेखों को पढ़ा।
- अशोक के स्तंभ एकाश्म अर्थात् एक ही पत्थर से तराश कर बनाए गए हैं।
- साँची का स्तूप, भारहुत का स्तंभ तथा सारनाथ के धर्मराजिका स्तूप का निर्माण अशोक ने करवाया था।
- अशोक के प्रधान शिलालेखों में सबसे बड़ा **13वाँ शिलालेख** है।
- संगम राज्यों–चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त एवं केरल पुत्त सहित ताम्रपर्णी (श्रीलंका) की सूचना अशोक के दूसरे (II) एवं तेरहवें (XIII) शिलालेख में मिलती है।
- अशोक के शिलालेख की खोज 1750 **ई.** में **पाद्रेटी फेन्थैलर** ने की थी।
- शिलालेखों के अध्ययन को **एपिग्राफी** कहा जाता है।
- **भाब्रू अभिलेख** अशोक का **सबसे लंबा स्तंभ लेख** है।
- बौद्ध परंपरा अशोक को **84 हजार** स्तूपों के निर्माण का श्रेय प्रदान करती है।

अशोक के धर्म के मुख्य सिद्धांत

- कलिंग युद्ध के भीषण रक्तपात को देखकर अशोक का हृदय काँप उठा और इसके पश्चात् उसने अहिंसा की नीति को अपनाया।
- अशोक ने बौद्ध धर्म से दीक्षा ग्रहण की तथा एक नए मत का संस्थापक बन गया जो अशोक के धम्म के नाम से जाना जाता है।

तृतीय बौद्ध संगीति के बाद सम्राट अशोक द्वारा भेजे गए धर्म प्रचारक

धर्म प्रचारक	स्थान
महेन्द्र एवं संघमित्रा	श्रीलंका
महादेव	मैसूर
मज्झिम	हिमालय
रक्षित	उत्तरी कनारा
धर्मरक्षित	पश्चिमी भारत
महाधर्मरक्षित	महाराष्ट्र
महारक्षित	यवन राज्य
मज्झान्तिक	कश्मीर–गांधार

- अशोक चक्र, धर्मचक्र का वर्णन करता है जिसमें **24 तीलियाँ** हैं। इसे **अशोक चक्र** इसलिए कहते हैं क्योंकि लॉयन कैपिटल सारनाथ सहित सम्राट अशोक द्वारा जारी अशोक के फरमानों पर चक्र उत्कीर्ण किए गए हैं।

अशोक के शिलालेख और उनके विषय	
शिलालेख	**विषय**
1. पहला अभिलेख	पशुबलि की निंदा
2. दूसरा अभिलेख	मनुष्य एवं पशु चिकित्सा व्यवस्था तथा विदेशों में धम्म प्रचार का उल्लेख
3. तीसरा अभिलेख	रज्जुक एवं युक्त की नियुक्ति तथा राजकीय अधिकारियों को हर पाँच वर्ष पर राज्य भ्रमण करने का आदेश
4. चौथा शिलालेख	धम्मघोष की घोषणा
5. पाँचवां शिलालेख	धम्म-महामात्रों की नियुक्ति
6. छठा शिलालेख	प्रशासनिक सुधारों एवं आत्म नियंत्रण की शिक्षा का उल्लेख
7. सातवाँ शिलालेख	सभी धार्मिक मतों के प्रति अशोक की निष्पक्षता
8. आठवाँ शिलालेख	बोधगया की यात्रा का उल्लेख तथा विहार यात्रा के स्थान पर धम्म यात्रा का प्रतिपादन
9. नौवाँ शिलालेख	सच्ची भेंट तथा सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख
10. दसवाँ शिलालेख	राजा तथा उच्च अधिकारी प्रजा के हित के लिए कार्य करें
11. ग्यारहवाँ शिलालेख	धम्म नीति की व्याख्या
12. बारहवाँ अभिलेख	धार्मिक सहिष्णुता पर बल तथा स्त्री महामात्रों की नियुक्ति
13. तेरहवाँ शिलालेख	कलिंग युद्ध का वर्णन, अशोक का हृदय परिवर्तन तथा धम्म विजय की घोषणा, विदेशों में धम्म प्रचार का उल्लेख
14. चौदहवाँ शिलालेख	पहले तेरह शिलालेखों का पुनरावलोकन तथा जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया गया है।

अशोक के प्रमुख स्तंभ लेख	
स्तंभ लेख	**स्थान**
1. प्रयाग	इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज)
2. दिल्ली-टोपरा	दिल्ली
3. दिल्ली-मेरठ	दिल्ली
4. रामपुरवा	चंपारण (बिहार)
5. लौरिया अरेराज	चंपारण (बिहार)
6. लौरिया नंदनगढ़	चंपारण (बिहार)

- सारनाथ लघु स्तंभ लेख के अशोक स्तंभ पर राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रीय वाक्य उत्कीर्ण हैं। इस स्तंभ पर चार पशु-बैल, घोड़ा, हाथी एवं सिंह दर्शाए गए हैं।

अशोक की धम्म नीति

- 'धम्म' संस्कृत शब्द धर्म का प्राकृत रूप है।
- धम्म की नीति तत्कालीन अधिकांश संप्रदायों के सिद्धान्तों से संगत आचार संहिता थी।
- अशोक के धम्म में किसी देवता की पूजा या किसी कर्मकांड का कोई स्थान नहीं था।
- अशोक के धम्म का उद्देश्य विशाल साम्राज्य को स्थिरता एवं शांति प्रदान करना था।
- धम्म की नीति सहिष्णुता की शिक्षा देती थी।
- अशोक के **5वें अभिलेख** में उल्लेख है कि धम्म के प्रसार के लिए धर्म-महामात्र की नियुक्ति की गई।
- धम्म की नीति को प्रमुख अभिलेखों पर उत्कीर्ण किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अशोक के अभिलेखों में मौर्य साम्राज्य के **5 प्रांतों** के नामों का उल्लेख है, जो इस प्रकार हैं–

प्रांत	राजधानी
कलिंग	तोसली
उत्तरापथ	तक्षशिला
अवंतिराष्ट्र	उज्जयिनी
दक्षिणापथ	सुवर्णगिरि
प्राच्य	पाटलिपुत्र

- मौर्य काल में **भाग** एवं **बलि** राजस्व के स्रोत थे।
- अशोक ने गौतम बुद्ध की जन्मभूमि होने के कारण **लुम्बिनी ग्राम** का धार्मिक कर माफ कर दिया और भू-राजस्व कर को **1/6** से घटाकर **1/8** कर दिया।
- मौर्य शासक चंद्रगुप्त ने **गिरनार क्षेत्र** में सुदर्शन झील खुदवाई तथा अशोक ने ई. पू. तीसरी शताब्दी में इससे नहरें निकालीं।
- चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक के कार्यों का वर्णन शक क्षत्रप रुद्रदामन के **जूनागढ़ अभिलेख** में मिलता है।

6. गुप्त वंश–समुद्रगुप्त तथा चंद्रगुप्त द्वितीय

- गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी सदी के अन्त में प्रयाग के समीप कौशाम्बी में हुआ।
- लगभग **275 ई.** में **श्रीगुप्त** ने गुप्त वंश की स्थापना की थी।
- चंद्रगुप्त प्रथम को गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- कन्नौज को 'महोदया श्री' 'महोदया' आदि नामों से जाना गया है।

चंद्रगुप्त प्रथम

- चंद्रगुप्त प्रथम ने 319–320 **ई.** में **गुप्त संवत** प्रारंभ किया।
- चंद्रगुप्त प्रथम ने **महाराजाधिराज** की उपाधि धारण की।
- चंद्रगुप्त प्रथम ने सर्वप्रथम चांदी के सिक्के चलाए।

समुद्रगुप्त

- चंद्रगुप्त प्रथम के बाद **335 ई.** में समुद्रगुप्त शासक बना।
- इतिहासकार विन्सेंट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को **भारत का नेपोलियन** कहा है।

- **प्रयाग प्रशस्ति** से समुद्रगुप्त के विषय में जानकारी मिलती है कि उसने अश्वमेध यज्ञ करवाया।
- समुद्रगुप्त (335–375 ई.) के शासन के बारे में सूचना इलाहाबाद के अशोक स्तंभ अभिलेख से मिलती है।
- **हरिषेण** समुद्रगुप्त का **दरबारी कवि** था।
- समुद्रगुप्त के संधि विग्रहिक हरिषेण ने इलाहाबाद स्तंभ पर संस्कृत भाषा में प्रशंसात्मक वर्णन प्रस्तुत किया है, जिसे **'प्रयाग प्रशस्ति'** कहा गया है।
- कई ऐतिहासिक सिक्कों पर समुद्रगुप्त को वीणा बजाते हुए दिखाया गया है तथा उन्हें **कविराज** की उपाधि प्रदान की गई है।
- समुद्रगुप्त ने गरुड़, अश्वमेघ, व्याघ्रहन्ता, धनुर्धर, परशु तथा वीणाधारी 6 प्रकार की स्वर्ण मुद्राएँ जारी की।
- उसने उत्तर भारत (आर्यावर्त) के नौ शासकों को पराजित किया। इस विजय को **दिग्विजय** कहा गया।
- उसने दक्षिण भारत के **12** शासकों को पराजित किया। परंतु इन्हें पराजित करने के बाद भी समुद्रगुप्त ने इनका राज्य वापस कर दिया। इन विजयों को **धर्मविजय** का नाम दिया गया।
- समुद्रगुप्त विजेता के साथ–साथ कवि, संगीतज्ञ तथा विद्या का संरक्षक था।
- श्रीलंका के शासक मेघवर्मन ने समुद्रगुप्त से गया में एक बौद्ध मंदिर बनाने की अनुमति मांगी थी।

समुद्रगुप्त के मुख्य पदाधिकारी	
पदाधिकारी	**कार्य क्षेत्र**
1. कुमारामात्य	गुप्त साम्राज्य का सबसे बड़ा अधिकारी
2. महादण्डनायक	न्यायाधीश
3. संधिविग्रहक	संधि एवं युद्ध का मंत्री
4. खाद्यत्याकिका	राजकीय भोजनालय का प्रमुख

चंद्रगुप्त द्वितीय

- समुद्रगुप्त के पश्चात् चंद्रगुप्त द्वितीय (380–415 ई.) शासक बना।
- चंद्रगुप्त द्वितीय को **देवश्री**, **देवराज** तथा **देवगुप्त** के नाम से भी जाना जाता है।
- उसने **विक्रमांक, विक्रमादित्य** तथा **परमभागवत** की उपाधियाँ धारण कीं।
- चंद्रगुप्त द्वितीय का संधि विग्रहिक वीरसेन **शैव** था।
- चंद्रगुप्त द्वितीय की पत्नी का नाम **कुबेरनाग** तथा पुत्री का नाम **प्रभावती गुप्ता** था।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने पुत्री प्रभावती की सहायता से मालवा के शक क्षत्रपों को पराजित किया तथा चाँदी के सिक्के का प्रचलन प्रारंभ किया।
- शकों को पराजित करने की स्मृति में चंद्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी के विशेष सिक्के जारी किए। इसलिए इन्हें **'शकारि'** तथा **'शकविजेता'** कहा गया है।
- गुप्त शासक चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' प्रथम गुप्त शासक था, जिसने **'परमभागवत'** की उपाधि धारण की थी।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपने दामाद रुद्रसेन की मृत्यु के बाद **उज्जैन** को अपनी **दूसरी राजधानी** बनाया।
- महाकवि कालिदास चंद्रगुप्त द्वितीय के **दरबारी कवि** में थे।
- चीनी यात्री फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में भारत आया था।

चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्न और उनके कार्यक्षेत्र	
नवरत्न	**कवि**
1. कालिदास	कवि
2. धनवन्तरी	चिकित्सक
3. वाराहमिहिर	खगोलशास्त्री
4. अमर सिंह	कोशकार
5. क्षपणक	ज्योतिषाचार्य
6. वेताल भट्ट	जादूगर
7. शंकु	वास्तुकार
8. वररूची	व्याकरणाचार्य
9. हरिषेण	कवि

चंद्रगुप्त द्वितीय के प्रमुख पदाधिकारी	
पदाधिकारी	**कार्यक्षेत्र**
1. उपरिक	राज्यपाल
2. कुमारामात्य	प्रशासनिक अधिकारी
3. महादण्डनायक	मुख्य न्यायाधीश
4. दण्डपाशिक	पुलिस विभाग का प्रधान
5. महाप्रतिहार	मुख्य दौवारिक
6. महाबलाधिकृत	सैन्य कोष का अधिकारी

- चंद्रगुप्त द्वितीय के बाद कुमारगुप्त **(415–455 ई.)** शासक बना।
- कुमारगुप्त ने गरुड़ अंकित मुद्रा के स्थान पर **मयूर अंकित मुद्रा** उत्कीर्ण कराई।
- कुमारगुप्त के सिक्कों से पता चलता है कि उसने अश्वमेघ यज्ञ किया था।
- विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना **कुमारगुप्त** ने की थी।
- कुमारगुप्त के पश्चात् स्कन्दगुप्त (455–467 ई.) शासक बना।
- गिरनार पर्वत पर स्थित **सुदर्शन झील** का पुनर्निर्माण **स्कंदगुप्त** ने करवाया था।
- स्कन्दगुप्त ने **विक्रमादित्य, क्रमादित्य** आदि उपाधियां धारण कीं।
- स्कन्दगुप्त के शासनकाल में हूणों का पहला आक्रमण हुआ था। इस युद्ध में स्कन्दगुप्त ने हूणों को पराजित किया।
- गुप्त वंश का अंतिम शासक **विष्णु गुप्त** था।
- गुप्त शासकों का व्यक्तिगत धर्म **वैष्णव धर्म** था।
- गुप्त वंश का राजकीय चिह्न **गरुड़** था।
- स्कन्दगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख **विष्णु स्तुति** से प्रारंभ हुआ है।
- गुप्तकाल में ही त्रिमूर्ति के अन्तर्गत ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा आरंभ हुई।
- गुप्तकालीन मंदिर कला का सर्वोत्तम उदाहरण देवगढ़ स्थित **दशावतार मंदिर** है।

- अजन्ता की गुफाएँ **गुप्तकालीन** हैं।
- गुप्तकाल को संस्कृत साहित्य का **स्वर्ण काल** माना जाता है। इसी काल में **कालिदास** तथा अन्य संस्कृत विद्वानों ने अधिकांश संस्कृत साहित्य की रचना की।
- **आर्यभट्ट** गुप्त काल के सबसे बड़े गणितज्ञ थे। उनकी रचना का नाम **आर्यभट्टीयम** है।
- गुप्त काल में ही सर्वाधिक भूमि अनुदान दिया गया।
- गुप्त काल को ब्राह्मण धर्म के पुनरुत्थान का काल माना जाता है।
- रामायण तथा महाभारत के अंतिम रूप का संपादन गुप्त काल में ही हुआ था।
- गुप्त काल में ही वैष्णव तथा शैव धर्म के बीच समन्वय स्थापित हुआ।
- शिव के अर्द्धनारीश्वर रूप की मूर्तियाँ **गुप्त काल** में बनायी गईं।
- स्वर्ण मुद्रा को गुप्तकाल में **'दीनार'** कहा जाता था।
- एरण अभिलेख में सती प्रथा का प्रथम अभिलेखिक साक्ष्य प्राप्त हुआ है।

गुप्तकालीन प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार

रचनाएँ	रचनाकार
1. पंचतंत्र	पं. विष्णु शर्मा
2. मेघदूत	कालिदास
3. अभिज्ञानशाकुंतलम्	कालिदास
4. विक्रमोर्वशीयम	कालिदास
5. कुमारसंभव	कालिदास
6. रघुवंश	कालिदास
7. ऋतुसंहार	कालिदास
8. मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
9. किरातार्जुनीयम्	भारवि
10. देवीचंद्रगुप्तम्	विशाखदत्त
11. मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
12. अमरकोश	अमरसिंह
13. रावणार्जुनीयम	भौमिक
14. स्वप्नवासवदत्तम	भास
15. चारुदत्तम	भास
16. हर्ष चरित्र	बाणभट्ट
17. शल्यशास्त्र	धन्वन्तरि
18. काव्य मीमांसा	राजशेखर
19. ब्रह्म सिद्धांत	ब्रह्मगुप्त
20. मृच्छकटिकम्	शूद्रक

गुप्त काल में विज्ञान का विकास

- गुप्त काल में निर्मित लौह स्तंभ **दिल्ली के महरौली** में स्थित है। इस स्तंभ की यह विशेषता है कि रसायन के उपयोग के कारण आज तक यह जंगरहित है। इस स्तंभ पर **विक्रमादित्य** की विजय का वर्णन वर्णित है।
- **आर्यभट्ट** गुप्त काल के प्रसिद्ध **गणितज्ञ** और **ज्योतिषी** (मूलतः खगोलविद्) थे। उनके अनुसार सूर्य स्थिर है और पृथ्वी घूमती है।
- **वाराहमिहिर** गुप्त काल का प्रसिद्ध **खगोलविद्** था जिसने **वृहत संहिता** की रचना की।
- **ब्रह्मगुप्त** को प्राचीन काल का सबसे प्रसिद्ध **गणितज्ञ** माना जाता है। इन्हें गुरुत्वाकर्षण बल का खोजकर्त्ता भी माना जाता है।
- **धन्वंतरि** को गुप्त काल का महान **चिकित्सक** और आयुर्वेद का ज्ञाता माना जाता है।
- **सुश्रुत** को गुप्त काल में **आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा का विद्वान** माना जाता है। शल्य चिकित्सा पर इनकी प्रसिद्ध पुस्तक **सुश्रुत संहिता** है।
- **भास्कराचार्य** गुप्त काल के प्रसिद्ध **खगोलज्ञ** एवं **गणितज्ञ** थे। उन्होंने **'लीलावती'** तथा **'सिद्धांत शिरोमणि'** नामक ग्रंथों की रचना की। इन्हें **भास्कर द्वितीय** के नाम से जाना जाता था।
- चरक कनिष्क के प्रमुख **राजवैद्य** थे, जिन्होंने **'चरक संहिता'** की रचना की थी।

गुप्तकाल के प्रमुख मंदिर

मंदिर	स्थान
विष्णु मंदिर	तिगंवा (जबलपुर, मध्य प्रदेश)
दशावतार मंदिर	देवगढ़ (झांसी, उत्तर प्रदेश)
शिव मंदिर	भूमरा (नागौद, मध्य प्रदेश)
शिव मंदिर	खोह (नागौद, मध्य प्रदेश)
पार्वती मंदिर	नचना-कुठार (मध्य प्रदेश)
लक्ष्मण मंदिर	भितरगांव (कानपुर, उत्तर प्रदेश)

गुप्तकाल की प्रमुख भुक्तियां (प्रांत)

प्रांत	क्षेत्र
मगध	पश्चिम बिहार
अवन्ति	पश्चिमी मालवा
वर्द्धमान	उत्तरी बंगाल
एरण	पूर्वी मालवा
तीर भुक्ति	उत्तरी बिहार
पुण्ड्रवर्धन	उत्तरी बंगाल

7. हर्षवर्द्धन

- हर्षवर्द्धन **पुष्यभूति वंश** से संबंधित था।
- पुष्यभूति वंश की स्थापना पुष्यभूति ने हरियाणा के **थानेश्वर** में की थी।
- हर्षवर्द्धन **606 ई.** में शासक बना।
- कन्नौज पर अधिकार करने के बाद हर्षवर्द्धन ने **कन्नौज** को अपनी नयी राजधानी बनाया।
- बाणभट्ट द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तक **हर्षचरित** से हर्षवर्द्धन के बारे में व्यापक जानकारी मिलती है।
- हर्षवर्द्धन ने कुल **41** वर्षों तक शासन किया।

- हर्षवर्द्धन एक प्रतिष्ठित कवि एवं नाटककार था। **नागानंद, प्रियदर्शिका** तथा **रत्नावली** हर्षवर्द्धन की प्रमुख रचनाएँ हैं।
- हर्षवर्द्धन बौद्ध धर्म की **महायान** शाखा का समर्थक होने के अलावा शिव तथा विष्णु का भी उपासक था।
- हर्षवर्द्धन ने **प्रयाग** तथा **कन्नौज** में विशाल धार्मिक सभाओं का आयोजन किया।
- चीनी यात्री **ह्वेनसांग** हर्षवर्द्धन काल (629–645 ई.) में भारत में रहा। बौद्ध धर्म के अध्ययन के लिए वह भारत की यात्रा पर आया था। ह्वेनसांग को **तीर्थयात्रियों का राजकुमार** उपनाम दिया गया है। उसने नालंदा विश्वविद्यालय में रहकर अध्ययन किया। उस समय यहाँ के कुलपति **शीलभद्र** थे।
- गौड़ नरेश शशांक की मृत्यु के पश्चात् हर्षवर्द्धन ने बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा पर अपना अधिकार स्थापित किया।
- चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार हर्षवर्द्धन काल में अधिकारियों को वेतन भूमि अनुदान के रूप में दिया जाता था।
- हर्ष के शासनकाल के समय प्रति पांचवे वर्ष संगम क्षेत्र में एक समारोह का आयोजन किया जाता था, जिसे **'महामोक्ष परिषद'** कहा गया है।
- हर्षवर्द्धन के समय भूमिकर, कृषि उत्पादन का छठा भाग वसूल किया जाता था।
- हर्षवर्द्धन ने 641 ई. में **मगधराज** की उपाधि धारण की।
- बाणभट्ट से हर्षवर्द्धन के शासन काल के आरंभिक इतिहास की जानकारी मिलती है।
- हर्षचरित में हर्षवर्द्धन को सभी देवताओं का सम्मिलित अवतार कहा गया है।
- चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर हुए युद्ध में हर्षवर्द्धन को पराजित कर दिया।

8. राजपूत काल

- हर्षवर्द्धन की मृत्यु के पश्चात् भारत में तीन प्रमुख शक्तियों- पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट वंशों का उदय हुआ, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे समय तक शासन किया।
- हर्षवर्द्धन की मृत्यु के बाद उत्तर भारत में विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई। किसी शक्तिशाली केन्द्रीय शक्ति के अभाव में छोटे-छोटे स्वतंत्र राज्यों की स्थापना होने लगी।
- सातवीं-आठवीं शताब्दी में छोटे-छोटे स्वतंत्र राज्यों के शासक 'राजपूत' कहलाए।
- इस काल में उत्तर भारत में राजपूतों के प्रमुख वंशों-गुर्जर-प्रतिहार, गहड़वाल/राठौर, चौहान, परमार, चंदेल, सोलंकी, सिसोदिया आदि ने अपने राज्य स्थापित किए।

गुर्जर-प्रतिहार वंश

- अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक महत्व प्रतिहार वंश का था। प्रतिहारों का गुर्जरों से सम्बद्ध होने के कारण इन्हें गुर्जर-प्रतिहार भी कहा जाता है।
- परंपरा के अनुसार **हरिश्चन्द्र** को गुर्जर-प्रतिहार वंश का संस्थापक माना जाता है, लेकिन **नागभट्ट प्रथम** को इस वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- प्रतिहार वंश की प्राथमिक जानकारी पुलकेशिन द्वितीय के **ऐहोल अभिलेख,** बाणभट्ट के **हर्षचरित** तथा ह्वेनसांग के विवरणों से प्राप्त होता है।
- प्रतिहारों का साम्राज्य उत्तर भारत के व्यापक क्षेत्र में विस्तृत था जो गंगा-यमुना दोआब, पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा तथा पंजाब के क्षेत्रों तक फैला हुआ था।
- नागभट्ट प्रथम, वत्सराज, महेन्द्रपाल प्रथम तथा महिपाल इस वंश के प्रमुख शासक थे।
- **मिहिरभोज** प्रतिहार वंश का सर्वाधिक प्रतापी एवं महान शासक था। उसने **आदिवराह** की उपाधि धारण की थी।
- महेन्द्रपाल ने प्रतिहार साम्राज्य का विस्तार मगध एवं उत्तरी बंगाल तक किया।
- प्रसिद्ध विद्वान राजशेखर महेन्द्रपाल प्रथम के दरबार में निवास करते थे। राजशेखर ने **कर्पूर मंजरी, काव्य मीमांसा, बालभारत, बाल रामायण** तथा **भुवनकोश** जैसे प्रसिद्ध **जैन ग्रंथों** की रचना की।
- इस वंश के कुशल एवं प्रतापी शासक महिपाल के शासनकाल में बगदाद निवासी अल-मसूदी (915–916 ई. में) गुजरात आया था। महिपाल के शासनकाल में ही गुर्जर-प्रतिहार साम्राज्य का विघटन प्रारंभ हो गया था।
- चीनी यात्री ह्वेनसांग ने गुर्जर राज्य को पश्चिमी भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य कहा है।
- **'सि-यू-की'** ह्वेनसांग द्वारा रचित यात्रा वृत्तांत है।

गहड़वाल/राठौर वंश

- **1080–85 ई.** में **चंद्रदेव** ने राष्ट्रकूट शासक गोविन्द को पराजित कर गहड़वाल वंश की स्थापना की। **कन्नौज** गहड़वालों की राजधानी थी।
- चंद्रदेव के वाराणसी दानपत्र, मदनपाल का वसही अभिलेख तथा कुमारदेवी के सारनाथ अभिलेख से गहड़वाल वंश की जानकारी मिलती है।
- **गोविन्द** इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। इसने आधुनिक पश्चिम बिहार तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भागों को अपने अधीन कर कन्नौज के प्राचीन गौरव को पुनः स्थापित किया।
- **लक्ष्मीधर** गोविन्दचन्द्र का मंत्री था।
- लक्ष्मीधर द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ **'कृत्यकल्पतरु'** था।
- **जयचंद्र** गहड़वाल वंश का **अंतिम शासक** था जो 1170 ई. में शासक बना।
- **चंदावर के युद्ध** (1193–94 ई.) में **मोहम्मद गोरी** ने **जयचंद** को पराजित कर उसकी हत्या कर दी।
- **संयोगिता** (जयचंद की पुत्री) का अपहरण **'पृथ्वीराज चौहान'** ने किया था।

चौहान वंश

- चौहान वंश की स्थापना **वासुदेव** ने छठी सदी के अंत में अजमेर के निकट **शाकम्भरी** में की। वासुदेव ने अपनी राजधानी **अहिछत्रपुर** में स्थापित की।
- **वाक्पतिराज प्रथम** चौहान वंश का पहला पूर्ण स्वतंत्र शासक था।
- पृथ्वीराज के प्रथम पुत्र **अजयराज** (12वीं शताब्दी) ने **अजमेर नगर** की स्थापना कर उसे अपने राज्य की राजधानी बनाया।
- **'पृथ्वीराज रासो'** को **हिन्दी भाषा का प्रथम महाकाव्य** कहा जाता है।
- राजकवि **जयानक** द्वारा रचित **'पृथ्वी राज विजय'** प्रसिद्ध रचना है।
- **विग्रहराज चतुर्थ** इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। तोमर राजाओं को पराजित कर इसने दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया।
- **पृथ्वीराज तृतीय** इस वंश का सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक था तथा वह चौहान वंश का अंतिम शासक भी था।
- **चन्दरबरदाई** पृथ्वीराज चौहान का **दरबारी कवि** था। उसने **'पृथ्वीराज रासो'** नामक ग्रंथ की रचना की थी।
- **चन्दरबरदाई** को प्राचीन भारत का **प्रथम हिन्दी कवि** कहा जाता है।
- **तराइन का प्रथम युद्ध** (1191 ई.) **पृथ्वीराज तृतीय** एवं **मोहम्मद गोरी** के बीच हुआ जिसमें मोहम्मद गोरी की हार हुई।
- **तराइन का दूसरा युद्ध** (1192 ई.) **पृथ्वीराज तृतीय** और **मोहम्मद गोरी** के बीच हुआ जिसमें पृथ्वीराज चौहान की हार हुई।
- पृथ्वीराज चौहान ने रणथम्भौर का जैन मंदिर बनवाया था।

परमार वंश

- **उपेन्द्र** परमार वंश का संस्थापक था। इसने **धारानगरी** को अपनी राजधानी बनाया।
- **सीयक द्वितीय** अर्थात् **श्रीहर्ष** को इस वंश का **वास्तविक संस्थापक** माना जाता है क्योंकि इसने राष्ट्रकूटों को चुनौती देते हुए स्वतंत्रता की घोषणा की।
- मालवा में परमारों की शक्ति का उत्कर्ष वाक्यपतिमुंज (973–995 ई.) के समय आरंभ हुआ। इसने त्रिपुरी के कलचुरी तथा चालुक्य नरेश तैलप द्वितीय को पराजित किया।
- राजा भोज(1010–1066 ई.) परमार वंश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासक था। उसकी राजनीतिक उपलब्धियों का विवरण **उदयपुर प्रशस्ति से** प्राप्त होता है।
- भोज अपनी विद्वता के कारण **कविराज** उपाधि से विख्यात था। वह शिक्षा और संस्कृति का महान संरक्षक था।
- भोज ने अपने समकालीन नरेशों– कल्याणी के चालुक्यों तथा अन्हिलवाड़ के चालुक्यों को पराजित किया। किन्तु चंदेल शासक विद्याधर से वह पराजित हो गया।
- **भोजसागर तालाब** एवं **भोजपुर शहर** भोज परमार ने बनवाया। इन्होंने ही सोमेश्वर, सोमनाथ, केदारेश्वर तथा रामेश्वर आदि मंदिरों का निर्माण कराया।
- धार नगरी की स्थापना **भोज** ने की थी तथा उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **सरस्वती मंदिर** का निर्माण भोज ने अपनी राजधानी **धारानगरी** में करवाया था। इसे '**कविराज**' के नाम से जाना जाता है।
- इसकी प्रमुख रचनाएं **'सरस्वती कण्ठाभरण'**, **'समरांग सूत्राधारं' 'सिद्धांत संग्रह'** एवं **'आयुर्वेद सर्वस्व'** हैं।
- भोज के शासनकाल में साहित्य का मक्का **धारा** को कहा जाता था।
- भोजशाला मंदिर मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित हैं।
- 1305 ई. में मालवा अलाउद्दीन खिलजी द्वारा दिल्ली सल्तनत का अंग बना।

चंदेल वंश

- चंदेल वंश का संस्थापक **नन्नुक** था।
- **खजुराहो** चंदेलों की राजधानी थी। कालिंजर (महोबा) इनकी प्रारंभिक राजधानी थी।
- यशोवर्मन (930–950 ई.) इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। इसने मालवा और चेरि पर आक्रमण करके अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- खजुराहो अभिलेख में यशोवर्मन की विजय एवं पराक्रम का वर्णन मिलता है।
- यशोवर्मन ने खजुराहो में विष्णु को समर्पित **चतुर्भुज मंदिर** का निर्माण करवाया।
- कालिंजर, खजुराहो, महोबा, बांदा एवं अजयगढ़ से चंदेल वंश के अभिलेख के मिले हैं।
- यशोवर्मन ने प्रतिहार राजा देवपाल को पराजित कर विष्णु प्रतिमा प्राप्त कर ली और इसे खुजराहों में स्थापित कर दिया।
- यशोवर्मन का पुत्र **धंगदेव** (950–1008 ई.) चंदेल वंश का सबसे प्रसिद्ध राजा हुआ। इसने **कालिंजर** को अपनी राजधानी बनाया। **कंदरिया महादेव मंदिर** का निर्माण **धंगदेव** ने करवाया था।
- वैद्यनाथ, विश्वनाथ, कंदरिया महादेव मंदिर एवं जिन्ननाथ मंदिरों का निर्माण धंगदेव द्वारा कराया गया था।
- धंग देव हिन्दू शाही राजा जयपाल द्वारा तुर्कों के विरुद्ध बनाए गए संघ में शामिल हुआ था।
- धंग देव ने प्रयाग में जाकर संगम में जल समाधि ले ली।
- चंदेल राजाओं ने ही सर्वप्रथम **देवनागरी लिपि** का प्रयोग अपने लेखों में करवाया था।
- बुंदेलखंड के चंदेल शासकों में **परमार्दिदेव (परिमल)** अंतिम शक्तिशाली शासक था। प्रसिद्ध योद्धा आल्हा और ऊदल परमार्दिदेव के दरबार में रहते थे।
- वीरवर्मन द्वितीय चंदेल वंश का अंतिम शासक था।

सोलंकी वंश

- गुजरात के सोलंकी अथवा चालुक्य वंश की स्थापना **मूलराज प्रथम** ने 942 ई. में की। **अन्हिलवाड़** चालुक्यों की राजधानी थी। इस वंश के शासक **जैन धर्म** के पोषक तथा संरक्षक थे।
- इस वंश के इतिहास की जानकारी मुख्य रूप से जैन लेखकों के ग्रंथों से होती है।

- जयसिंह के दरबार में प्रसिद्ध जैन आचार्य **हेमचंद्र सूरी** रहते थे।
- **भीम प्रथम** (1022–1064 ई.) इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था। इसके शासन काल में महमूद गजनवी ने 1025 ई. में गुजरात पर आक्रमण कर सोमनाथ मंदिर को लूटा।
- भीम प्रथम ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया तथा इसके सामंत विमल ने **आबू पर्वत** पर **दिलवाड़ा के जैन मंदिर** का निर्माण करवाया।
- चालुक्य शासकों की राज्य सीमाएँ पश्चिम में काठियावाड़ तथा गुजरात, पूर्व में भिलासा (मध्य प्रदेश), दक्षिण में बलि एवं सांभर तक विस्तृत थी।
- भीम प्रथम का उत्तराधिकारी **कर्ण प्रथम** था।
- कर्ण प्रथम ने अन्हिलवाड़ के **कर्णमेरू नामक मंदिर** को बनवाया।
- सोलंकी वंश के शासक जयसिंह ने मालवा के परमार शासक यशोवर्मन को युद्ध में पराजित कर **अवन्तिनाथ** की उपाधि धारण की। जयसिंह **शैव धर्म** का अनुयायी था। इन्होंने **सिद्धराज** की उपाधि धारण की थी।
- कुमारपाल (1153–1171 ई.) इस वंश का महत्वाकांक्षी शासक था। जैन परंपरा के अनुसार इसने अपने साम्राज्य में पशु हत्या, मद्यपान एवं द्यूतक्रीड़ा पर प्रतिबंध लगा दिया था।
- कुमार पाल ने ब्राह्मण एवं जैन धर्म के मंदिरों का निर्माण कराया।
- सभी चालुक्य शासक भगवान शिव के उपासक थे।
- अजयपाल का शासनकाल 1172–1176 ई. के मध्य में था।
- अजयपाल ने **परम माहेश्वर की उपाधि** धारण की थी।
- मूलराज द्वितीय ने 1178 ई. में आबू पर्वत के निकट मुहम्मद गोरी को हराया।
- **भीम द्वितीय** (1178–1238 ई.) चालुक्य वंश का **अंतिम शासक** था। इसने चालुक्य शक्ति एवं प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित किया।
- मोढ़ेरा का सूर्य मंदिर **सोलंकी** राजाओं ने बनवाया था।
- **कर्ण** गुजरात का अंतिम हिन्दू शासक था।

सिसोदिया वंश

- **हम्मीर देव** ने सिसोदिया वंश की स्थापना की थी।
- सिसोदिया वंश का शासन मेवाड़ पर था। इस वंश के राजपूत सूर्यवंशी कुल से अपना संबंध बताते थे।
- सिसोदिया वंश की राजधानी **चित्तौड़** थी।
- विजय स्तंभ **चित्तौड़गढ़** में स्थित है। इसका निर्माण **राणा कुम्भा** ने अपनी विजय के उपलक्ष्य में करवाया था। वह संगीत का बहुत शौकीन था।
- **राणा सांगा** तथा **इब्राहिम लोदी** के बीच 1518 ई. में **खतौली का युद्ध** हुआ था।
- **खानवा का युद्ध** 1527 ई. में **राणा सांगा** तथा **बाबर** के बीच हुआ था।
- महाराणा प्रताप सिसोदिया वंश का सबसे प्रतापी शासक हुआ।
- **हल्दीघाटी का युद्ध अकबर** और **महाराणा प्रताप** के बीच **1576 ई.** में हुआ। इस युद्ध में महाराणा प्रताप को पराजय का सामना करना पड़ा।
- महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम **'चेतक'** था।

9. सल्तनत काल

- **मुहम्मद बिन कासिम** भारत पर आक्रमण करने वाला **प्रथम मुस्लिम शासक** था। उसने 712 ई. में सिंध क्षेत्र पर आक्रमण कर वहाँ के शासक दाहिर को पराजित किया।
- मुहम्मद बिन कासिम प्रथम एवं अंतिम अरब आक्रमणकारी था।
- भारत पर अरब आक्रमण से भविष्य में भारत पर आक्रमण करने वालों का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- मुहम्मद बिन कासिम के बाद भारत पर अगला आक्रमण अफगानिस्तान स्थित गजनी के शासक महमूद गजनी ने 1000 ई. में किया था।
- महमूद गजनवी ने 1000 ई. से 1028 ई. के बीच भारत पर **सत्रह** बार आक्रमण किया।
- महमूद गजनवी ने 1025 ई. में **गुजरात स्थित सोमनाथ** पर आक्रमण किया था।
- **उत्बी** महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था। इन्होंने **'तारीख-ए-यामिनी'** अथवा **'किताब-उल-यामिनी'** नामक ग्रंथ की रचना की।
- महमूद गजनवी का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों के विरुद्ध था।
- महमूद गजनवी के दरबारी कवि फिरदौसी **शाहनामा** के लेखक है।
- अलबरुनी फारसी, सीरियाई, संस्कृत तथा हिब्रू समेत अनेक भाषाओं का ज्ञाता था। उसने अरबी भाषा में **किताब उल हिन्द** की रचना की।
- **अलबरुनी** पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था।
- भारत में तुर्क साम्राज्य की स्थापना **मुहम्मद गोरी** ने की थी। उसने मुल्तान पर 1175 ई. में प्रथम आक्रमण किया।
- मुहम्मद गोरी ने 1193 में दिल्ली को अपने राज्य की राजधानी बनाया।
- मुहम्मद गोरी ने अपने विजित प्रदेशों की जिम्मेदारी अपने गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक को सौंपी।

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख वंश और उनके काल

प्रमुख वंश	शासन काल
1. गुलाम वंश	1206 ई. – 1290 ई.
2. खिलजी वंश	1290 ई. – 1320 ई.
3. तुगलक वंश	1320 ई. – 1414 ई.
4. सैयद वंश	1414 ई. – 1451 ई.
5. लोदी वंश	1451 ई. – 1526 ई.

गुलाम वंश

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206–1210 ई.)

- मुहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद उसके गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में गुलाम वंश की स्थापना की।
- ऐबक को **लाखबक्श** (लाखों में दान करने वाला) के नाम से जाना जाता है।
- ऐबक ने **लाहौर** को अपनी राजधानी बनाया और वहीं से उसने शासन किया।
- ऐबक ने साम्राज्य विस्तार से अधिक ध्यान राज्य के सुदृढ़ीकरण पर दिया।
- दिल्ली स्थित **कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद** और अजमेर स्थित **अढ़ाई दिन का झोंपड़ा** कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाया थ।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने कभी **'सुल्तान'** की उपाधि धारण नहीं की। इसने केवल **सिपहसालार** तथा **मलिक** की पदवियों से ही अपने को संतुष्ट रखा।
- दिल्ली स्थित कुतुब मीनार का निर्माण ऐबक ने **शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी** की स्मृति में करवाया था।
- ऐबक का सहायक सेनापति **बख्तियार खिलजी** था।
- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु **1210 ई.** में **लाहौर** में चौगान (पोलो) खेलते समय हुई थी।
- सल्तनत काल की राजकीय भाषा **फारसी** थी।
- ऐबक के बाद उसका पुत्र आरामशाह आठ महीने तक शासक रहा।

इल्तुतमिश (1211–1236 ई.)

- 1211 ई. में इल्तुतमिश शासक बना। उसे दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- 1229 ई. में इल्तुतमिश के शासन की पुष्टि खलीफा ने उन सभी क्षेत्रों में कर दी, जो उसने विजित किये।
- खलीफा ने उसे '**सुल्तान-ए-आजम**' की उपाधि प्रदान की।
- इल्तुतमिश **इल्बरी तुर्क** था और कुतुबुद्दीन ऐबक का गुलाम था।
- सुल्तान बनने से पहले इल्तुतमिश **बदायूँ के सूबेदार** के पद पर था।
- उसने 'चालीसा दल' का गठन किया जिसे **'तुर्कान-ए-चहलगानी'** भी कहा जाता था। चालीसा दल चालीस विश्वासी गुलाम सरदारों का गुट था।
- इल्तुतमिश ने ही सर्वप्रथम शुद्ध अरबी सिक्के चलवाए। उसने दो महत्वपूर्ण सिक्के **चाँदी का टंका** (175 ग्रेन) और **ताँबे का जीतल** प्रारंभ किया।
- उसने अपनी राजधानी को **लाहौर से दिल्ली** स्थानांतरित किया।
- **इक्ता** व्यवस्था की शुरुआत इल्तुतमिश ने की थी।
- मुईनुद्दीन चिश्ती के दरगाह तथा अजमेर की मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश ने किया।
- इल्तुतमिश ने कुतुब मीनार के निर्माण को पूरा किया।
- भारत में पहला मकबरा बनवाने का श्रेय **इल्तुतमिश** को है।
- मध्य एशिया के मंगोलों के नेता चंगेज खाँ ने 1221 ई. में इल्तुतमिश के शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया।
- इल्तुतमिश ने भारत को मंगोलों के प्रथम आक्रमण से बचाया।
- इल्तुतमिश ने पुत्री रजिया को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।
- **1236 ई.** में इल्तुतमिश की मृत्यु हुई।
- इल्तुतमिश ने सुल्तान के पद को वंशानुगत बनाया।

रजिया सुल्तान (1236–1240 ई.)

- इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद उसकी पुत्री रजिया को जनता तथा अमीरों द्वारा **1236 ई.** में सुल्तान बनाया गया।
- वह दिल्ली सल्तनत की **प्रथम तुर्क महिला शासिका** थी।
- पर्दा प्रथा को त्यागकर वह पुरुषों की तरह कोट एवं टोपी पहन कर खुले मुँह राजदरबार जाने लगी।
- रजिया का विवाह अल्तूनिया से हुआ, जो भटिण्डा का अक्तादार नियुक्त हुआ।
- बहरामशाह ने कैथल (हरियाणा) के समीप कुछ डाकुओं द्वारा रजिया की हत्या करवा दी।
- रजिया सुल्तान के बाद बहरामशाह, मसूदशाह तथा नासिरुद्दीन महमूद अल्पकाल के लिए शासक बने।

गयासुद्दीन बलबन (1265–1287 ई.)

- बलबन **इल्बरी जाति** का था। इल्तुतमिश ने उसे ग्वालियर विजय के पश्चात् खरीदा था।
- रजिया के शासन काल में **बलबन अमीर-ए-शिकार के पद** पर था।
- बलबन ने इल्तुतमिश द्वारा स्थापित चालीसा दल को समाप्त कर दिया।
- बलबन ने राजत्व के नए सिद्धान्त **नियामत-ए-खुदाई** का प्रतिपादन किया। अर्थात् राजा को पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि **'नियामत-ए-खुदाई'** माना गया।
- अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने **जिल्ले ईलाही** की उपाधि धारण की।
- उसने गैर-इस्लामिक परंपराएँ; जैसे– **सिजदा** (जमीन पर पेट के बल लेटकर अभिवादन करना), **पाबोस** (सुल्तान के चरणों को चूमना) तथा फारसी नववर्ष **नवरोज** प्रारंभ किया।
- उसने **लौह एवं रक्त** की नीति प्रारंभ की।
- बलबन के शासन काल में एकमात्र विद्रोह बंगाल के सूबेदार तुगरिल खाँ ने किया था जिसका दमन कर दिया गया।
- बलबन ने पृथक सैन्य विभाग **दीवान-ए-अर्ज** की नींव रखी।
- बलबन के समय बंगाल की राजधानी **लखनौती** को **विद्रोहों का नगर** कहा जाता था।
- बलबन ने अपने वृद्ध एवं अयोग्य सैनिकों को पेंशन देकर पदमुक्त करने की योजना चलाई। इन्होंने अपने सैनिकों के वेतन का भुगतान नकद में किया।

- इन्होंने अपने दरबार को ईरानी परम्परा के आधार पर सजाया तथा शासन का आधार कुरान के नियमों को बनाया।
- फारस के प्रसिद्ध फारसी कवि **अमीर खुसरो** तथा **अमीर हसन** बलबन के दरबार में रहते थे।
- मौलाना हम्मीदुद्दीन मुतरिस बलबन के दरबार के प्रसिद्ध ज्योतिषी एवं चिकित्सक थे।
- बलबन ने मेवाड़ियों के विद्रोह का दमन किया।
- बलबन की मृत्यु के बाद निर्बल उत्तराधिकारियों को अपदस्थ कर जलालुद्दीन खिलजी ने 1290 ई. में खिलजी वंश की स्थापना की।

खिलजी वंश (1290–1320 ई.)

- खिलजी अफगानिस्तान के हेलमन्द नदी के तटीय क्षेत्रों में रहने वाली जाति थी।
- खिलजी वंश की स्थापना को **खिलजी क्रांति** नाम से जाना जाता है। खिलजी सर्वहारा वर्ग के थे।
- जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी तथा मुबारक शाह खिलजी इस वंश के प्रमुख शासक थे।

जलालुद्दीन खिलजी (1290–1296 ई.)

- जलालुद्दीन खिलजी ने दिल्ली स्थित **किलोकरी** को अपनी राजधानी बनाया।
- जलालुद्दीन खिलजी को कैकूबाद ने **'शाइस्ता खाँ'** की उपाधि दी।
- खिलजी शासकों ने प्रशासन में धर्म और उलेमा के महत्व को अस्वीकार कर दिया।
- जलालुद्दीन खिलजी की हत्या **1296 ई.** में उसके भतीजे एवं दामाद अलाउद्दीन खिलजी ने कर दी।

अलाउद्दीन खिलजी (1296–1316 ई.)

- अलाउद्दीन खिलजी ने अपना राज्याभिषेक दिल्ली स्थित बलबन के लालमहल में करवाया।
- अपनी प्रारंभिक सफलता के बाद अलाउद्दीन खिलजी ने **सिकन्दर ए सानी** की उपाधि धारण की।
- सिक्कों पर तारीख लिखने की प्रथा अलाउद्दीन खिलजी ने प्रारंभ की।
- अलाउद्दीन खिलजी के बचपन का नाम **'गुर्शास्प'** था।
- उसने मद्य-निषेध, जुआ खेलने तथा भांग खाने पर प्रतिबंध लगा दिया।
- दक्षिण भारत पर आक्रमण करने वाला वह प्रथम मुस्लिम शासक था।
- धर्म को राजनीति से अलग करने वाला प्रथम मुस्लिम शासक अलाउद्दीन खिलजी था।
- उसके शासन का सिद्धान्त था– **राजा का कोई सगा-संबंधी नहीं होता।**
- 1299 ई. में गुजरात पर आक्रमण के दौरान अलाउद्दीन खिलजी ने हजार दीनारी (मलिक काफूर) को दासों के बाजार से खरीदा।
- मलिक काफूर की योग्यता से प्रभावित होकर अलाउद्दीन खिलजी ने उसे अपना सेनापति बनाया। मलिक काफूर के नेतृत्व में मुस्लिम सेना ने रामेश्वरम् तक विजय प्राप्त की।
- मलिक काफूर ने देवगिरि (महाराष्ट्र) के शासक रामचंद्र देव को पराजित किया।
- अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल के दौरान दिल्ली सल्तनत पर सर्वाधिक मंगोल आक्रमण हुए।
- सैन्य प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए अलाउद्दीन खिलजी ने **घोड़ों को दागने** तथा **सिपाहियों का हुलिया** रखने की प्रथा प्रारंभ की।
- मूल्य नियंत्रण रखने के लिए अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक याकूब की अध्यक्षता में नए विभाग **दीवान-ए-रियासत** का गठन किया।
- खिलजी शासक अलाउद्दीन खिलजी ने एक पृथक् विभाग **"दीवान-ए-मुस्तखराज"** की स्थापना की।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली की शुरुआत अलाउद्दीन खिलजी द्वारा की गई थी।
- अलाउद्दीन खिलजी द्वारा दो नवीन कर लगाए गए थे–
  - **चराई कर**–जो कि दुधारू पशुओं पर लगाया जाता था तथा
  - **घरी कर**–जो कि घरों एवं झोपड़ियों पर लगाया जाता था।
- अनाज को शहर के बाजारों में भेजने के लिए सर्वप्रथम अलाउद्दीन खिलजी ने बाजारों का प्रयोग किया।
- वह 50 फीसदी लगान की मांग करने वाला प्रथम एवं अंतिम मुस्लिम शासक था।
- अलाउद्दीन खिलजी पहला सुल्तान था जिसने भूमि मापन के आधार पर लगान निर्धारित करने की भी शुरुआत की।
- उसने दिल्ली में हौज खास स्थित **अलाई दरवाजा** तथा **सीरी फोर्ट** नामक दिल्ली के दूसरे नगर का निर्माण करवाया।
- मेवाड़ को जीतने के बाद अलाउद्दीन खिलजी ने इसका नाम **खिज्राबाद** रखा।
- सर्वप्रथम डाक व्यवस्था की शुरुआत सल्तनत काल में अलाउद्दीन खिलजी ने की थी।
- अलाउद्दीन खिलजी ने **अमीर खुसरो** तथा **अमीर हसन देहलवी** को संरक्षण प्रदान किया।

अलाउद्दीन खिलजी का विजय अभियान

- **उत्तर भारत–** गुजरात, रणथंभौर, चित्तौड़, मालवा, धार, चंदेरी, शिवाना तथा जालौर।
- **दक्षिण भारत–** देवगिरि, वारंगल, द्वारसमुद्र तथा मालाबार।

अलाउद्दीन खिलजी द्वारा बाजार नियंत्रण हेतु प्रमुख अधिकारी

अधिकारी	कार्यक्षेत्र
1. सराय अदल	न्याय के लिए
2. शहना-ए मंडी	बाजार अधीक्षक
3. दीवान-ए-रियासत	बाजार पर नियंत्रण रखने वाला
4. मुन्हैयान	गुप्तचर
5. बरीद-ए-मंडी	बाजार निरीक्षक

तुगलक वंश (1320–1398 ई.)

- हौज खास के युद्ध में खुसरो खान को पराजित कर **ग्यासुद्दीन तुगलक** ने **1320 ई.** में तुगलक वंश की स्थापना की।
- दिल्ली सल्तनत काल में तुगलक वंश सबसे अधिक समय तक शासन करने वाला वंश है।
- ग्यासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद बिन तुगलक तथा फिरोजशाह तुगलक इस वंश के प्रमुख शासक थे।

ग्यासुद्दीन तुगलक (1320–1325 ई.)

- वास्तविक नाम गाजी मलिक।
- ग्यासुद्दीन तुगलक ने **29** बार मंगोल आक्रमण को विफल कर दिया।
- उसने अपने शासन काल में सर्वप्रथम सिंचाई के लिए कुएँ तथा नहरों का निर्माण करवाया।
- उसने रोमन शैली में **तुगलकाबाद** को बसाया।
- चिश्ती संप्रदाय के सूफी संत निजामुद्दीन औलिया ने ग्यासुद्दीन तुगलक के बारे में कहा था कि, 'दिल्ली अभी बहुत दूर है'।
- बंगाल के सफल अभियान से लौटते हुए दुर्घटना में ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो गई।

मुहम्मद बिन तुगलक (1325–1351 ई.)

- ग्यासुद्दीन तुगलक का बड़ा पुत्र मुहम्मद बिन तुगलक **1325 ई.** में दिल्ली का शासक बना। उसका वास्तविक नाम **जौना खाँ** था।
- मुहम्मद बिन तुगलक दिल्ली सल्तनत के सभी सुल्तानों में सर्वाधिक शिक्षित, विद्वान और योग्य था।
- उसका साम्राज्य **23** प्रांतों में विभाजित था।
- उसने दोआब क्षेत्र में कर की मात्रा में वृद्धि (प्रथम योजना) लागू की।
- उसने कृषि के विकास के लिए **दीवान-ए-कोही** नामक विभाग की स्थापना की।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने **सोने** का नया सिक्का '**दीनार**' तथा **चांदी** का नया सिक्का '**अदली**' जारी किया था।
- वह अपनी राजधानी दिल्ली से स्थानांतरित कर **देवगिरि** ले गया। बाद में **देवगिरि का नया नाम दौलताबाद** रखा गया।
- पुनः 1335 ई. में उसने अपनी राजधानी दौलताबाद से दिल्ली स्थानांतरित की।
- अपनी तृतीय योजना के अंतर्गत उसने सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन करवाया।
- **1333 ई.** में **इब्नबतूता** मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल में भारत आया था।
- मोरक्को निवासी इब्नबतूता ने **किताब-उल-रेहला** नामक पुस्तक की रचना की जिसमें उसने अपनी यात्रा का विवरण दिया।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्कों के स्थान पर ताँबे या काँसे की मुद्राओं का प्रचलन प्रारंभ किया। उसने चमड़े के सिक्कों का भी प्रचलन आरंभ किया।
- दिल्ली के सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक प्रथम सुल्तान था जो हिंदुओं के त्योहारों, मुख्यतया होली में भाग लेता था।
- **इब्नबतूता** को उसने दिल्ली के काजी पद पर नियुक्त किया।
- मुहम्मद बिन तुगलक के काल में ही **1336 ई.** में दक्षिण में **हरिहर** एवं **बुक्का** ने विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की।
- 20 मार्च 1351 को **पट्टा के निकट** मुहम्मद बिन-तुगलक की मृत्यु हो गई।
- **बदायूंनी** ने मुहम्मद बिन तुगलक के मृत्यु पर लिखा है, "सुल्तान को उसकी प्रजा और प्रजा को अपने सुल्तान से मुक्ति मिल गई।"
- राज मुंदरी के अभिलेखों में **जौना खाँ** (उलुग खाँ) को **'दुनिया का खान'** कहा जाता है।

फिरोजशाह तुगलक (1351–1388 ई.)

- फिरोजशाह तुगलक 1351 ई. में दिल्ली का शासक बना।
- उसका राज्याभिषेक सर्वप्रथम थट्टा में तत्पश्चात् दिल्ली में हुआ।
- फिरोजशाह तुगलक ने उड़ीसा (वर्तमान ओडिशा) स्थित पुरी के **जगन्नाथ मंदिर** को 1360 ई. में ध्वस्त कर दिया।
- 1361 ई. में उसने नगरकोट के प्रसिद्ध **ज्वालामुखी मंदिर** को ध्वस्त कर दिया।
- उसने **24** कष्टदायक करों को समाप्त कर दिया। वह केवल चार प्रकार के कर लेता था; जैसे–खराज, खुम्स, जजिया तथा जकात।
- उलेमाओं के आदेश पर उसने सिंचाई कर (उपज का दसवाँ भाग) नामक नया कर लगाया।
- सिंचाई की सुविधा के लिए उसने पाँच लंबी नहरें बनवाईं।
- उसने लगभग 300 नए नगरों की स्थापना की। **फिरोजाबाद, फतेहाबाद**, **फिरोजपुर, जौनपुर** तथा **हिसार** नामक नगर उसने बसाए। इन नगरों में फिरोजाबाद उसे सर्वाधिक पसंद था।
- **लोक निर्माण विभाग की स्थापना** सर्वप्रथम फिरोजशाह तुगलक ने की थी।
- ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाने वाला फिरोजशाह तुगलक प्रथम शासक था।
- उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात् **हक्क-ए-शर्ब** नामक सिंचाई कर लगाने वाला फिरोजशाह तुगलक दिल्ली का प्रथम सुल्तान था।
- राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला वह प्रथम भारतीय शासक था।
- फिरोजशाह तुगलक द्वारा मौर्य शासक अशोक के दो स्तंभों को मेरठ एवं टोपरा (वर्तमान अम्बाला जिले में) से दिल्ली लाया गया।
- बेरोजगारों को रोजगार दिलवाने के लिए उसने **रोजगार कार्यालय** का गठन करवाया।
- गरीब मुसलमानों, अनाथ स्त्रियों, विधवाओं तथा लड़कियों की सहायता के लिए उसने **दीवान-ए-खैरात** नामक विभाग का गठन करवाया।
- दासों की देखभाल के लिए उसने **दीवान-ए-बंदगान** की स्थापना की।
- उसके शासनकाल में सैनिकों को जागीर के रूप में वेतन दिया जाता था।

- उसने सैन्य पदों को वंशानुगत बना दिया।
- उसने लगभग **13** मकतब एवं मदरसों की स्थापना करवाई।
- उसने अपनी आत्मकथा **फतुहात-ए-फिरोजशाही** लिखी।
- फिरोजशाह तुगलक ने तांबा एवं चाँदी के मिश्रण से निर्मित सिक्के जारी किए, जिसे अधा एवं बिख कहा जाता था।
- उसने 6 जीतल का **शशगानी** नामक सिक्का चलवाया।
- उसे मध्यकालीन भारत का प्रथम 'कल्याणकारी' निरंकुश शासक कहा जाता है।
- फिरोजशाह ने **'दारूल शफा'** नामक एक खैराती अस्पताल की स्थापना की थी।
- 1388 ई. में फिरोजशाह तुगलक की मृत्यु हो गई।
- नासिरुद्दीन महमूद तुगलक वंश का अंतिम शासक था।

सैयद वंश (1414–1451 ई.)

- सैयद वंश की स्थापना **खिज्र खाँ** ने 1414 ई. में की थी। उसने 1414–1421 ई. तक शासन किया।
- खिज्र खाँ ने सुल्तान की उपाधि धारण न कर **रैय्यत-ए-आला** की उपाधि धारण की।
- खिज्र खाँ **तैमूरलंग का सेनापति** था।
- मुबारकशाह खिज्र खाँ का उत्तराधिकारी बना। मुबारक शाह ने 1421–1434 ई. तक शासन किया।
- मुबारक शाह ने **शाह** की उपाधि धारण कर अपने नाम के सिक्के जारी किए।
- इसने **मुबारकाबाद नगर** की स्थापना की।
- याहया बिन अहमद सरहिन्दी को मुबारकशाह का राज्याश्रय प्राप्त था।
- **'तारिख-ए-मुबारकशाही'** याहया बिन अहमद सरहिन्दी ने लिखा था।
- मुहम्मद शाह मुबारकशाह का उत्तराधिकारी बना।
- मुहम्मद शाह का वास्तविक नाम मुहम्मद बिन फरीद खाँ था।
- मुहम्मद शाह ने बहलोल को **खान-ए-खाना** की उपाधि दी।
- अलाउद्दीन आलमशाह (1443–1451 ई.) सैयद वंश का अंतिम शासक था।

लोदी वंश (1451–1526 ई.)

- लोदी वंश भारत पर शासन करने वाला **प्रथम अफगान वंश** था।
- दिल्ली में प्रथम अफगान राज्य का संस्थापक **बहलोल लोदी** था।
- बहलोल लोदी, सिकन्दर लोदी तथा इब्राहिम लोदी इस वंश के प्रमुख शासक थे।

बहलोल लोदी (1451–1489 ई.)

- 1451 ई. में बहलोल लोदी **गाजी** की उपाधि के साथ दिल्ली का शासक बना।
- बहलोल लोदी ने शर्की वंश के अंतिम शासक हुसैन शाह शर्की को पराजित कर जौनपुर को एक बार फिर दिल्ली में शामिल कर लिया।
- वह अपने सरदारों को **मकसद-ए-अली** कहकर पुकारता था।
- उसने बहलोल सिक्के चलवाए।
- बहलोल लोदी का पुत्र सिकन्दर लोदी उसका उत्तराधिकारी बना।

सिकन्दर लोदी (1489–1517 ई.)

- सिकन्दर लोदी का वास्तविक नाम **निजाम खाँ** था।
- जौनपुर के हुसैनशाह शर्की को पराजित कर उसने **बिहार** तथा **तिरहुत** को दिल्ली में मिला लिया।
- सिकन्दर लोदी के वजीर ने 1500 ई. में मोठ मस्जिद का निर्माण कराया।
- सिकन्दर लोदी ने **1504 ई.** में **आगरा** की नींव डाली।
- 1506 ई. में सिकन्दर लोदी ने आगरा को राजधानी बनाया।
- भूमि मापने के लिए उसने **गज-ए-सिकन्दरी** पैमाना जारी किया।
- उसने मुसलमानों को ताजिया निकालने, स्त्रियों को पीरों एवं सन्तों की मजार पर जाने पर प्रतिबंध लगाया।
- उसने संस्कृत के आयुर्वेद ग्रंथ का **फरहंगे सिकन्दरी** नाम से अनुवाद करवाया।
- उसने गुलरुखी नामक शीर्षक से **फारसी में** कविताएँ लिखीं।
- उसने अन्न पर लगने वाला कर **जकात** समाप्त कर दिया।

इब्राहिम लोदी (1517–1526 ई.)

- सिकन्दर लोदी का उत्तराधिकारी इब्राहिम लोदी **1517 ई.** में दिल्ली का शासक बना।
- बाबर को भारत पर आक्रमण करने का निमंत्रण पंजाब के शासक दौलत खाँ लोदी तथा इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खाँ ने दिया।
- 1526 ई. में पानीपत का प्रथम युद्ध **इब्राहिम लोदी** और **बाबर** के बीच हुआ, जिसमें बाबर विजयी रहा।
- इब्राहिम लोदी भारत का एकमात्र सुल्तान था जो युद्धभूमि में मारा गया।
- इब्राहिम लोदी की मृत्यु के साथ ही लोदी वंश तथा दिल्ली सल्तनत दोनों का अंत हो गया।

सल्तनतकालीन शासन व्यवस्था

- सल्तनत काल की प्रशासनिक व्यवस्था **इस्लामिक धर्म** पर आधारित थी।
- सल्तनत काल में **सुल्तान** सर्वोच्च सेनापति एवं सर्वोच्च न्यायाधीश होता था।
- राजधानी दिल्ली का प्रशासन **कोतवाल** करता था जो **न्यायिक** एवं **पुलिस विभाग** का कार्य करता था।
- दिल्ली सल्तनत **इक्ताओं** में विभक्त थी। इक्ता के प्रधान को **वली, मुक्ती** अथवा **इक्तादार** कहा जाता था।
- इक्ताएँ अथवा प्रांत **जिलों** में विभक्त थे जो **शिक** कहलाते थे। शिक का प्रधान **शिकदा** कहलाता था।
- शिक **परगनों** में विभक्त था। परगने में **आमिल** और **मुंसिफ** महत्वपूर्ण अधिकारी होते थे।

- **ग्राम** शासन की सबसे छोटी इकाई होती थी। पटवारी, चौधरी, खुत, मुकद्दम गाँव के मुख्य अधिकारी थे जो शासन को लगान वसूल करने में सहायता करते थे।
- सल्तनतकालीन सैन्य संगठन मुख्यतया तुर्की और मंगोल पद्धति पर आधारित था।
- सल्तनत काल में **दीवान-ए-अर्ज** नामक सैन्य विभाग था। इसका प्रमुख **अर्ज-ए-मुमालिक** कहलाता था। इसका प्रमुख कार्य सैनिकों की भर्ती करना था।
- अलाउद्दीन खिलजी को **स्थायी सेना** के गठन का श्रेय दिया जाता है।
- **मुहतसिब** प्रजा के सामान्य आचरण पर नियंत्रण रखता था तथा नैतिक नियमों को क्रियान्वित करवाता था।
- सल्तनत काल में मुकदमों का निर्णय काजी एवं मुफ्ती की सहायता से किया जाता था।
- सल्तनत काल में भू-राजस्व निर्धारण बटाई, **मसाहत** तथा **मुक्ताई** द्वारा किया जाता था।
- सल्तनत काल में कर नकद और अनाज (उपज) दोनों रूपों में लिया जाता था।
- सल्तनत काल में राज्य की आय में कृषि का सर्वाधिक योगदान था।

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख विभाग एवं उनके कार्य

विभाग	कार्य	संस्थापक शासक
दीवान-ए-अर्ज	सैन्य विभाग	बलबन
दीवान-ए-वजारत	वित्त विभाग	अलाउद्दीन
दीवान-ए-रासालत	विदेश विभाग	अलाउद्दीन
दीवान-ए-मुस्तखराज	राजस्व विभाग	अलाउद्दीन
दीवान-ए-कोही	कृषि विभाग	मुहम्मद बिन तुगलक
दीवान-ए-बंदगान	दास विभाग	फिरोजशाह तुगलक
दीवान-ए-रियासत	बाजार पर नियंत्रण रखने वाला विभाग	अलाउद्दीन
दीवान-ए-खैरात	दान विभाग	फिरोजशाह तुगलक
दीवान-ए-इस्तिहाक	पेंशन विभाग	फिरोजशाह तुगलक
दीवान-ए-वक़ूफ	व्यय विभाग	जलालुद्दीन खिलजी
दीवान-ए-इंशा	पत्राचार विभाग	अलाउद्दीन

- चार पहिए वाले रथ तथा इक्के का उल्लेख सल्तनत काल में मिलता है।
- **रहट** का प्रयोग दिल्ली सल्तनत के युग में प्रारंभ हुआ।
- सल्तनत काल में निर्यात की वस्तुओं में लोहा, सूती वस्त्र, जड़ी-बूटियाँ, मसाले, शक्कर, नील आदि प्रमुख थे।
- इब्नबतूता तथा मार्को पोलो तुर्किस्तान एवं ईरान से घोड़े के निर्यात का उल्लेख करता है।
- सल्तनत काल में तांबे के सिक्के को **दिरहम** कहा जाता था।

सल्तनतकालीन कर

जकात	मुस्लिमों पर धार्मिक कर
खराज	गैर-मुस्लिमों पर भूमि कर
जजिया	गैर-मुस्लिमों पर धार्मिक कर
खम्स	लूट, खानों एवं भूमि में गड़े हुए खजानों से प्राप्त धन
उश्र	मुस्लिमों से सिंचाई पर लिया जाने वाला भूमि कर

- युद्ध में सेना का संचालन **सुल्तान** करता था।
- सल्तनत काल में भूमि का वर्गीकरण चार श्रेणियों– इक्ता, खालसा, जमींदार तथा उपहार या धार्मिक कार्यों के लिए भूमि, में विभाजित था।

सल्तनतकाल के प्रमुख भवन

भवन	स्थल	निर्माता
कुतुबमीनार	दिल्ली	कुतुबुद्दीन ऐबक
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	दिल्ली	कुतुबुद्दीन ऐबक
अढ़ाई दिन का झोपड़ा	अजमेर	कुतुबुद्दीन ऐबक
इल्तुतमिश का मकबरा	दिल्ली	इल्तुतमिश
अतारकिन का दरवाजा	नागौर	इल्तुतमिश
सीरी का किला	दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी
अलाई दरवाजा	दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी
गयासुद्दीन का मकबरा	दिल्ली	गयासुद्दीन तुगलक
जहांपनाह नगर	दिल्ली	मुहम्मद बिन तुगलक
आदिलाबाद नगर	दिल्ली	मुहम्मद तुगलक
अदीना मस्जिद	पांडुआ (बंगाल)	सिकंदर शाह
अटाला मस्जिद	जौनपुर	इब्राहिम शाह शर्की
चांद मीनार	हैदराबाद	कुली कुतुबशाह
विजय स्तंभ	चित्तौड़	राणा कुम्भा

- जौनपुर को **'भारत का सिराज'** के नाम से भी जाना जाता है।
- शाही खाँ **जैन-उल-आबेदीन** को धार्मिक उदारता के कारण **'कश्मीर का अकबर'** कहा जाता था। इन्होंने ही वुलर झील में **'जौना लंका'** नामक द्वीप का निर्माण करवाया था।
- विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक **हरिहर** एवं **बुक्का** थे। 1377 ई. में बुक्का के मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र **हरिहर द्वितीय** सिंहासन पर बैठा तथा **'महाराजाधिराज'** की उपाधि धारण की। **विजयनगर** में **साहित्य का क्लासिकी** युग कृष्णदेव राय के शासनकाल को माना जाता है। इसके शासनकाल को **तेलगू साहित्य का स्वर्णयुग** भी कहा जाता है।
- होयसल राजवंश की राजधानी **द्वारसमुद्र** (वर्तमान हलेबिड) है, जो कर्नाटक के हासन जिले में है।
- विजयनगर काल में निर्मित विरुपाक्ष मंदिर **हम्पी** में अवस्थित है।
- अमीर खुसरो का जन्म 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के वर्तमान **कासगंज** जिले के पटियाली नामक स्थान पर हुआ था। यह स्वयं को **'तूती-ए-हिंद'** कहता था।
- खुसरो ने ही **तबला** व **सितार** का प्रचलन 13वीं शताब्दी में किया था।
- अमीर खुसरो को ही नई फारसी काव्य शैली **'सबक-ए-हिन्दी' या हिंदुस्तानी शैली का जन्मदाता** माना जाता है।
- खुसरो की रचनाओं में **आशिका**, **तारीख-ए-दिल्ली**, **नूह सिपिहर**, **मिफ्तार-उल-फुतूह** तथा **तुगलकनामा** प्रमुख हैं।
- सिकंदर लोदी के शासनकाल में **गुरुनानक** (1969–1539 ई.) ने सिख धर्म की स्थापना की थी।
- रामानंद के 12 शिष्यों में से कबीर एक थे।

- कबीर की प्रमुख रचनाएं **'सबद'**, **'साखी'** तथा **'रमैनी'** है।
- नामदेव **वारकरी संप्रदाय** से संबंधित थे।
- **तुलसीदास** मुगल शासक **अकबर एवं जहांगीर के समकालीन** थे। इनकी रचनाओं में रामचरित मानस एवं विनयपत्रिका सर्वोत्तम हैं।
- अबू इस्हाक सामी एवं उनके शिष्य ख्वाजा अबू अब्दाल चिश्ती ने **चिश्तिया सूफी मत** की स्थापना अफगानिस्तान के चिश्त में की थी, लेकिन भारत में सर्वप्रथम इसका प्रचार ख्वाजा **मोइनुद्दीन चिश्ती** के द्वारा हुआ था।
- **हजरत बाबा फरीदुद्दीन मसूद गंजशकर** शेख निजामुद्दीन औलिया के आध्यात्मिक गुरु थे, जिन्हें **बाबा फरीद** के नाम से भी जाना जाता है।
- शेख निजामुद्दीन औलिया ने **सात** से अधिक सुल्तानों के शासनकाल को देखा था।
- इनका दरगाह **दिल्ली** में स्थित है।
- बगदाद के शेख मुहीउद्दीन कादिर जिलानी ने **कादरी सिलसिले** की जबकि ख्वाजा बहाउद्दीन ने **नक्श बेदी सिलसिले** की स्थापना की थी।
- **प्रेमवाटिका** रसखान द्वारा रचित काव्यग्रंथ है।
- सूफी संतों के निवास स्थान को **'खानकाह'** कहा जाता है।
- सूफी संत **शाह मोहम्मद गौस** ने भगवान कृष्ण को औलिया के रूप में स्वीकार किया है।

10. मुगल साम्राज्य

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना जहीरुद्दीन बाबर ने की। बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध (1526 ई.) में इब्राहिम लोदी को पराजित कर मुगल साम्राज्य की स्थापना की।

भारत में मुगल शासकों का क्रम	
मुगल शासक	**शासन अवधि**
बाबर	1526–1530
हुमायूँ	1530–1540 और 1555–56
अकबर	1556–1605
जहाँगीर	1605–1627
शाहजहाँ	1627–1658
औरंगजेब	1658–1707
बहादुरशाह प्रथम	1707–1712
जहाँदार शाह	1712–1713
फरूर्खशियर	1713–1719
मुहम्मद शाह	1719–1748
अहमद शाह	1748–1754
आलमगीर द्वितीय	1754–1759
शाह आलम द्वितीय	1759–1806
अकबर द्वितीय	1806–1837
बहादुरशाह द्वितीय	1837–1857

बाबर (1526–1530 ई.)

- बाबर का जन्म 1483 ई. में **फरगना** में हुआ था।
- 1494 ई. में वह फरगना का शासक बना।
- मुगलों की राजभाषा **फारसी** थी।
- 1504 ई. में बाबर ने **काबुल** पर अधिकार कर लिया।
- 1507 ई. में बाबर ने **पादशाह** की उपाधि धारण की।
- भारत के विरुद्ध बाबर का प्रथम अभियान 1519 ई. में **युसुफ जाई जाति** के विरुद्ध था।
- बाबर ने तोपखाने का प्रयोग **भेरा अभियान** में किया था।
- बाबर को भारत पर आक्रमण के लिए **राणा सांगा** तथा लाहौर के गवर्नर **दौलत खाँ लोदी** ने निमंत्रण भेजा था।
- **पानीपत के प्रथम युद्ध** (अप्रैल 1526 ई.) में बाबर ने **तुलगमा युद्ध नीति** एवं तोपखाने के प्रयोग से युद्ध जीता तथा तोपों को सजाने में **उस्मानी विधि** का प्रयोग किया। इस युद्ध में इब्राहिम लोदी की हार हुई।
- बाबर ने **तुलगमा युद्ध पद्धति** को उज्बेकों से ग्रहण किया था।
- बाबर ने **कलन्दर** की उपाधि धारण की थी।
- **खानवा का युद्ध** 17 मार्च, 1527 ई. में **बाबर** और **राणा सांगा** के बीच हुआ था, जिसमें राणा सांगा पराजित हुआ। इस युद्ध को जीतने के बाद बाबर ने **गाजी** की उपाधि धारण की।
- खानवा के युद्ध में बाबर द्वारा जेहाद का नारा दिया गया।
- **घाघरा का युद्ध** 5 मई, 1529 को **बाबर** और **महमूद लोदी** के बीच हुआ था। इस युद्ध में बाबर विजयी रहा।
- बाबर ने **चुगतई तुर्की भाषा** में अपनी आत्मकथा **तुजुक-ए-बाबरी** की रचना की। इस पुस्तक का फारसी में अनुवाद **अब्दुलरहीम खानखाना** ने किया।
- बाबर ने बाबरनामा में केवल पाँच मुस्लिम शासकों– बंगाल, दिल्ली, मालवा, गुजरात एवं बहमनी तथा दो हिन्दू शासकों– मेवाड़ और विजयनगर का उल्लेख किया है।
- बाबर को **मुबइयान शैली** और **पद शैली** का जन्मदाता माना जाता है।
- बाबर ने भूमि मापन के लिए **गज-ए-बाबरी** मापक का प्रयोग किया।
- 1530 ई. में बाबर की मृत्यु **आगरा** में हुई। बाबर का मकबरा **काबुल** में स्थित है।

हुमायूँ (1530–1540 ई. और 1555–56 ई.)

- बाबर की मृत्यु के बाद उसका पुत्र हुमायूँ **1530 ई.** में शासक बना।
- हुमायूँ का कालिंजर अभियान कालिंजर के शासक प्रताप रुद्रदेव के विरुद्ध था।
- **दौहरिया का युद्ध** 1532 ई. में **हुमायूँ** तथा **महमूद लोदी** के बीच हुआ था। इस युद्ध में हुमायूँ विजयी रहा।
- 1533 ई. में हुमायूँ ने दिल्ली में **दीनपनाह** नामक विशाल दुर्ग का निर्माण करवाया, जिसका उद्देश्य था–मित्र एवं शत्रु को प्रभावित करना।
- **शेर खाँ** और **हुमायूँ** के बीच 1539 ई. में **चौसा का युद्ध** हुआ। इस युद्ध में हुमायूँ पराजित हुआ।

- **कन्नौज (बिलग्राम) की लड़ाई** 1540 ई. में **शेरशाह सूरी** और **हुमायूँ** के बीच में हुई जिसमें हुमायूँ पराजित हो गया। इस युद्ध में पराजित होने के बाद वह सिंध चला गया।
- हुमायूँ ने अपने निर्वासित जीवन के दौरान मीर अली अकबर की पुत्री हमीदा बानो बेगन से 1541 ई. में निकाह किया।
- 1555 ई. में हुमायूँ ने लाहौर पर अधिकार कर लिया।
- **मच्छीवाड़ा का युद्ध** (मई, 1555) अफगान सरदार (हैबत खाँ एवं तातार खाँ) के बीच हुआ था।
- **सरहिंदी युद्ध** (22 जून, 1555) के विजय के उपरांत हुमायूं को एक बार पुनः खोया राज्य वापस मिल गया।
- 1556 ई. में दीनपनाह भवन के पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हुमायूँ की मृत्यु हो गई।
- हुमायूँ की पत्नी **हमीदा बानो** ने दिल्ली में हुमायूँ के मकबरे का निर्माण करवाया। यह **भारत का प्रथम गुंबद वाला मकबरा** था। यह भवन **फारसी वास्तुकला शैली** का उदाहरण है। विशिष्ट कला शैली के कारण हुमायूँ के मकबरे को **ताजमहल का पूर्ववर्ती** कहा जाता है। यह मकबरा यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल है।
- चित्रकला के क्षेत्र में मुगल शैली का प्रारंभ **हुमायूँ** ने किया था।
- अबुल फजल ने हुमायूँ को **इन्सान-ए-कामिल** कहा।

शेरशाह सूरी (1540–1555 ई.)

- शेर खाँ का प्रारंभिक नाम **फरीद खाँ** था।
- फरीद को शेर खाँ की उपाधि **मुहम्मद शाह नुहानी** ने दी थी।
- 1540 ई. में **67 साल** की उम्र में शेर खाँ दिल्ली का शासक बना।
- चौसा के युद्ध के पश्चात् अपने राज्याभिषेक के समय शेर खाँ ने **शेरशाह** की उपाधि धारण की।
- शेरशाह ने अपनी उत्तर-पश्चिम सीमा को सुरक्षित करने के लिए रोहतासगढ़ किले का निर्माण करवाया।
- रणथंभौर के शक्तिशाली किले को अपने अधीन कर शेरशाह ने अपने पुत्र आदिल खाँ को वहाँ का गवर्नर बनाया।
- शेरशाह को **अकबर का अग्रदूत** भी कहा जाता है।
- शेरशाह ने अपने सम्पूर्ण साम्राज्य को **47** सरकारों में विभाजित किया था।
- शेरशाह के शासन काल में स्थानीय करों को **आबवाब** कहा जाता था।
- शेरशाह ने उत्पादन के आधार पर भूमि को अच्छी, मध्यम तथा खराब तीन श्रेणियों में बाँटा था।
- शेरशाह की लगान व्यवस्था मुख्य रूप से **रैयतवाड़ी** थी, जिसमें किसानों से प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित किया गया था।
- भूमि मापने के लिए शेरशाह ने **39** अंगुल या **32 इंच वाला सिकन्दरी गज** तथा **सन की डंडी** मापक का प्रयोग किया।
- उसने **380 ग्रेन का तांबे का दाम** तथा **180 ग्रेन का चांदी का रुपया** जारी किया।
- रुपये और दाम की विनियम दर **1:64** थी।
- शेरशाह ने प्रसिद्ध **ग्रैंड ट्रंक रोड** (बांग्लादेश के सोनारगाँव से प्रारंभ होकर भारत होते हुए अट्टोक, पाकिस्तान तक) का निर्माण करवाया।
- उसने आगरा से बुरहानपुर (मध्य प्रदेश), आगरा से जोधपुर/चित्तौड़ और लाहौर से मुल्तान तक राजमार्गों का भी निर्माण करवाया।
- उसने डाक प्रणाली को सुदृढ़ किया। उसके शासनकाल में घुड़सवारों की तैनाती की गई और व्यापारियों को भी संचार प्रणाली का हिस्सा बनाया गया।
- शेरशाह ने पाटलिपुत्र का नाम **पटना** रखा। कन्नौज के स्थान पर उसने **शेरसूर** नामक नगर बसाया।
- शेरशाह ने सिक्कों पर अपना नाम **अरबी** एवं **देवनागरी** लिपि में खुदवाया।
- कृषकों की सहायता के लिए शेरशाह ने **पट्टा** एवं **कबूलियत** की व्यवस्था प्रारंभ की थी।
- हुमायूँ द्वारा निर्मित दीनपनाह को तुड़वाकर उसके ध्वंसावशेषों पर शेरशाह ने **पुराना किला** बनवाया।
- शेरशाह ने **किला-ए-कुहना मस्जिद** का निर्माण करवाया।
- शेरशाह ने **सुल्तान-उल-अदल** की उपाधि धारण की।
- कानून व्यवस्था के संबंध में शेरशाह ने स्थानीय जुर्म के लिए स्थानीय उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पालन किया।
- 1545 ई. में कालिंजर किले के दीवार से टकराकर लौटे तोप के गोले से शेरशाह की मृत्यु हो गई।
- शेरशाह सूरी का मकबरा, बिहार के शाहाबाद के **सासाराम नामक** स्थान पर एक तालाब के मध्य ऊँचे चबूतरे पर बना है।

अकबर (1556–1605 ई.)

- अकबर का जन्म **1542 ई.** में अमरकोट के राणा वीरसाल के महल में हुआ था।
- नौ वर्ष की अवस्था में अकबर **गजनी** का सूबेदार बना।
- सरहिन्द जीतने के बाद **1555 ई.** में हुमायूँ ने अकबर को युवराज घोषित किया।
- तुर्क सेनापति **बैरम खाँ** को युवराज अकबर का संरक्षक घोषित किया गया।
- 1556 ई. में **कालानौर** में अकबर का राज्याभिषेक हुआ।
- **बादशाह गाजी** की उपाधि के साथ अकबर राजसिंहासन पर बैठा।
- सम्राट बनने पर अकबर ने बैरम खाँ को **खान-ए-खाना** की उपाधि दी।
- बैरम खाँ 1556 से 1560 ई. तक अकबर का संरक्षक रहा।

अकबर के कुछ महत्वपूर्ण कार्य

वर्ष	कार्य
1562	दास प्रथा का अन्त
1563	तीर्थ यात्रा कर समाप्त
1564	जजिया कर की समाप्ति
1571	फतेहपुर सीकरी की स्थापना तथा राजधानी का आगरा से फतेहपुर सीकरी स्थानांतरण
1575	इबादत खाने की स्थापना
1579	महजर की घोषणा
1580	दहसाला प्रणाली (टोडरमल द्वारा) लागू
1582	दीन-ए-इलाही धर्म की स्थापना

- हेमू सूर शासक आदिलशाह का प्रधानमंत्री था। उसे 24 युद्धों में से 22 युद्ध जीतने का श्रेय प्राप्त था। आदिलशाह ने हेमू को **विक्रमादित्य** की उपाधि प्रदान की।
- **पानीपत का दूसरा युद्ध** 5 नवम्बर, 1556 ई. को **हेमू** और **बैरम खाँ** के बीच हुआ। इस युद्ध में हेमू की पराजय हुई।
- अकबर के प्रधानमंत्री **अतगा खाँ** की हत्या के आरोप में माहम अनगा के पुत्र **आधम खाँ** को 1562 ई. में अकबर ने स्वयं मारा था।
- अकबर ने अपनी धार्मिक उदारता के अंतर्गत 1562 ई. में **दास प्रथा**, 1563 ई. में **तीर्थयात्रा कर** तथा 1564 ई. में **जजिया कर** समाप्त कर दिया।
- वर्ष 1573 ई. में अकबर ने घोड़े दागने की प्रथा का पुनः प्रचलन किया, जिससे सेनापति अपने घोड़े न बदल सके।
- अकबर ने 1574–75 ई. में मनसबदारी व्यवस्था के आधार पर सैनिक संगठित की। यह व्यवस्था **दशमलव प्रणाली** पर आधारित थी।
- मुगल मनसबदारी व्यवस्था मध्य एशिया से ली गई थी। यह व्यवस्था उसने अपने शासनकाल के **11वें वर्ष** में प्रारंभ की।
- 1575 ई. में अकबर ने इबादतखाने की स्थापना **फतेहपुर सीकरी** में करवायी।
- **हल्दीघाटी का प्रसिद्ध युद्ध** 1576 ई. में **अकबर** एवं **महाराणा प्रताप** के बीच हुआ था। इस युद्ध में महाराणा प्रताप की हार हुई।
- फतेहपुर सीकरी में स्थित इबादतखाने को **वर्ष 1578** में अकबर ने सभी धर्मावलंबियों के लिए खोल दिया।
- अकबर के काल में फतेहपुर सीकरी और आगरा पहुँचने वाला प्रथम अंग्रेज व्यापारी **रॉल्फ फिंच** था।
- अकबर ने वर्ष 1582 में **दीन-ए-इलाही** की स्थापना की।
- दीन-ए-इलाही का पुरोहित **अबुल फजल** था।
- हिन्दू राजाओं में **बीरबल** ने दीन-ए-इलाही को स्वीकार किया।
- अकबर ने आगरा तथा लाहौर में ईसाइयों को गिरिजाघर बनवाने की अनुमति प्रदान की।
- अन्य धर्मों में अकबर पर सर्वाधिक प्रभाव **हिन्दू धर्म** का पड़ा।
- 1583 ई. में अकबर ने **इलाही संवत** जारी किया।
- 1591 ई. में अकबर ने खानदेश को जीत लिया। **खानदेश** को **दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार** माना जाता था।
- दक्षिण विजय के बाद अकबर ने **सम्राट** की उपाधि धारण की।
- इबादतखाना का उद्देश्य प्रत्येक रविवार को धार्मिक विषयों पर खुला वाद-विवाद था।
- अकबर ने महजरनामा जारी होने के बाद **सुल्तान ए आदिल** या **इमाम ए आदिल** की उपाधि धारण की।
- अबुल फजल ने **अकबरनामा** और **आइन-ए-अकबरी** की रचना की।
- अकबर के शासनकाल में भूमि संबंधी सुधारों का श्रेय **टोडरमल** को जाता है।
- **तानसेन** अकबर के नवरत्नों में से एक थे। उनका जन्म **ग्वालियर** में हुआ था। ध्रुपद गायन शैली का विकास तानसेन के समय में हुआ।
- बैरम खाँ के पुत्र **अब्दुर्रहीम खानखाना कवि** तथा विद्वान थे।
- अकबर का दरबारी राजकवि **फैज़ी** था।
- राजपूत राजा **महाराणा प्रताप** ने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की।
- स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकार करने वाला **पहला राजपूत राजा बिहारीमल (भारमल)** था।
- नवीन संप्रदाय **दीन-ए-इलाही** या **तौहीद-ए-इलाही का प्रधान पुरोहित अबुल फजल** था। इस धर्म को हिंदुओं में केवल **बीरबल** ने इसे स्वीकार किया था।
- अकबर ने अपने नवरत्नों में से एक राजकवि फैजी की अध्यक्षता में एक **अनुवाद विभाग** की स्थापना की।
- अकबर के शासनकाल में **बदायूंनी** में **'रामायण'** का, **अबुल फजल** ने **'कालिया दमन'** का तथा **फैजी** ने **'लीलावती'** का फारसी में अनुवाद किया।
- जैन साधु **हरिविजय सूरि**, जो अकबर के दरबार में कुछ वर्षों तक रहा एवं जिसे **'जगद्गुरु'** की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
- मुगल चित्रशाला की प्रथम कृति का नाम **दास्तान-ए-अमीर-हम्जा** था।
- **बसावन** को अकबर के समय का सर्वोत्कृष्ट चित्रकार माना जाता है।
- अकबर के समय में **प्रथम बार भित्ति चित्रकारी** आरंभ हुई।
- अकबर ने धार्मिक सहिष्णुता की नीति को अपनाया जिसे **सुलह-ए-कुल** कहा जाता है।

अकबर के नवरत्न	
1. मानसिंह	6. फैजी
2. टोडरमल	7. मुल्ला दो प्याजा
3. हकीम हुकाम	8. बीरबल
4. अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना	9. तानसेन
5. अबुल फजल	

- अकबर के शासनकाल में साम्राज्य कई प्रांतों में विभाजित था, जिन्हें **सूबा** कहा जाता था।
- अकबर ने चित्रकला को एक विभाग के रूप में स्थापित किया।
- अकबर द्वारा बनवाए गए इमारतों में आगरा स्थित **लाल किला,** फतेहपुर सीकरी स्थित **बुलंद दरवाजा, जोधाबाई महल, पंच महल, मरियम महल** तथा **सुल्ताना महल** प्रमुख हैं।
- **बुलंद दरवाजा** भारत का सर्वाधिक बड़ा दरवाजा है। इसका निर्माण गुजरात विजय के उपलक्ष्य में करवाया गया।
- अकबर के काल को हिन्दी साहित्य का **स्वर्णिम काल** कहा जाता है।
- अकबर ने संगीत की शिक्षा **लाल कलवंत** से ली।

जहाँगीर (1605–1627 ई.)

- जहाँगीर का जन्म अगस्त 1569 ई. में अकबर की पत्नी मरियम उज्जामी से हुआ था।
- जहाँगीर का वास्तविक नाम **सलीम** था।
- **अब्दुर्रहीम खानखाना** जहाँगीर के गुरु थे।
- **21 अक्टूबर 1605** ई. को **36 वर्ष** की अवस्था में जहाँगीर दिल्ली का शासक बना। उसका राज्याभिषेक **नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाह गाजी के** नाम से **आगरा** के किले में में हुआ।

- न्याय को सुव्यवस्थित करने के लिए जहाँगीर ने **जंजीर-ए-अदल** की स्थापना करवायी। इस जंजीर में लगी घंटी को बजाकर कोई भी व्यक्ति न्याय के लिए बादशाह से गुहार लगा सकता था।
- जहाँगीर के पुत्र खुसरो ने पिता के विरुद्ध विद्रोह कर दिया तथा गुरु अर्जुन देव से आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे क्रोधित होकर जहाँगीर ने गुरु अर्जुन देव को **16 जून 1606 ई.** में मृत्युदण्ड दे दिया।
- जहाँगीर के शासन काल में सप्ताह में गुरुवार तथा रविवार के दिन पशु हत्या पर प्रतिबंध था।
- जहाँगीर के समय अहमदनगर का वजीर मलिक अम्बर था। उसने गुरिल्ला युद्ध पद्धति की शुरुआत की।
- 1611 ई. में जहाँगीर ने **मेहरून्निसा (नूरजहाँ)** से विवाह किया।
- नूरजहाँ के पिता को जहाँगीर ने **एत्माद-उद-दौला** की उपाधि प्रदान की।
- जहाँगीर के दरबार में विलियम हॉकिन्स, विलियम फिन्च, सर टॉमस रो तथा एडवर्ड टैरी जैसे प्रमुख यूरोपीय यात्री आए। जिसमें विलियम हॉकिन्स (1608–1611 ई.) जहांगीर के राजदरबार आगरा में भेजा जाने वाला ब्रिटिश राजा जेम्स प्रथम का अंग्रेज दूत तथा मुगल राजदरबार में उपस्थित होने वाला पहला अंग्रेज था।
- जहाँगीर ने ब्रिटिश राजदूत हॉकिन्स को **'इंग्लिश खाँ'** की उपाधि देकर आर्मीनिया की एक स्त्री से उसका विवाह कर दिया।
- जहाँगीर के शासनकाल में मुगल चित्रकला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची।
- जहाँगीर के काल को **'मुगल चित्रकला का स्वर्ण युग'** कहा जाता है।
- **उस्ताद मंसूर** तथा **अबुल हसन** जहाँगीर के समय के सर्वोत्कृष्ट चित्रकार थे। जहाँगीर ने उन दोनों को क्रमशः **नादिर-उल-अस्त्र** तथा **नादिर-उद-जमाँ** की उपाधि प्रदान की।
- अबुल हसन प्रसिद्ध व्यक्ति चित्रकार था, जबकि उस्ताद मंसूर प्रसिद्ध पक्षी विशेषज्ञ चित्रकार था।
- शेख सलीम चिश्ती का मकबरा उत्तर प्रदेश के **फतेहपुर सीकरी** में है।
- 1626 ई. में महावत खाँ ने जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था।
- शाहजादा खुर्रम का जन्म 5 फरवरी, 1592 को लाहौर में हुआ था।
- कश्मीर का **शालीमार** एवं **निशात बाग** जहाँगीर ने तैयार करवाया था।
- जहाँगीर ने **फारसी भाषा** में अपनी आत्मकथा **तुजुक-ए-जहाँगीरी** की रचना की।
- जहाँगीर के शासनकाल में 1605 ई. में पुर्तगालियों ने तम्बाकू का प्रचलन प्रारंभ किया। इसके नुकसानदेह प्रभाव से बचने के लिए जहाँगीर ने तंबाकू के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।
- जहाँगीर की मृत्यु **नवंबर, 1627 ई.** में भीमवार नामक स्थान पर हुई। उसे रावी नदी के किनारे **शाहादरा (लाहौर)** में दफनाया गया।
- जहाँगीर तथा एत्मादुद्दौला का मकबरा नूरजहाँ ने बनवाया था।

शाहजहाँ (1627–1658 ई.)

- शाहजहाँ का वास्तविक नाम **खुर्रम** था। **फरवरी 1628 ई.** में शाहजहाँ अबुल मुजफ्फर शहाबुद्दीन मुहम्मद साहिब किरन-ए-सानी की उपाधि धारण करके गद्दी पर बैठा।
- शाहजहाँ का विवाह **अर्जुमन्द बानो बेगम** से हुआ। अर्जुमन्द बानो बेगम को **मुमताज महल** के नाम से जाना जाता है।
- शाहजहाँ ने महावत खाँ को **खानखाना** की उपाधि प्रदान की।
- 1632 ई. में पुर्तगालियों के प्रभाव को समाप्त करने के लिए शाहजहाँ ने उनके हुगली व्यापारिक केन्द्र पर अधिकार कर लिया।
- सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोविन्द सिंह का शाहजहाँ से संघर्ष हुआ था।
- शाहजहाँ ने **औरंगजेब** को **दक्षिण का सूबेदार** बनाया। औरंगजेब ने **औरंगाबाद** को अपनी राजधानी बनाया।
- शाहजहाँ ने **मीर जुमला** को दक्षिणी सूबों का प्रधानमंत्री पद दिया था।
- मध्य एशिया पर विजय पाने के लिए शाहजहाँ ने शहजादे मुराद तथा औरंगजेब को भेजा।
- शाहजहाँ के चारों पुत्रों में **दारा शिकोह** सर्वाधिक उदार था। शाहजहाँ ने उसे ही अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।
- मुगल शासक शाहजहाँ को **निर्माताओं का राजकुमार** कहा जाता है।
- अपने बड़े पुत्र दारा शिकोह को शाहजहाँ ने **'शाह बुलंद इकबाल'** की उपाधि प्रदान की थी।
- शाहजहाँ के काल को **'मुगल वास्तुकला** का **स्वर्णयुग'** माना जाता है।
- विश्व का सबसे महंगा कोहिनूर हीरा शाहजहाँ के **तख्त-ए-ताउस** (मयूर सिंहासन) में लगा था।
- शाहजहाँ ने इस सिंहासन का निर्माण **बेवादल खाँ** से करवाया।
- दिल्ली स्थित लाल किला, जामा मस्जिद तथा आगरा स्थित विश्व प्रसिद्ध ताजमहल शाहजहाँ ने बनवाया था।
- शाहजहाँ को कोहिनूर हीरा **मीर जुमला** ने भेंट किया था।
- शाहजहाँ ने 1636–37 ई. में **सिजदा** एवं **पाबोस** प्रथा समाप्त कर दिया।
- शाहजहाँ ने इलाही संवत के स्थान पर **हिजरी संवत** प्रारंभ किया।
- मुर्शिद कुली खान को **'दक्षिण का टोडरमल'** कहा जाता है।
- शाहजहाँ ने दाम और आधा के मध्य आना के नए सिक्के का प्रचलन करवाया।
- उसने लगान वसूली की ठेकेदारी प्रथा की शुरुआत की।
- शाहजहाँ के शासन के 20 वर्षों का इतिहास अब्दुल हमीद लाहौरी ने **पादशाहनामा** में लिखा है।
- मुहम्मद फकीर एवं मीर हासिम शाहजहाँ के दरबार के **प्रमुख चित्रकार** थे।
- चिंतामणि, सुंदरदास तथा कबीन्द्राचार्य, शाहजहाँ के दरबार में हिन्दू लेखक थे वहीं **'गंगा लहरी'** तथा **'रस गंगाधर'** के लेखक **पंडित जगन्नाथ** (महाकविराय) शाहजहाँ के राजकवि थे।
- शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में **ताजमहल** के नाम से स्मारक बनवाया।
- दिल्ली एवं आगरा की जामा मस्जिद, आगरा का किला, आगरा का मोती मस्जिद एवं दिल्ली स्थित लालकिले का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था।

- शाहजहाँ ने ताजमहल का निर्माण **उस्ताद ईसा खाँ** की देख-रेख में करवाया। उस्ताद अहमद लाहौरी ने इसका नक्शा तैयार किया था।
- वर्ष 1638 ई. में शाहजहाँ ने राजधानी आगरा से **शाहजहाँनाबाद** (पुरानी दिल्ली) स्थानांतरित कर दिया।
- शाहजहाँ एकमात्र मुगल शासक था जिसे उसके जीवन काल में ही अपदस्थ किया गया।
- आगरा तथा दिल्ली शाहजहाँ के काल में स्थापत्य कला के मुख्य केन्द्र थे।
- शाहजहाँ को उसके पुत्र औरंगजेब ने कैद कर **आगरा के किले** में रखा था।
- जनवरी **1666 ई.** में शाहजहाँ की मृत्यु हो गई।
- शाहजहाँ और उसकी बेगम मुमताज महल दोनों की कब्र ताजमहल के भीतर स्थित है।

औरंगजेब (1658–1707 ई.)

- औरंगजेब अपने पिता शाहजहाँ की मृत्यु से पूर्व ही **1658 ई.** में राजसिंहासन पर बैठ गया।
- औरंगजेब ने मुगल शासकों में सर्वाधिक विस्तृत क्षेत्र पर शासन किया।
- मुगल शासकों में औरंगजेब का शासन सर्वाधिक लंबा (49 वर्ष) रहा।
- औरंगजेब एकमात्र मुगल बादशाह था जिसका **दो बार** राज्याभिषेक हुआ।
- 15 अप्रैल, 1658 को **औरंगजेब** एवं **दाराशिकोह** के बीच मध्य प्रदेश में स्थित उज्जैन के निकट **धरमत का युद्ध** हुआ।
- 29 मई, 1658 को **औरंगजेब और मुराद की संयुक्त सेनाओं** एवं **दारा शिकोह** के मध्य **सामूगढ़ का युद्ध** हुआ। इस युद्ध में दारा शिकोह पराजित हुआ।
- उत्तराधिकार का **अंतिम युद्ध** मार्च 1659 में **देवराई** का था।
- औरंगजेब ने अपनी प्रिय पत्नी **राबिया-उद्-दौरानी के मकबरे** का निर्माण औरंगाबाद में 1651–61 ई. में कराया था। इस मकबरे को **'बीबी का मकबरा'** तथा **'द्वितीय ताजमहल'** भी कहा जाता है।
- औरंगजेब ने अपनी बड़ी बहन **जहांआरा** को **'सहिबात-उज़-ज़मानी'** की उपाधि प्रदान की थी।
- औरंगजेब की पुत्री का नाम **मेहरून्निसा** था।
- औरंगजेब ने संगीत को इस्लाम विरोधी मानकर उस पर पाबंदी लगा दी, लेकिन इसके शासनकाल में ही सर्वाधिक संगीत की पुस्तकें लिखी गईं।
- तानसेन, बैजू बावरा, मदन लाल एवं गोपाल नायक इत्यादि हरिदास के प्रमुख शिष्य थे। हरिदास संप्रदाय के संगीत अर्चना केंद्रों की संख्या 5 थी।
- स्वामी हरिदास एवं तानसेन प्रमुख **ध्रुपद गायक** थे।
- तानसेन का मूल नाम **रामतनू पांडेय** था। इन्हें अकबर ने **'कंठाभरणवाणीविलास'** की उपाधि प्रदान की थी।
- दिल्ली के पुराने किले में **'खैरूल मनजिल'** अथवा **'खैर-उल-मनजिल'** नामक मदरसे की स्थापना माहम अनगा ने कराई थी, जिसे **'मदरसा-ए-बेगम'** भी कहा जाता था।
- उसने **आलमगीर पादशाह गाजी** की उपाधि धारण की।
- सादगी का जीवन व्यतीत करने के कारण औरंगजेब को **जिंदा पीर** कहा जाता था।
- औरंगजेब के राजदरबार में **सर्वाधिक हिन्दू सेनापति** (31.6 फीसदी) थे।
- औरंगजेब एक कुशल **वीणावादक** था। वह नस्तालीक (फारसी लिपि) लिखने में भी निपुण था।
- आर्थिक कारण जैसे जागीरदारी व्यवस्था और मनसबदारी व्यवस्था तथा धार्मिक नीति के कारण औरंगजेब के शासन काल में अनेक विद्रोह हुए। इन विद्रोहों में जाट विद्रोह, सतनामी विद्रोह तथा राजपूत विद्रोह प्रमुख हैं।
- मराठों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से औरंगजेब ने 1686 ई. में **बीजापुर** तथा 1687 ई. में **गोलकुंडा** का अधिग्रहण किया।
- विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले विद्रोह से परेशान होकर **1679 ई.** में औरंगजेब ने **जजिया कर** लागू कर दिया तथा तीर्थयात्रा कर लेना भी प्रारंभ कर दिया।
- औरंगजेब ने इतिहास लेखन को गैर-इस्लामिक घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया।
- उसने राजपूत नीति को त्याग दिया। उसने झरोखा दर्शन, तुलादान एवं नवरोज त्योहार को भी समाप्त कर दिया तथा तीर्थयात्रा कर लेना भी प्रारंभ कर दिया।
- उसने शरियत के विरुद्ध लिए जाने वाले लगभग 80 करों को समाप्त कर दिया।
- औरंगजेब के शासन काल में स्थापत्य कला का ह्रास हुआ। उसने **बीबी का मकबरा (औरंगाबाद)** तथा **दिल्ली के लाल किले में मोती मस्जिद** का निर्माण करवाया।
- **1707 ई.** में औरंगजेब की मृत्यु हो गई। उसका मकबरा **अहमदनगर (महाराष्ट्र)** में स्थित है।

मुगल शासन व्यवस्था

- मुगल शासन प्रणाली भारतीय तथा विदेशी प्रणालियों के सम्मिश्रण से बनी थी।
- भारतीय वातावरण में यह अरबी-फारसी प्रणाली थी।
- **फारसी** मुगल काल की राजभाषा थी तथा दरबार में इसे सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त था।
- मुगल काल में फारसी भाषा की दो शैलियों- भारतीय एवं ईरानी शैली का विकास हुआ। अबुल फजल भारतीय शैली का प्रवर्तक था।
- बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल शासकों ने फारसी भाषा और साहित्य को संरक्षण प्रदान किया।
- शासन का प्रधान बादशाह था। वह प्रधान सेनापति, न्याय व्यवस्था का सर्वोच्च अधिकारी, इस्लाम का संरक्षक तथा जनता का आध्यात्मिक नेता होता था।
- अबुल फजल ने अकबरकालीन मुगल राजत्व सिद्धान्त की स्पष्ट व्याख्या आइन-ए-अकबरी में की है।
- बादशाह अकबर राजतंत्र को धर्म एवं संप्रदाय से ऊपर मानता था। उसने रूढ़िवादी इस्लामी सिद्धांत के स्थान पर सुलह-ए-कुल की नीति अपनायी।

- मुगल प्रशासन सैन्य शक्ति पर आधारित एक केन्द्रीकृत व्यवस्था थी, जो नियंत्रण एवं संतुलन पर आधारित थी। मंत्रिपरिषद को **विजारत** कहा जाता था।
- बादशाह के बाद शासन प्रबंध करने वाला सबसे बड़ा राजकर्मचारी **वकील** (वकील-ए-मुतलक) था। बाद में इसे **वजीर** कहा जाने लगा। इसे मंत्रियों को नियुक्त और पदच्युत करने का अधिकार था।
- आर्थिक विषयों में दीवान या वित्तमंत्री बादशाह का प्रतिनिधि था। वह शाही खजाने का प्रबंध और उसके हिसाब की जाँच करता था। कर विभाग उसके अधीन था।
- **मीर बख्शी** सेना में राजकीय नियमों को जारी करता था तथा घोड़ों को दागने तथा मनसबदारों के अधिकार में रहने वाले सैनिकों की संख्या निश्चित करता था।
- **प्रधान काजी** प्रधान न्यायाधीश होता था। वह फौजदारी मुकदमों का मुस्लिम विधान के अनुसार फैसला करता था।
- **प्रधान सद्र** धार्मिक धन सम्पत्ति तथा दान विभाग का प्रधान होता था।
- बादशाह के परिवार, उसके महल और उसकी व्यक्तिगत और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति की देखभाल **मीर-ए-समाँ** करता था।
- नगर के शासन का प्रमुख **कोतवाल** होता था।
- **ग्राम प्रधान** (खुत, मुकद्दम या चौधरी) गाँव का मुख्य अधिकारी होता था।
- मुगल सेना **पाँच** भागों में विभाजित थी। इनमें पैदल, घुड़सवार, तोपखाना, हाथी और जल सेना शामिल थे।

मुगल काल में प्रमुख विभाग	
पद	**विभाग/कार्य**
1. दीवान	आय-व्यय विभाग
2. काजी	न्याय विभाग
3. मीर बख्शी	सेना तथा वेतन विभाग
4. सद्र	दान देने का विभाग
5. खानसामा	शाही परिवार का प्रबंध
6. मुशारिफ	राजसचिव
7. मुहतसिब	प्रजा के चरित्र एवं धर्म का निरीक्षण
8. मीर आतिश	तोपखाने का निरीक्षक

मुगलकालीन प्रांतीय प्रशासन	
1. सूबेदार	प्रांतीय शासन का सर्वोच्च अधिकारी
2. दीवान	सूबे का वित्त अधिकारी
3. सदर और काजी	सूबे का न्यायाधिकारी
4. बख्शी	सूबे की सेना की देखभाल करना
5. कोतवाल	सूबे की आंतरिक सुरक्षा, शांति व्यवस्था

- मुगलकालीन सेना संगठन **मनसबदारी प्रथा** कहलाती थी। मनसबदारों को वेतन में नकद रकम मिलती थी। वेतन में जागीरें भी दी जाती थी। मनसबदार के घोड़ों को दाग लगाया जाता था।
- द्वि-अस्पा वह मनसबदार होता था, जिसे निर्धारित घुड़सवार के साथ-साथ उतने ही घोड़े रखने पड़ते थे।
- मनसबदारी प्रणाली के अंतर्गत 33 वर्ग थे।
- सि-अस्पा वह मनसबदार होता था, जिसे दुगुने घोड़े रखने पड़ते थे।
- मनसबदारी प्रथा की शुरुआत जहाँगीर के शासनकाल में हुई थी।
- अकबर ने अपने शासनकाल के 40 वर्ष में जात एवं सवार जैसी दोहरी व्यवस्था लागू की।
- 1580 ई. में अकबर ने **दहशाला नामक कर प्रणाली** की शुरुआत की थी।
- दहशाला व्यवस्था रैय्यतवाड़ी व्यवस्था पर आधारित थी जिसमें किसान प्रतिवर्ष सीधे ही लगान देने के लिए उत्तरदायी होते थे। इस व्यवस्था का वास्तविक प्रणेता **टोडरमल** था। इस प्रणाली में **1/10** भाग प्रत्येक वर्ष वसूला जाता था।
- मुगल काल में कृषक तीन वर्गों– खुदकाश्त, पाहीकाश्त तथा मुजरियन में विभाजित थे।
- भूमिकर के आधार पर मुगल काल में भूमि का विभाजन तीन भागों– खालसा भूमि (शाही भूमि), जागीर भूमि तथा सयूरगाल भूमि में किया गया था।
- टोडरमल ने 1570–71 ई. में खालसा भूमि पर भू-राजस्व की नवीन प्रणाली-जब्ती प्रारंभ की।
- औरंगजेब के शासन काल में भू-राजस्व के लिए कनकूत या नस्क प्रणाली को अपनाया गया। इस व्यवस्था में भू-राजस्व की राशि को उपज का आधा कर दिया गया। एक प्रकार से यह ठेकेदारी व्यवस्था थी।
- सूर्य की गणना पर आधारित **इलाही संवत** का आरंभ अकबर के समय में हुआ था।
- मुगलकालीन अर्थव्यवस्था का आधार **चाँदी का रुपया** था।
- दैनिक लेन-देन के लिए **तांबे के दाम** का प्रयोग होता था।
- जहाँगीर ने अपने समय में सिक्कों पर अपनी आकृति बनवायी तथा उस पर अपना एवं नूरजहाँ का नाम अंकित करवाया।
- शाहजहाँ ने **आना सिक्के** का प्रचलन करवाया।
- भू-राजस्व के अतिरिक्त हिन्दुओं से जजिया तथा मुसलमानों से जकात नामक कर वसूल किए जाते थे।
- अकबर ने 1564 ई. में **जजिया कर समाप्त** कर दिया जिसे 1679 ई. में औरंगजेब ने **पुनः लागू** कर दिया।
- मुगल काल में खाद्य पदार्थों में **गेहूँ, चावल, बाजरा** और **दाल** मुख्य थे।
- भारत में 1604 ई. के लगभग पुर्तगालियों द्वारा तंबाकू का प्रचलन किया गया। इसी समय मक्का की उपज प्रारंभ की गई।
- मुगल काल में कपास, गन्ना, नील, रेशम आदि फसलों का उत्पादन होता था।
- मुगल काल में आयात की प्रमुख वस्तुएँ– सोना, चाँदी, घोड़े, कच्चा रेशम।
- मुगल काल में निर्यात की प्रमुख वस्तुएँ– सूती वस्त्र, नील, शोरा तथा अफीम।
- मुगल काल में वस्तु विनिमय का माध्यम **हुण्डी** था। यह एक प्रकार का अल्पकालीन ऋण था।

- ❖ अकबर ने अपने कार्यकाल के प्रारंभ में मुहर नामक स्वर्ण मुद्रा का प्रचलन किया था।
- ❖ शेरशाह की मुद्रा व्यवस्था अत्यंत विकसित थी।
- ❖ जहाँगीर ने **निसार** नामक सिक्का प्रचलित किया था। यह रुपया के चौथाई मूल्य के बराबर था।

मुगलकालीन निर्माण कार्य		
स्थापत्य	**स्थान**	**निर्माणकर्त्ता**
बाबरी मस्जिद	पानीपत	बाबर के सेनापति मीरबाकी
जामी मस्जिद	सम्भल (रुहेलखंड)	बाबर
दीनपनाह नगर	दिल्ली	हुमायूँ
आगरा की मस्जिद	आगरा	हुमायूँ
किला-ए-कुहना	दिल्ली	शेरशाह सूरी
पुराना किला	दिल्ली	शेरशाह सूरी
शेरशाह का मकबरा	सासाराम (बिहार)	शेरशाह सूरी
फतेहपुर सीकरी महल	फतेहपुर सीकरी	अकबर
आगरा का किला	आगरा	अकबर
जोधाबाई का महल	फतेहपुर सीकरी	अकबर
बीरबल का महल	फतेहपुर सीकरी	अकबर
जामा मस्जिद	फतेहपुर सीकरी	अकबर
बुलंद दरवाजा	फतेहपुर सीकरी	अकबर
पंचमहल व हवा महल	फतेहपुर सीकरी	अकबर
शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	फतेहपुर सीकरी	अकबर
शीशमहल व खासमहल	आगरा	शाहजहां
मोती मस्जिद	आगरा	शाहजहां
ताजमहल	आगरा	शाहजहां
जामी मस्जिद	आगरा	जहांआरा
दीवान-ए-आम	दिल्ली	शाहजहां
बादशाही मस्जिद	लाहौर	औरंगजेब

मुगल काल के प्रमुख साहित्य	
प्रसिद्ध ग्रंथ	**लेखक**
बाबरनामा	बाबर
हुमायूंनामा	गुलबदन बेगम (हुमायूँ की बहन)
अकबरनामा	अबुल-फजल (अकबर के नवरत्नों में से एक)
तुजुक-ए-जहांगीरी	जहांगीर (मुतमिद खाँ ने पूर्ण की)
तबकात-ए-अकबरी	निजामुद्दीन अहमद
पादशाहनामा	अब्दुल हमीद लाहौरी
फुतुहात-ए-आलमगीरी	ईश्वरदास नागर
मज्मउल बहरीन	दारा शिकोह

मुगल शासक एवं उनके मकबरे	
मुगल शासक	**मकबरे**
बाबर	काबुल (वर्तमान अफगानिस्तान)
हुमायूं	दिल्ली
अकबर	सिकंदरा (आगरा)
जहांगीर	शाहादरा (लाहौर–वर्तमान पाकिस्तान)
शाहजहां	आगरा
औरंगजेब	दौलताबाद (औरंगाबाद)

मुगल बादशाह और उनके प्रसिद्ध नाम	
मुगल बादशाह	**प्रसिद्ध नाम**
औरंगजेब	जिंदा पीर
जहांदारशाह	लम्पट मूर्ख
फर्रूखसियर	घृणित कायर
रफी-उद-दरजात	कठपुतली शासक
मुहम्मद शाह	रंगीला
बहादुरशाह-प्रथम	शाह-ए बेखबर
बहादुरशाह-द्वितीय	जफर

सिखों का उदय

- ❖ सिख धर्म की स्थापना **गुरु नानक** द्वारा की गई थी।
- ❖ मुगल बादशाह अकबर ने सिख के चौथे गुरु रामदास को 500 बीघा भूमि दान दी।
- ❖ 1604 ई. में सिखों के पवित्र ग्रंथ **'आदि ग्रंथ'** का संकलन सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव द्वारा किया गया। इन्होंने ही **मनसब प्रथा** चलाई, जिसके अनुसार सिखों को अपनी आय का दसवां भाग गुरु को देना पड़ता था।
- ❖ जहांगीर ने राजकुमार खुसरो की सहायता करने के कारण गुरु अर्जुनदेव को फांसी की सजा दी।
- ❖ औरंगजेब द्वारा गुरु तेग बहादुर को दिल्ली में मृत्युदंड दिया गया था।
- ❖ सिखों के दसवें एवं अंतिम गुरु गोविंद सिंह की महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक अफगान सरदार द्वारा हत्या कर दी गई थी।
- ❖ गुरु गोविंद सिंह ने **1699** में बैसाखी के दिन आनंद साहिब में **'खालसा पंथ'** की स्थापना की थी।

सिख गुरु एवं उनके कार्य	
प्रमुख सिख गुरु	**कार्य**
गुरु नानक	सिख धर्म की स्थापना
गुरु अंगद	गुरुमुखी लिपि की शुरुआत
गुरु अर्जुन देव	मसनद प्रथा, आदि ग्रंथ का संकलन
गुरु रामदास	अमृतसर नगर की स्थापना
गुरु अर्जुन देव	अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर का निर्माण
गुरु गोविंद सिंह	खालसा पंथ की स्थापना

11. मराठा

- भारतीय इतिहास में मराठा राज्य का गठन एक क्रांतिकारी घटना है।
- शिवाजी के पिता शाह जी भोंसले अहमदनगर राज्य में प्रधानमंत्री थे। शाहजहाँ ने 1633 ई. में अहमदनगर का अधिग्रहण कर लिया। इसके पश्चात् शाह जी बीजापुर राज्य के शासक आदिल शाह के दरबार में चले गए। 17वीं सदी में छत्रपति शिवाजी ने पश्चिम भारत में राष्ट्रीय राज्य के रूप में मराठा साम्राज्य की नींव रखी।

शिवाजी (1627–1680 ई.)

- शिवाजी का जन्म 1627 ई. में **पूना** के निकट शिवनेर के दुर्ग में हुआ था।
- शिवाजी के पिता का नाम **शाह जी भोंसले** और माता का नाम **जीजाबाई** था।
- शिवाजी ने 1643 ई. में अपने पिता की पुणे की जागीर को प्रशासक के रूप में संभाला।
- शिवाजी पर सर्वाधिक प्रभाव उनके संरक्षक गुरु दादोजी कोंडदेव का था।
- समर्थ रामदास शिवाजी के आध्यात्मिक गुरु थे। समर्थ रामदास ने ही मराठा धर्म का प्रतिपादन किया।
- संत नामदेव समर्थ रामदास एवं छत्रपति शिवाजी के समकालीन थे।
- शिवाजी ने सर्वप्रथम 1646 ई. में तोरण किले पर अधिकार किया।
- 1657 ई. में शिवाजी ने पहली बार मुगलों से युद्ध किया।
- मुगलों के कैद से भागने के समय शिवाजी आगरा नगर के जयपुर भवन में नजरबंद थे।
- 1664 ई. में शिवाजी ने सूरत को प्रथम बार लूटा।
- औरंगजेब ने शिवाजी को राजा की पदवी दी।
- शिवाजी का राज्याभिषेक 1674 ई. में **रायगढ़ में** काशी के प्रसिद्ध विद्वान **गंगाभट्ट** से करवाया गया। राज्याभिषेक के बाद शिवाजी ने **छत्रपति** की उपाधि धारण की।
- शिवाजी ने **'रायगढ़'** को अपनी राजधानी बनाया।
- 1670 ई. में शिवाजी ने सूरत पर दूसरा आक्रमण किया।
- शिवाजी का साम्राज्य स्वराज्य तथा मुल्द-ए-कादिम नामक दो भागों में विभाजित था।
- शिवाजी ने **मराठी** को राजभाषा बनाया।
- शिवाजी के मंत्रिमंडल को **अष्टप्रधान** कहा जाता था।
- शिवाजी की सेना का मुख्य भाग घुड़सवार और पैदल सेना थी।
- **14 जनवरी 1761** को सदाशिव भाऊ के नेतृत्व में मराठा सेना और अहमदशाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के मध्य **पानीपत की तीसरी लड़ाई** हुई। इस युद्ध में मराठा बुरी तरह पराजित हुए।
- मराठा प्रशासन में अल-बरीज सबसे महत्वपूर्ण दफ्तर था।
- भूमि मापने के लिए शिवाजी ने काठी नामक मापक का प्रयोग किया।
- शिवाजी ने छत्रपति के अलावा गौ-ब्राह्मण प्रतिपालक व हैन्दव-धर्मोद्धारक (हिन्दू धर्म के रक्षक) की पदवी धारण किया।
- मराठा प्रशासन में गाँव के मुख्य अधिकारी को **पटेल** कहा जाता था।
- पेशवा का पद बालाजी विश्वनाथ के बाद वंशानुगत हो गया।
- **कर्नाटक अभियान** शिवाजी का अंतिम विजय अभियान था।
- 1680 ई. में छत्रपति शिवाजी की मृत्यु हो गई।
- शम्भाजी शिवाजी के उत्तराधिकारी घोषित हुए।

मराठा प्रशासन के मुख्य अधिकारी एवं उनके कार्य क्षेत्र

अधिकारी	कार्यक्षेत्र
1. पेशवा	प्रधानमंत्री
2. अमात्य	वित्त मंत्री
3. सुमन्त	विदेशी मामले तथा समारोहों की देखभाल
4. न्यायाधीश	मुख्य न्यायकर्ता
5. वाकिया नवीस	कानून व्यवस्था एवं गुप्तचरों का प्रधान
6. सर-ए-नौवत	सेनापति
7. पंडित राव	धार्मिक मामलों के प्रमुख

मराठा शासन व्यवस्था

- मराठों के प्रत्यक्ष अधिकार वाले क्षेत्र को **स्वराज** कहा जाता था। स्वराज **चार** प्रांतों में विभाजित था।
- प्रांत का सर्वोच्च अधिकारी **मामलतदार** कहलाता था।
- मराठा राजस्व प्रशासन मलिक अम्बेर के द्वारा अपनायी गयी रैय्यतवाड़ी पद्धति पर आधारित था।
- शिवाजी ने जागीरदारी प्रथा को समाप्त करके किसानों से राजस्व संग्रहित करने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की।
- मराठा राजस्व प्रशासन में चौथ और सरदेशमुखी नामक कर वसूला जाता था।
- स्वराज के बाहर स्थित राज्य की सुरक्षा के बदले में कुल राजस्व के एक-चौथाई कर को **चौथ** कहा जाता था।
- शिवाजी ने स्वयं को सम्पूर्ण दक्कन का देशमुख (प्रधान) मानते हुए सभी राज्यों से सरदेशमुखी कर की माँग की। यह माँग कुल राजस्व का 10 प्रतिशत थी।

शिवाजी के उत्तराधिकारी

शम्भाजी (1680–1689 ई.)

- शम्भाजी ने औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर को शरण दिया इस कारण औरंगजेब ने दक्कन पर आक्रमण कर दिया।
- 1689 ई. में मुगलों के विरुद्ध युद्ध में शम्भाजी को बंदी बना लिया गया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई।

राजाराम (1689–1700 ई.)

- राजाराम शिवाजी का **छोटा पुत्र** था।
- उसने एक नए मंत्री पद, **प्रतिनिधि** का सृजन किया और मंत्रियों की संख्या आठ से बढ़ाकर **नौ** कर दी। उन्होंने पहला प्रतिनिधि प्रह्लाद निराजी को बनाया।

- 1700 ई. में राजाराम की मृत्यु के बाद उसका पुत्र **शिवाजी द्वितीय** मराठा शासक बना।

शिवाजी द्वितीय (1700–1707 ई.)

- राजाराम की मृत्यु के बाद उसकी विधवा ताराबाई ने अपने पुत्र शिवाजी द्वितीय को गद्दी पर बिठाया और स्वयं उसकी संरक्षक बन गयी।
- 1707 ई. में मुगल बादशाह बहादुरशाह ने शाहू को मुगल कैद से मुक्त कर दिया। दक्कन पहुँचने पर शाहू और ताराबाई (राजाराम की पत्नी) के मध्य गृहयुद्ध छिड़ गया।
- **खेड़ा के युद्ध** (1707 ई.) में ताराबाई पराजित हुई। समझौते के अनुसार ताराबाई और शाहू ने राज्य को आपस में बाँट लिया। इस युद्ध में शाहू की सहायता पेशवा बालाजी विश्वनाथ ने की थी।

12. ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

1707 ई. में मुगल बादशाह औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् मुगल साम्राज्य की पतनोन्मुखी परिस्थितियों का लाभ उठाकर कई अधीनस्थ राज्यों ने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर लिया। इसके परिणामस्वरूप भारत में प्रारंभिक व्यापारिक एकाधिकार प्राप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न यूरोपीय कंपनियों के बीच संघर्ष प्रारंभ हो गया।

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी का आगमन

- **20 मई, 1498** को भारत में सर्वप्रथम पहुँचने वाला पुर्तगाली नाविक **वास्कोडिगामा** था।
- वर्ष 1505 ई. में **फ्रांसिस्को डी अल्मीडा भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय** बनकर आया।
- 1510 ई. में अल्फांसो डी अल्बुकर्क ने बीजापुर के शासक युसूफ आदिलशाह से गोवा छीनकर अपने अधिकार में कर लिया।
- 1599 ई. में मर्चेण्ट एडवेंचरर्स नामक दल ने ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना की। बाद में यही कंपनी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी बनी।
- 31 दिसम्बर, 1600 ई. को ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने एक रॉयल चार्टर जारी कर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को प्रारंभ में **15 वर्ष** के लिए पूर्वी देशों से व्यापार करने का एकाधिकार पत्र दे दिया।
- 1608 ई. में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत के पश्चिमी तट पर सूरत में एक फैक्टरी खोलने का निश्चय किया। इसके लिए कम्पनी ने कैप्टन हॉकिन्स को जहाँगीर के दरबार में शाही आज्ञा लेने के लिए भेजा। एक शाही फरमान के साथ ही सूरत में फैक्टरी खोलने की स्वीकृति मिल गई।
- 1609 ई. में ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को अनिश्चितकालीन व्यापारिक एकाधिकार प्रदान किया।
- भारत में व्यापार के लिए डचों ने सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी कंपनी आरंभ की।

भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का क्रम

नाम	स्थापना वर्ष	भारत में प्रथम स्थायी फैक्ट्री
पुर्तगाली	1498 ई.	कोचीन (1503 ई.)
अंग्रेज	1600 ई.	सूरत (1613 ई.)
डच	1602 ई.	मसुलीपट्टनम (1605 ई.)
डेनिस	1616 ई.	ट्रैंकोबार (1620 ई.)
फ्रांसीसी	1664 ई.	सूरत (1668 ई.)

- भारत में पुर्तगाली सर्वप्रथम **1498 ई.** में आए तथा सबसे अंत में **1961 ई.** में वापस गए।
- 1661 ई. में इंग्लैंड के सम्राट चार्ल्स का विवाह पुर्तगाल की राजकुमारी कैथरीन से होने पर सम्राट चार्ल्स को उपहार स्वरूप बंबई प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने **1668 ई.** में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को **10 पौंड वार्षिक** किराए पर दे दिया था।
- फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना लुई चौदहवें के मंत्री **कॉल्बर्ट** द्वारा **1664 ई.** में की गई थी, जिसे 'कंपन फ्रैंकेस देस इंडेस ओरिएंटलेस' कहा गया।
- 1611 ई. में मुगल बादशाह जहाँगीर के दरबार में अंग्रेज कैप्टन मिडल्टन आया और व्यापार करने की अनुमति पाने में सफल रहा।
- 1615 ई. में ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम का एक दूत सर टॉमस रो जहाँगीर के दरबार में आया जिसका उद्देश्य एक व्यापारिक संधि करना था। सर टॉमस रो ने मुगल साम्राज्य के सभी भागों में व्यापार करने एवं फैक्ट्रियाँ स्थापित करने का अधिकार पत्र प्राप्त कर लिया।
- 1623 ई. तक अंग्रेजों ने सूरत, आगरा, अहमदाबाद, मछलीपट्टनम तथा भड़ौच में अपनी व्यापारिक कंपनियों की स्थापना कर ली।
- दक्षिण भारत में अंग्रेजों ने अपनी प्रथम अस्थायी व्यापारिक कम्पनी की स्थापना **1611 ई.** में **मछलीपट्टनम** में की। इसके बाद 1639 ई. में मद्रास में भी व्यापारिक कोठियों की स्थापना की गई।
- पुर्तगालियों को पराजित कर डचों ने आधुनिक कोच्चि में फोर्ट विलियम का निर्माण कराया था।
- अंग्रेजों का प्रथम स्थायी कारखाना वर्ष **1613** में **सूरत** में स्थापित किया गया।
- 1633 ई. में पूर्वी भारत में बालासोर (उड़ीसा) में अंग्रेजों द्वारा प्रथम कारखाना खोला गया।
- 1651 ई. में कलकत्ता के हुगली नगर में अंग्रेजों को व्यापार करने की अनुमति मिल गई। इसके पश्चात् बंगाल, बिहार, पटना और ढाका में भी कारखाने खोले गए।
- 1632 ई. में गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा अंग्रेजों को एक सुनहरे फरमान के माध्यम से गोलकुंडा राज्य में स्वतंत्रतापूर्वक व्यापार करने की अनुमति मिल गई।
- 1686 ई. में अंग्रेजों ने हुगली को लूट लिया। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेजों और मुगलों के बीच संघर्ष हुआ।
- 1698 ई. में अजीमुश्शान द्वारा अंग्रेजों को सुतानती, कलिकत्ता और गोविन्दपुर नामक तीन गाँवों की जमींदारी मिल गई। इन सबको मिलाकर जॉब चार्नाक ने कलकत्ता की नींव रखी। ईस्ट इंडिया कंपनी की इस नई किलेबंद बस्ती को फोर्ट विलियम का नाम दिया गया।

- 1700 ई. में अंग्रेजों ने कलकत्ता को पहला प्रेसिडेंसी नगर घोषित किया। 1774 से 1911 ई. तक कलकत्ता ब्रिटिश भारत की राजधानी बना रहा।
- 1717 ई. में मुगल सम्राट फर्रुखशियर ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को व्यापारिक सुविधाओं वाला एक फरमान जारी किया। इसके अंतर्गत एक निश्चित वार्षिक कर (₹ 3000) चुकाकर निःशुल्क व्यापार करने तथा बंबई में कम्पनी द्वारा ढाले गए सिक्कों के संपूर्ण मुगल राज्य में चलाने की अनुमति मिल गई। अंग्रेजों को वही कर देने होते थे जो भारतीयों को देने होते थे।

बंगाल पर अंग्रेजों का आधिपत्य

- 1757 से 1764 ई. के मध्य बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला, मीर जाफर तथा मीर कासिम अपनी संप्रभुता को कायम रखने में असफल रहे। परिणामतः बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी की संप्रभुता स्थापित हुई।
- 1756 ई. में बंगाल के नवाब अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के बाद सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना।
- सिराजुद्दौला के शासनकाल में 20 जून, 1756 ई. को ब्लैकहोल की घटना हुई थी। इस घटना में 123 यूरोपियों की मृत्यु हुई थी।
- गवर्नर जनरल लॉर्ड क्लाइव द्वारा फ्रांसीसी बस्ती चंद्रनगर पर विजय के पश्चात् बंगाल में अंग्रेजों की स्थिति और मजबूत हो गई। विवश होकर नवाब सिराजुद्दौला को फरवरी 1757 ई. में अलीनगर की संधि करनी पड़ी।
- अलीनगर की संधि के परिणामस्वरूप अंग्रेजों को कलकत्ता की किलेबंदी करने, सिक्के ढालने का अधिकार तथा नवाब द्वारा युद्ध में हुई क्षतिपूर्ति का वचन दिया गया तथा दोनों पक्षों ने भविष्य में शांति बनाए रखने का वचन दिया।

प्लासी का युद्ध (23 जून, 1757)

- **प्लासी का युद्ध** 23 जून, 1757 ई. को **बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला** की सेना और **रॉबर्ट क्लाइव** के नेतृत्व में ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के बीच हुआ था।
- प्लासी युद्ध के पहले ही नवाब का प्रधान सेनापति मीर जाफर तथा दीवान रायदुर्लभ अंग्रेजों से मिल चुके थे। इस प्रकार यह युद्ध एक विश्वासघात था।
- मीरमदान एवं मोहनलाल सिराजुद्दौला के वफादार सेनापति थे।
- युद्ध के पश्चात् नवाब सिराजुद्दौला भागकर मुर्शिदाबाद चला गया जहाँ मीर जाफर के पुत्र ने उसकी हत्या करवा दी।
- प्लासी के युद्ध ने अंग्रेजों की राजनैतिक शक्ति को स्थापित तो किया ही, साथ ही अंग्रेजों की सुगम पहुँच बंगाल के सम्पन्न खजाने तक भी कर दी।
- प्लासी युद्ध के पश्चात् 1757 ई. में ही मीर जाफर बंगाल का नया नवाब बना। उसने ईस्ट इंडिया कम्पनी को 24 परगना की जमींदारी प्रदान की। साथ ही, बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में मुक्त व्यापार की अनुमति प्रदान की।
- मीर जाफर के बाद मीर कासिम 1760 ई. में बंगाल का नवाब बना।
- नवाब का पद प्राप्त करने के लिए मीर कासिम ने कार्यकारी गवर्नर हॉलवेल के साथ समझौता किया जिसके तहत् बर्दवान, मिदनापुर एवं चटगाँव की जमींदारी ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंपी जानी थी।
- अंग्रेजों के हस्तक्षेप तथा दरबार के षड्यंत्रों से बचने के लिए मीर कासिम अपनी राजधानी को मुर्शिदाबाद से स्थानांतरित करके मुंगेर ले गया।
- मीर कासिम ने यूरोपीय मॉडल पर अपनी सेना का सुदृढ़ीकरण किया, तोप तथा बंदूक का कारखाना स्थापित किया व वित्तीय भ्रष्टाचार को समाप्त करने का प्रयास किया।
- 1763 ई. में सैन्य सुधारों और आंतरिक व्यापार पर लगे सभी करों को समाप्त कर देने से अंग्रेजों के विशेषाधिकार समाप्त हो गए।
- जुलाई 1763 में अंग्रेजों ने मीर कासिम के विरुद्ध औपचारिक युद्ध की घोषणा कर दी तथा मीर जाफर को पुनः बंगाल का नवाब घोषित कर दिया। इससे बक्सर के युद्ध की पृष्ठभूमि तैयार हुई।

बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर, 1764)

- बक्सर के युद्ध में अंग्रेजों की सेना का सफल नेतृत्व हेक्टर मुनरो और मीर कासिम की सेना का नेतृत्व गुर्गीन खाँ ने किया।
- बक्सर के युद्ध में शुजाउद्दौला, मीर कासिम तथा शाह आलम द्वितीय के नेतृत्व वाली सम्मिलित सेना की हार हुई।
- बक्सर का युद्ध सैन्य दृष्टिकोण से अंग्रेजों की बहुत बड़ी सफलता थी।
- इस युद्ध में विजय के उपरांत बंगाल में अंग्रेजी सत्ता के प्रभुत्व की स्थापना हुई।

इलाहाबाद की संधि, 1765

- इलाहाबाद की प्रथम संधि ब्रिटिश गवर्नर **लॉर्ड क्लाइव** तथा मुगल सम्राट **शाहआलम द्वितीय** के बीच **12 अगस्त, 1765 ई.** को हुई।
- इस संधि के अनुसार कंपनी को मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय से स्थायी रूप से बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई। इसके बदले में कंपनी ने मुगल सम्राट को 26 लाख रुपये की वार्षिक पेंशन देना स्वीकार किया।
- कंपनी ने अवध के नवाब से **कड़ा** और **इलाहाबाद** (वर्तमान प्रयागराज) जिले लेकर मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय को सौंप दिया।
- इलाहाबाद की द्वितीय संधि **16 अगस्त, 1765** को **लॉर्ड क्लाइव** तथा अवध के नवाब **शुजाउद्दौला** के बीच सम्पन्न हुई।
- इलाहाबाद की द्वितीय संधि के अनुसार इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) तथा कड़ा को छोड़कर अवध का शेष क्षेत्र नवाब को वापस कर दिया गया। इसके तहत् नवाब द्वारा कंपनी को 50 लाख रुपये दिए जाने की बात स्वीकार की गई।
- कंपनी द्वारा अवध की सुरक्षा हेतु नवाब के खर्च पर एक अंग्रेजी सेना अवध में रखी गई। कम्पनी को अवध में कर मुक्त व्यापार करने की छूट प्रदान की गई।

बंगाल में द्वैध शासन (1765–1772 ई.)

- लॉर्ड क्लाइव ने **1765 ई.** में **बंगाल में द्वैध शासन** व्यवस्था लागू की।
- द्वैध शासन व्यवस्था के अन्तर्गत प्रशासन, राजस्व वसूली तथा दीवानी न्याय का अधिकार कंपनी के पास था तथा आंतरिक शांति व्यवस्था, फौजदारी न्याय तथा समस्त प्रशासनिक दायित्व नवाब पर छोड़ दिया गया था। इसके तहत् अधिकार और उत्तरदायित्व दोनों को अलग कर दिया गया था।
- इलाहाबाद की प्रथम संधि से कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी (राजस्व वसूलने का अधिकार) मिल गया। इस प्रकार बंगाल में नवाब का स्वतंत्र शासन समाप्त हो गया।
- द्वैध शासन के समय ही बंगाल में 1770 ई. में भयंकर अकाल पड़ा था।
- 1772 ई. तक बंगाल में द्वैध शासन चलता रहा।

आंग्ल-मैसूर युद्ध

प्रथम युद्ध (1767–1769)

- यह युद्ध **अंग्रेजों** और **हैदर अली** के बीच **1767–1769 ई.** हुआ। यह युद्ध हैदर अली और अंग्रेजों के बीच मद्रास की संधि के बाद समाप्त हुआ। इसके अनुसार एक-दूसरे के जीते हुए प्रदेशों को लौटा दिया गया तथा युद्ध की स्थिति में दोनों ने एक-दूसरे का साथ देने की बात स्वीकार की।

द्वितीय युद्ध (1780–1784)

- 1780 ई. में हैदर अली ने कर्नाटक के अर्काट पर आक्रमण कर द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध की शुरुआत की। इस युद्ध में निजाम और मराठों ने हैदर अली का साथ दिया। हैदर अली की सेना ने अर्काट पर अधिकार कर लिया।
- 1781 ई. में **अंग्रेजों** तथा **हैदर अली** के बीच **पोर्टोनोवा का युद्ध** हुआ जिसमें हैदर अली पराजित हुआ।
- हैदर अली की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र टीपू सुल्तान मैसूर का शासक बना।
- टीपू सुल्तान भारत का प्रथम शासक था, जो आर्थिक शक्ति को सैन्य शक्ति की नींव मानता था। टीपू ने अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णुता की नीति का अनुसरण किया। उसने जमींदारी व्यवस्था के स्थान पर रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को अपनाया।

तृतीय युद्ध (1790–1792)

- टीपू सुल्तान मंगलौर की संधि से संतुष्ट नहीं था। उसने फ्रांस और कुस्तुन्तुनिया में अपने राजदूत भेजकर उनसे सहायता प्राप्त करने की कोशिश की।
- अंग्रेजों ने तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध का कारण इसी आधार पर तैयार किया कि टीपू ने फ्रांसीसियों से अंग्रेजों के विरुद्ध गुप्त समझौता किया था।
- 1789 ई. में टीपू ने त्रावनकोर पर आक्रमण कर दिया। परिणामस्वरूप 1790 ई. में **लॉर्ड कॉर्नवालिस** ने सेना का नेतृत्व करते हुए वेल्लूर और बंगलौर (वर्तमान बंगलुरु) पर अधिकार कर श्रीरंगपट्टनम पर आक्रमण किया।
- 1792 ई. में लॉर्ड कॉर्नवालिस ने टीपू के श्रीरंगपट्टनम के किले को घेरकर उसे संधि के लिए मजबूर किया। परिणामस्वरूप, मार्च 1792 ई. में **अंग्रेजों** और **टीपू** के बीच **श्रीरंगपट्टनम की संधि** हुई।
- **श्रीरंगपट्टनम की संधि** की शर्तों के अनुसार टीपू को अपने **राज्य का आधा हिस्सा** अंग्रेजों तथा उनके सहयोगियों को देना था। साथ ही, युद्ध के हर्जाने के रूप में **तीन करोड़ रुपये** भी अंग्रेजों को देने थे।

चतुर्थ युद्ध (1799)

- अधिकार क्षेत्र और अंग्रेजों की बढ़ती राजनीतिक लालसा के कारण **टीपू सुल्तान** और **अंग्रेजों** के बीच 1799 ई. में **चतुर्थ आंग्ल-मैसूर** युद्ध लड़ा गया।
- इस युद्ध में टीपू सुल्तान अंग्रेजों की संयुक्त सेना से बहादुरी के साथ लड़ते हुए 4 मई, 1799 को युद्ध में मारा गया। इसके साथ ही अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टनम पर अधिकार कर लिया।

आंग्ल-सिख संघर्ष

1839 ई. में महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु के पश्चात् अगले दस वर्षों में ही उनका राज्य समाप्त हो गया। सिख क्षेत्रों पर अधिकार को लेकर अंग्रेजों और सिख के बीच हुए युद्ध को आंग्ल-सिख युद्ध कहा जाता है।

प्रथम संघर्ष (1845–1846)

- इस संघर्ष के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग तथा अंग्रेजी सेना का प्रमुख सर ह्यूगफ था। इस संघर्ष के बाद 1846 ई. में **अंग्रेजों** तथा **सिखों** के मध्य **लाहौर की संधि** हुई। इस संधि के अनुसार, सिखों ने सतलज नदी से दक्षिण की तरफ के सारे क्षेत्र अंग्रेजों को सौंप दिए।
- लाहौर की संधि के बदले में अंग्रेजों ने दिलीप सिंह को महाराजा तथा लाल सिंह को वजीर के रूप में स्वीकार कर लिया।
- दिसंबर 1846 ई. में भैरोवाल की संधि संपन्न हुई जिसके अनुसार राजा दलीप सिंह के वयस्क होने तक ब्रिटिश सेना को लाहौर में तैनात कर दिया गया।

द्वितीय संघर्ष (1848–1849)

- मुल्तान के गवर्नर मूलराज को अपदस्थ करने के कारण सिखों ने विद्रोह किया जिसका लाभ उठाकर लॉर्ड डलहौजी ने युद्ध की घोषणा कर दी। रामनगर (नवंबर, 1848) और चिलियाँवाला का युद्ध (जनवरी, 1849) द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध से संबंधित है।
- लॉर्ड डलहौजी के शासनकाल में चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना ने फरवरी 1849 ई. के गुजरात के युद्ध में सिख सेना को अंतिम रूप से पराजित कर दिया।
- डलहौजी ने मार्च 1849 ई. में गुजरात युद्ध जीतने के बाद पंजाब को अंग्रेजी राज्य के अंतर्गत विलय कर लिया।

ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधीन गवर्नर जनरल

बंगाल के गवर्नर		
बंगाल के गवर्नर	**कार्यकाल**	**प्रमुख घटनाएँ**
1. रॉबर्ट क्लाइव (प्रथम शासन)	1757–1760	• बंगाल में द्वैध शासक का जनक • 1757 का प्लासी का युद्ध
2. हॉलवेल	1760	
3. वेन्सिटार्ट	1760–1764	बक्सर का युद्ध (1764)
4. रॉबर्ट क्लाइव (दूसरा शासन)	1765–1767	1765 में इलाहाबाद की संधि
5. वेरेल्स्ट	1767–1769	
6. कॉर्टियर	1769–1772	बंगाल में अकाल (1770)
7. वारेन हेस्टिंग्स	1772–1774	• बंगाल का अंतिम गवर्नर • बंगाल में द्वैध शासन की समाप्ति

बंगाल के गवर्नर जनरल (1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के अनुसार)		
गवर्नर जनरल	**कार्यकाल**	**प्रमुख घटनाएँ**
1. वारेन हेस्टिंग्स	1774–1785	बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल, इजारेदारी प्रथा का प्रारंभ, 1784 में विलियम जोंस द्वारा 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' की स्थापना, प्रथम मराठा और द्वितीय मैसूर युद्ध, पिट्स इंडिया अधिनियम
2. सर जॉन मैकफर्सन	1785–1786	–
3. लॉर्ड कॉर्नवालिस	1786–1793	तृतीय मैसूर युद्ध, बंगाल में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली की शुरुआत, भारत में नागरिक सेवा का जनक, पुलिस व्यवस्था के जनक, शक्ति का पृथक्करण का सिद्धांत लागू।
4. सर जॉन शोर	1793–1798	अहस्तक्षेप की नीति, 1793 का चार्टर अधिनियम
5. लॉर्ड वेलेजली	1798–1805	सहायक संधियाँ, चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध, द्वितीय एवं तृतीय मराठा युद्ध, बेसिन की संधि (1802), कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना (1800)
6. सर जॉर्ज बार्लो	1805–1807	अहस्तक्षेप की नीति का समर्थक, वेल्लोर का सिपाही विद्रोह (1806)
7. लॉर्ड मिण्टो प्रथम	1807–1813	रणजीत सिंह के साथ अमृतसर की संधि (अप्रैल 1809)
8. मार्क्विस ऑफ हेस्टिंग्स	1813–1823	तीसरा मराठा युद्ध और मराठा परिसंघ का विघटन, रैय्यतवाड़ी प्रणाली की स्थापना (1820), पेशवा पद की समाप्ति, पिंडारियों का दमन, बंगाल में काश्तकारी अधिनियम लागू (1822), आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814–16) और सुगोली की संधि (1816)
9. लॉर्ड एमहर्स्ट	1823–1828	बर्मा का प्रथम युद्ध, 1824 में बैरकपुर की छावनी में विद्रोह
10. लॉर्ड विलियम बेंटिक	1828–1833	सती प्रथा का अंत, भारतीयों की उच्च पदों पर नियुक्ति, मैसूर का अंग्रेजी राज्य में विलय, कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की नींव

भारत के गवर्नर जनरल (1833 के चार्टर एक्ट के अधीन)		
गवर्नर जनरल	**कार्यकाल**	**महत्वपूर्ण कार्य**
1. लॉर्ड विलियम बेंटिक	1833–1835	भारत का प्रथम गवर्नर जनरल, आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता, मैकाले रिपोर्ट
2. सर चार्ल्स मेटकॉफ	1835–1836	प्रेस की स्वतंत्रता
3. लॉर्ड ऑकलैण्ड	1836–1842	प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
4. लॉर्ड एलनबरो	1842–1844	सिन्ध का अंग्रेजी साम्राज्य में विलय, दास प्रथा का अंत
5. लॉर्ड हार्डिंग्स प्रथम	1844–1848	प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध, कन्या भ्रूण हत्या का उन्मूलन जैसे सामाजिक सुधार
6. लॉर्ड डलहौजी	1848–1856	द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध, हड़प नीति, रेलों का आरंभ तथा शासन सुधार, द्वितीय-आंग्ल-बर्मा युद्ध (1851–52), चार्ल्स वुड की शिक्षा नीति (1854), डाकघर अधिनियम (1854), विधवा पुनर्विवाह अधिनियम का मसौदा (1856) सिक्किम का भारत में विलय, सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना, ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला को बनाया गया, सैन्य विभाग को सार्वजनिक विभाग से अलग कर एक नया विभाग का गठन।
7. लॉर्ड कैनिंग	1856–1858	भारत का अंतिम गवर्नर जनरल तथा भारत का प्रथम वायसराय, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857), विश्वविद्यालयों की स्थापना, ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत।

13. भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 की क्रांति)

- भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध जन आक्रोश बढ़ने के कारण 1857 ई. में एक व्यापक जनविद्रोह भड़क उठा।
- 1857 ई. के विद्रोह का आरंभ **10 मई, 1857** को मेरठ में कंपनी के भारतीय सिपाहियों द्वारा शुरू हुआ। धीरे-धीरे यह विद्रोह कानपुर, झाँसी, बरेली, दिल्ली, अवध आदि शहरों तक फैल गया।
- 1857 के विद्रोह का आरंभ एक सैन्य विद्रोह के रूप में हुआ जो कालांतर में ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध एक जनव्यापी विद्रोह में परिवर्तित हो गया।
- 29 मार्च, 1857 ई. को **34वीं नेटिव इन्फैन्ट्री** बैरकपुर के भारतीय सिपाही मंगल पाण्डे ने सैन्य अधिकारी **लेफ्टिनेंट बाग एवं मेजर सार्जेण्ट** की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के पश्चात् 8 अप्रैल 1857 को मंगल पाण्डे को फाँसी दे दी गई।
- विद्रोह के समय बैरकपुर में लेफ्टिनेंट जनरल सर जॉन वेनेट हैरसे कमांडिंग ऑफिसर थे।
- 1857 के विद्रोह के समय यूरोपीय एवं भारतीय सैनिकों का अनुपात **1 : 6** था।

- 'ब्राउन बेस' बंदूक के स्थान पर 'एनफील्ड राइफल' लायी गई थी। इसमें प्रयोग होने वाले कारतूस के ऊपरी भाग को दाँत से खोलना पड़ता था।
- बंगाल सेना में यह बात फैल गई कि कारतूस के खोल में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग किया जाता है। इससे हिन्दू और मुस्लिम सैनिकों को महसूस हुआ कि चर्बीदार कारतूस का प्रयोग उनके धार्मिक भावनाओं को चोट पहुँचाने का प्रयास है।
- **12 मई, 1857 ई.** को मुगल बादशाह बहादुरशाह द्वितीय को भारत का बादशाह तथा 1857 की क्रांति का नेता घोषित किया गया। दिल्ली में बहादुरशाह द्वितीय को प्रतीकात्मक नेतृत्व दिया गया, जबकि वास्तविक नेतृत्व **बख्त खाँ** के पास था।
- **05 जून 1857 ई.** को **कानपुर** अंग्रेजों के अधिकार से निकल गया। यहाँ पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र **नाना साहब** ने विद्रोह का नेतृत्व किया। इस विद्रोह में तात्या टोपे ने नाना साहब की सहायता की। अजीमुल्ला खाँ नाना साहब के सलाहकार थे। दिसम्बर 1857 में अंग्रेजों ने कानपुर पर फिर अपना अधिकार कर लिया।
- **जून 1857 ई.** में **लखनऊ** में विद्रोह का प्रारंभ **बेगम हजरत महल** के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने अपने बेटे बिजरिस कादिर को नवाब घोषित किया तथा मार्च 1858 में अंग्रेजी सेना ने विद्रोह को दबाकर लखनऊ पर पुनः अधिकार कर लिया।
- **जून 1857** में **रानी लक्ष्मीबाई** के नेतृत्व में **झाँसी** में विद्रोह प्रारंभ हुआ। लक्ष्मीबाई का विवाह 14 वर्ष की उम्र में झांसी के राजा गंगाराव धर के साथ हुआ था। 1857 के विद्रोह को सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू टेलर ने 'हिन्दू-मुस्लिम षडयंत्र' का परिणाम बताया। अंग्रेजी सेना से अदम्य साहस और वीरतापूर्वक लड़ते हुए झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई वीरगति को प्राप्त हुई।
- **बिहार** के जगदीशपुर में विद्रोह का नेतृत्व **कुँवर सिंह** ने किया। कुँवर सिंह की मृत्यु के बाद विद्रोह का नेतृत्व उनके भाई अमर सिंह ने किया। अंत में विलियम टेलर और विसेंट आयर ने इस विद्रोह को दबा दिया।
- **फैजाबाद** में विद्रोह का नेतृत्व **अहमदुल्लाह** ने किया। ब्रिटिश सेना ने इस विद्रोह को दबा दिया।
- **इलाहाबाद** में **जून 1857** के प्रारंभ में विद्रोह की शुरुआत **मौलवी लियाकत अली** ने संभाली। ब्रिटिश जनरल नील ने इस विद्रोह को दबा दिया।
- **बरेली** में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व **खान बहादुर खाँ** ने किया और स्वयं को नवाब घोषित किया। अंग्रेजी सेना ने यहाँ के विद्रोह को दबा दिया और खान बहादुर खाँ को फाँसी दे दी गई।
- **बनारस** में 1857 के संग्राम का विद्रोह सामान्य जनता के हाथ में था। अंग्रेजी सेना द्वारा इस विद्रोह को दबा दिया गया।
- "The Indian war of Independence 1857" नामक अपनी पुस्तक में वी.डी. सावरकार ने इस विद्रोह को सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी।

1857 का विद्रोह–एक नजर में

विद्रोह का केंद्र	नेतृत्वकर्त्ता	ब्रिटिश दमनकर्त्ता
1. दिल्ली	बहादुरशाह जफर, बख्त खाँ	जॉन निकोलसन, हडसन
2. कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे	कैंपबेल
3. झाँसी, ग्वालियर	रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे	जनरल ह्यूगरोज
4. लखनऊ	बेगम हजरत महल	कैंपबेल, हेनरी लॉरेंस
5. बरेली	खान बहादुर खाँ	कैंपबेल
6. फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	कैंपबेल
7. इलाहाबाद, बनारस	लियाकत अली	कर्नल नील

- 1857 के सिपाही विद्रोह के समय इंग्लैड का प्रधानमंत्री विस्कॉन्ट पामर्स्टन तथा भारत का गवर्नर कैनिन था।

1857 के विद्रोह का परिणाम

- ब्रिटिश क्राउन ने ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत पर शासन करने के सभी अधिकार वापस ले लिए।
- **1 नवंबर, 1858** को **इलाहाबाद की उद्घोषणा** में भारत में कम्पनी का शासन समाप्त कर भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन कर दिया गया।
- इसके तहत् **भारत राज्य सचिव के पद का प्रावधान** किया गया और उसकी सहायता के लिए 15 सदस्यीय इंडिया काउंसिल की स्थापना की गई।
- भारत सचिव ब्रिटिश कैबिनेट का सदस्य होता था और संसद के प्रति उत्तरदायी होता था।
- 1858 के अधिनियम के तहत् भारत के गवर्नर जनरल को वायसराय कहा जाने लगा।
- 1857 की क्रांति के राजनीतिक कारणों में लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि तथा लॉर्ड डलहौजी का व्यपगत का सिद्धान्त प्रमुख था।
- लॉर्ड डलहौजी द्वारा विलय किए गए राज्य– **सतारा** (1848), **जैतपुर, संबलपुर** (1849), **बघाट** (1850), **उदयपुर** (1852), **झाँसी** (1853), **नागपुर** (1854), **करौली** (1855) तथा **अवध** (1856)।
- प्रशासनिक कार्यों में योग्यता के स्थान पर धर्म को आधार बनाया गया जो विद्रोह के असंतोष का कारण बना।
- सांस्कृतिक सुधार की नीतियों से पारंपरिक भारतीय संस्कृति को हीन दृष्टि से देखा जाने लगा।
- 1813 के चार्टर एक्ट में ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया गया।
- ब्रिटिश भू-राजस्व नीतियों– स्थायी बंदोबस्त, रैय्यतवाड़ी तथा महालवाड़ी व्यवस्थाओं के द्वारा किसानों का काफी शोषण किया गया।
- सैन्य सेवा में नस्लीय भेदभाव विद्यमान था।
- **सुरेन्द्र नाथ सेन** (एस.एन.सेन) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन (1857) के सरकारी इतिहासकार थे, जिनकी पुस्तक **'एट्टीन फिफ्टी सेवन'** वर्ष 1957 में प्रकाशित हुई थी।
- **सर सैयद अहमद खाँ** द्वारा रचित पुस्तक **'असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद'** में 1857 के विद्रोह के कारणों की चर्चा की गई थी।

- महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा 1 नवंबर, 1858 को इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) में हुए दरबार में लॉर्ड कैनिंग द्वारा उद्घोषित की गई।
- इस उद्घोषणा में कंपनी के शासन को समाप्त कर भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन कर दिया गया।
- **संन्यासी विद्रोह**– 1763–1800 ई., **संथाल विद्रोह**– 1855–56; **नील विद्रोह**– 1859–60 तथा **पाबना विद्रोह** 1873–76 ई. में हुआ।
- दीनबंधु ने अपने नाटक 'नील दर्पण' में नील बागान मालिकों के अत्याचारों का खुला चित्रण किया है।
- बंकिमचंद्र चटर्जी की कृति **आनंद मठ** का कथानक **संन्यासी विद्रोह** पर आधारित है।
- 1831–1832 ई. **बुद्धो भगत** द्वारा छोटा नागपुर क्षेत्र में **कोल विद्रोह** का नेतृत्व किया गया।
- आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले के उत्तर में स्थित 'रम्पा' पहाड़ी क्षेत्र में रम्पा विद्रोह हुआ था।
- 1899–1900 ई. के बीच मुंडा आदिवासियों का विद्रोह बिरसा मुंडा के नेतृत्व में किया गया।
- **कूका आंदोलन** की शुरुआत **पश्चिमी पंजाब** में 1840 ई. में **भगत जवाहरमल** द्वारा की गई। इस आंदोलन का उद्देश्य सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों और अंध-विश्वासों को दूर कर इस धर्म को शुद्ध करना था। पागलपंथ उत्तरी बंगाल के करमशाह द्वारा चलाया गया एक अर्द्ध-धार्मिक संप्रदाय था।
- 1855 ई. में संथालों ने बिहार के भागलपुर क्षेत्र के भगनीडीह ताल्लुके में विद्रोह कर दिया था।
- मुंडा विद्रोह को उल्गुलन (महाविद्रोह) के नाम से भी जाना जाता है।
- **गोमधर कुंवर** के नेतृत्व में 1828 ई. में **अहोम विद्रोह** प्रारंभ हुआ था।
- वर्ष 1921 में मोपला विद्रोह **केरल के मालाबार** क्षेत्र में हुआ था।
- वर्ष 1914 में **ताना भगत आंदोलन** का प्रारंभ उरांव आदिवासियों के मध्य छोटानागपुर में हुआ था। इस आंदोलन के नेतृत्वकर्त्ता **जतरा भगत, देवमेनिया भगत** एवं **बलराम भगत** आदि थे।
- **कूका विद्रोह** (1840–72) पंजाब में, **कूकी विद्रोह** (1917–19) मणिपुर एवं त्रिपुरा में; **पाबना विद्रोह** (1873–76) बंगाल में; **पाइक विद्रोह** (1804–17, 1817–25) उड़ीसा में; **रामोसी विद्रोह** (1822–29) पूना, पश्चिमी घाट में; **सतारा विद्रोह** (1841) सतारा में; **बहाबी आंदोलन** (1820–70) रूहेलखंड में हुआ था।

14. ब्रिटिश राज का सामाजिक–आर्थिक प्रभाव

ब्रिटिश शासन के दौरान शुरू की गई सामाजिक, आर्थिक प्रणाली ने भारतीय समाज के आधारभूत ढाँचे में आमूल-चूल परिवर्तन किया।

सामाजिक प्रभाव

- वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1781 ई. में कलकत्ता में मदरसा की स्थापना की थी। इस मदरसा के प्रमुख **मौलवी मुइज-उद-दीन** थे।
- बनारस के ब्रिटिश रेजिडेंट **जोनाथन डंकन** के प्रयत्नों के फलस्वरूप 1791 ई. में **बनारस** में एक **संस्कृत कॉलेज** (प्रथम) खोला गया।
- **भगवद्गीता का प्रथम आंग्ल अनुवाद** वॉरेन हेस्टिंग्स के काल में **चार्ल्स विल्किंस** द्वारा किया गया था, जिसकी प्रस्तावना स्वयं वारेन हेस्टिंग्स ने लिखी।
- 1784 ई. में **विलियम जोंस की प्रेरणा** पर **एशियाटिक सोसाइटी** की स्थापना हुई। वे स्वयं इसके सभापति नियुक्त हुए।
- **1829 ई.** में राजा राममोहन राय और ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिक के अथक सराहनीय प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत में **सती प्रथा पर प्रतिबंध** लगा दिया गया।
- 1872 ई. में पारित एक कानून द्वारा अंतरजातीय और अंतर सांप्रदायिक विवाह को मंजूरी दी गई थी।
- **प्रथम महिला विश्वविद्यालय** की स्थापना बंबई में **डी.के. कर्वे** के प्रयत्नों से हुई।
- राजा राममोहन राय ने डेविड हेयर एवं एलेक्जेंडर डफ के साथ मिलकर **1817 ई.** में **कलकत्ता में हिंदू कॉलेज** की स्थापना की थी।
- भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव 1835 ई. में मैकाले के स्मरण-पत्र से पड़ी।
- 1854 के चार्ल्स वुड के डिस्पैच को भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है। इसी को आधार बनाकर लंदन विश्वविद्यालय के तर्ज पर ब्रिटिश भारत में तीन विश्वविद्यालय बंबई, कलकत्ता, एवं मद्रास की स्थापना 1857 ई. में की गई थी।
- आचार्य केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से **आत्माराम पांडुरंग** ने **प्रार्थना समाज** की स्थापना 1867 ई. में **बंबई** में की थी।
- महाराष्ट्र के समाज सुधारक एवं सामाजिक कार्यकता डी.के. कर्वे ने विधवाओं के उत्थान के लिए 'विधवा प्रतिबंध निवारण मंडली' एवं पूना में 'विधवा गृह की स्थापना' की थी।
- राधा स्वामी सत्संग आंदोलन की स्थापना स्वामी जी महाराज के नाम से लोकप्रिय तुलसीराम ने 1861 ई. में आगरा में की थी।
- न्यू इंग्लिश स्कूल के प्रारंभ के साथ **'डेक्कन एजुकेशनल सोसाइटी'** की स्थापना 1880 ई. में **पुणे** में की गई थी।
- **मेयो कालेज** की स्थापना 1875 ई. में **अजमेर** (राजस्थान) में की गई थी। वहीं **मुस्लिम एंग्लो-ओरियंटल कॉलेज** की स्थापना 1875 ई. में **सर सैयद अहमद खाँ** द्वारा अलीगढ़ में की गई थी।
- **सत्यशोधक समाज** की स्थापना **ज्योतिबा फुले** ने 1873 ई. में की थी।
- 'बंगाल गजट' भारत का पहला समाचार पत्र था।
- 1799 ई. में सभी समाचार पत्रों पर सेंसर बैठाने वाला बंगाल का गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली था। इसने समाचार-पत्रों का पत्रेक्षण अधिनियम पारित किया। वहीं वर्नाकुलर प्रेस एक्ट अथवा देशी भाषा प्रेस अधिनियम को रद्द करने वाला भारत का वायसराय लॉर्ड रिपन था। इसने भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों को अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्रों के समान ही स्वतंत्रता दे दी।
- विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित ने महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह हेतु प्रथम अभियान का नेतृत्व किया था।
- बेहरामजी मालावारी के प्रयासों से 1891 ई. में सम्मति आयु अधिनियम पारित हुआ था।

- 26 जुलाई, 1856 में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के प्रयासों के फलस्वरूप 'हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' 1856 पारित हुआ।
- 1872 के नेटिव मैरिज को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका केशवचंद्र सेन ने निभाई थी। इस एक्ट से लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 14 वर्ष तथा लड़कों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई। नेटिव मैरिज एक्ट को ब्रह्म विवाह अधिनियम भी कहा जाता है।
- **शारदा एक्ट** समाज सुधारक **हर विलास शारदा** के अथक प्रयासों से **1930** में पारित किया गया। इस एक्ट के द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम सीमा **14 वर्ष** एवं लड़कों की **18 वर्ष** निर्धारित की गई।
- राजा राममोहन राय के विचारों के प्रसार के लिए **देवेंद्रनाथ टैगोर** ने 1839 ई. में **तत्वबोधिनी सभा** की स्थापना की थी।
- **आर्य समाज** की स्थापना **दयानंद सरस्वती** ने अप्रैल, 1875 में **बंबई** में की थी; जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म के शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था।
- आर्य समाज का मुख्यालय **लाहौर** में 1877 ई. में स्थापित किया गया था।
- इंडियन मिरर की स्थापना 1861 ई. में देवेन्द्रनाथ टैगोर एवं मनमोहन घोष ने की थी। इस 1868 ई. में अमृत बाजार की स्थापना शिशिर कुमार घोष ने कलकत्ता में की।
- 1858 ई. में ईश्वरचंद्र सेन ने बांग्ला साप्ताहिक 'सोम प्रकाश' समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया था।
- महात्मा गांधी जी ने साप्ताहिक समाचार-पत्रों के रूप में **'हरिजन' अंग्रेजी में, 'हरिजन सेवक' हिन्दी में** तथा **हरिजन बंधु गुजराती में** प्रारंभ किए थे।
- 1912 ई. में **अबुल कलाम आजाद** ने उर्दू साप्ताहिक **'अल हिलाल'** का प्रकाशन प्रारंभ किया था।
- **जवाहरलाल नेहरू** तथा **रफी अहमद किदवई** द्वारा **'कौमी आवाज'** नामक उर्दू अखबार का प्रकाशन वर्ष 1945 में **लखनऊ** में प्रारंभ किया गया था।
- **दादाभाई नौरोजी** ने **'रास्त गोफ्तार'** नामक पत्र एवं **मोतीलाल नेहरू** ने **'इंडिपेंडेंट'** नामक समाचार-पत्र निकाला था।
- **ऐंटी बेसेंट** द्वारा संपादित **'कॉमनवील'** मद्रास से प्रकाशित अंग्रेजी-पत्र था।
- गोपाल कृष्ण गोखले महात्मा-गांधी के राजनीतिक गुरु थे।
- भारत में न्यायिक संगठन की स्थापना **लॉर्ड कार्नवालिस** द्वारा की गई थी। इसे **'भारतीय नागरिक सेवा' का जनक** भी कहा जाता है।
- भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने अवध के नवाब वाजिद अली शाह पर कुशासन का आरोप लगाकर 13 फरवरी, 1856 को उसका ब्रिटिश राज्य में विलय कर लिया।
- भारत में प्रथम जनगणना लॉर्ड मेयो के काल में 1872 ई. में प्रारंभ हुई, किंतु लॉर्ड रिपन के काल में नियमित जनगणना 1881 ई. में शुरू हुई।

आर्थिक प्रभाव

- औद्योगिक क्रांति ने एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से अंग्रेज व्यापारियों को बहुत अधिक पूँजी जमा करने में मदद की।
- अंग्रेज व्यापारी इस धन को भारत के साथ उद्योग और व्यापार स्थापित करने में लगाना चाहते थे।
- औद्योगिक क्रांति से पूर्व भारतीय हथकरघा का यूरोप में एक बड़ा बाजार था। भारतीय वस्त्र जैसे कपास, लिनन, रेशम और ऊनी सामानों का एशिया तथा अफ्रीका में पहले से ही बाजार था। औद्योगिकीकरण के कारण इंग्लैण्ड के कपड़ा उद्योग ने महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।
- ब्रिटिश व्यापारी अपने वस्त्र उत्पादों को सस्ते दामों पर बेचने में सफल रहे क्योंकि विदेशी सामानों को भारत में बिना किसी शुल्क के मुफ्त प्रवेश दिया गया। दूसरी ओर, देश से बाहर भेजे जाने पर भारतीय हस्तशिल्प पर भारी कर लगाया गया था।
- ब्रिटिश सरकार ने भारतीय वस्त्रों पर सुरक्षात्मक शुल्क लगाया। इसके परिणामस्वरूप कुछ वर्षों के भीतर ही कपड़े का निर्यातक होने से भारत कच्चे कपास का निर्यातक और ब्रिटिश वस्त्रों का आयातक बन गया।
- **लॉर्ड कार्नवालिस** ने 1793 ई. में **बिहार और बंगाल में स्थायी बंदोबस्त** की शुरुआत की। इसके अनुसार जमींदारों को राज्य के खजाने में एक निश्चित राशि जमा करानी पड़ती थी। बदले में उन्हें भूमि के वंशानुगत मालिकों के रूप में मान्यता दी गई थी। इस व्यवस्था के तहत् जमींदार को जमीन का मालिक बना दिया गया।
- 1822 ई. में अंग्रेजों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांतों, पंजाब, गंगा घाटी तथा मध्य भारत के कुछ भागों में महालवाड़ी बंदोबस्त की शुरुआत की।
- भारत में ब्रिटिश नीतियों का एक और बड़ा आर्थिक प्रभाव चाय, कॉफी, नील, अफीम, कपास, जूट, गन्ना तथा तिलहन जैसी बड़ी संख्या में व्यावसायिक फसलों की शुरुआत था।
- भारतीयों को नील का उत्पादन करने और ब्रिटिश सरकार द्वारा तय की गई शर्तों पर इसे बेचने के लिए मजबूर किया गया था।
- ब्रिटिश वाणिज्यिक हितों के उदय के साथ, भारतीय लोगों के एक छोटे से हिस्से के लिए नए अवसर खुले। वे मुख्य रूप से ब्रिटिश व्यापारियों के एजेंट और मध्यस्थ के रूप में काम करते थे।
- प्रथम फैक्टरी अधिनियम (1881 ई.) के तहत् 7 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को फैक्टरियों में काम करने पर रोक तथा 7–12 वर्ष के बच्चों को कार्यावधि प्रतिदिन 9 घंटे तथा महीने में चार दिन की छुट्टी का प्रावधान किया गया है।
- दादा भाई नौरोजी ने धन के बहिर्गमन के दिशा में प्रथम प्रयास किया।
- **आर.सी. दत्त** की पुस्तक **इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया** को आर्थिक इतिहास की पहली पुस्तक माना जाता है।
- रैयतबाड़ी व्यवस्था के जन्मदाता थामस मुनरो एवं कैप्टन रीड को एवं महालवाड़ी बन्दोबस्त के जन्मदाता हॉल्ट मैकेंजी तथा रॉबर्ट मार्टिन्स बर्ड को माना जाता है।
- रैयतबाडी व्यवस्था मद्रास एवं बंबई में लागू की गई। इस व्यवस्था को सर्वप्रथम बारामहल तमिलनाडु में लागू किया गया। यह कुल ब्रिटिश भूमि के 51% भाग पर लागू था, जबकि महालबाड़ी व्यवस्था कुल ब्रिटिश भूमि के 30% भाग पर लागू था।

- चार्टर एक्ट 1813 के द्वारा भारत का रास्ता ब्रिटिश वस्तुओं के लिए खोल दिया गया।
- भारत में रेलवे के विकास से भारत में जहाँ कच्चे माल को बंदरगाहों तक पहुँचाने में सरलता हुई, वहीं ब्रिटेन में निर्मित माल को भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में भी पहुँचाने का विकल्प खुल गया।
- पुस्तक 'द पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' में दादा भाई नौरोजी ने भारतीय धन के बहिर्गमन की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया था।
- **दादा भाई नौरोजी** ने धन के निष्कासन को **'अनिष्टों का अनिष्ट'** कहा।
- 1833 के अधिनियम से कंपनी का चीन के साथ व्यापार पर प्रतिबंध स्थापित हो गया।
- कावसजी दावर ने वर्ष 1854 में बंबई में 'बॉम्बे स्पेनिंग एंड वीविंग कंपनी' नाम से सूती वस्त्र फैक्ट्री की स्थापना की, जो भारतीयों द्वारा स्थापित पहली फैक्ट्री मानी जाती है।
- 1854 ई. में भारत की पहली कोलफील्ड **रानीगंज** में खोजी है।
- 'बंगाल आयरन एडं वर्क्स कंपनी' की स्थापना 1874 में हुई जो भारत में पहली आधुनिक लौह इस्पात की कंपनी बनी।
- 1907 ई. में टाटा लौह इस्पात कारखाना निजी क्षेत्र में पहला इस्पात कारखाना लगाया गया।

अभ्यास प्रश्न

1. हड़प्पा निम्नलिखित में से किस सभ्यता से संबंधित है?
(*a*) सुमेरियन सभ्यता (*b*) सिंधु घाटी सभ्यता
(*c*) वैदिक सभ्यता (*d*) मेसोपोटामिया सभ्यता

2. सिंधु सभ्यता संबंधित है– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1996]**
(*a*) प्रागैतिहासिक युग से (*b*) आद्य-ऐतिहासिक युग से
(*c*) ऐतिहासिक युग से (*d*) उत्तर-ऐतिहासिक युग से

3. सिंधु घाटी की सभ्यता गैर-आर्य थी, क्योंकि–
(*a*) वह नगरीय सभ्यता थी। **[यूपीपीसीएस (जीआईसी) 2010]**
(*b*) उसकी अपनी लिपि थी।
(*c*) उसकी खेतिहर अर्थव्यवस्था थी।
(*d*) उसका विस्तार नर्मदा घाटी तक था।

4. हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है–
(*a*) शिलालेख **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1994, 1996]**
(*b*) पकी मिट्टी की मुहरों पर अंकित लेख
(*c*) पुरातात्विक खुदाई
(*d*) उपर्युक्त सभी

5. सिंधु घाटी सभ्यता का पत्तन नगर था– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1999]**
(*a*) हड़प्पा (*b*) कालीबंगा
(*c*) लोथल (*d*) मोहनजोदड़ो

6. भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं–
(*a*) हड़प्पा संस्कृति में
(*b*) पश्चिमी भारत की ताम्रपाषाण संस्कृति में
(*c*) वैदिक संहिताओं में
(*d*) चांदी के आहत सिक्कों में

7. हड़प्पा सभ्यता स्थल-लोथल, स्थित है– **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2009]**
(*a*) गुजरात में (*b*) पंजाब में
(*c*) राजस्थान में (*d*) सिंध में

8. एक जुते हुए खेत की खोज की गई थी– **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2006]**
(*a*) मोहनजोदड़ो में (*b*) कालीबंगा में
(*c*) हड़प्पा में (*d*) लोथल में

9. हड़प्पा किस नदी के किनारे अवस्थित है?
(*a*) व्यास (*b*) सतलज (*c*) रावी (*d*) घग्गर

10. सैंधव सभ्यता का महान स्नानागार कहां से प्राप्त हुआ है?
(*a*) मोहनजोदड़ो (*b*) हड़प्पा **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1992]**
(*c*) लोथल (*d*) कालीबंगा

11. मोहनजोदड़ो निम्नलिखित में से कहां पर स्थित है?
(*a*) भारत के गुजरात राज्य में
(*b*) भारत के पंजाब राज्य में
(*c*) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में
(*d*) अफगानिस्तान में

12. सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थान अब पाकिस्तान में है?
(*a*) कालीबंगा (*b*) हड़प्पा **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1994]**
(*c*) लोथल (*d*) आलमगीरपुर

13. सिंधु सभ्यता का कौन-सा स्थान भारत में स्थित है?
[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1995]
(*a*) हड़प्पा (*b*) मोहनजोदड़ो
(*c*) लोथल (*d*) उपरोक्त में कोई नहीं

14. हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यत: किस रंग का उपयोग हुआ था?
(*a*) लाल (*b*) नीला-हरा
(*c*) पांडु (*d*) नीला

15. निम्नलिखित में से कौन-सा सिंधु घाटी की सभ्यता पर प्रकाश डालता है? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]**
(*a*) शिलालेख
(*b*) पुरातत्व संबंधी खुदाई
(*c*) बर्तनों की मुहरों पर लिखावट
(*d*) धार्मिक ग्रंथ

16. अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी बंदोबस्त कहां लागू किया था?
[यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2001]
(*a*) बंगाल प्रेसीडेंसी (*b*) मद्रास प्रेसीडेंसी
(*c*) बंबई प्रेसीडेंसी (*d*) मद्रास और बंबई प्रेसीडेंसी

17. भारत में हड़प्पा का वृहद स्थल है–
(*a*) राखीगढ़ी (*b*) धौलावीरा
(*c*) कालीबंगन (*d*) लोथल

18. सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे–
(*a*) पशुपति की (*b*) इंद्र और वरुण की
(*c*) ब्रह्मा की (*d*) विष्णु की

19. हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक किस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है?
(*a*) तांबा (*b*) स्वर्ण (*c*) चांदी (*d*) लोहा

20. वस्त्रों के लिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले किया गया– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2006]
(*a*) मिस्र में (*b*) मेसोपोटामिया में
(*c*) मध्य अमेरिका में (*d*) भारत में

21. वैदिक देवता इंद्र किसके देवता हैं? [यूपीएसएसएससी जूनियर इंजीनियर तकनीकी भर्ती परीक्षा, 2016]
(*a*) हवा के (*b*) तूफान के
(*c*) वर्षा व चक्रवात के (*d*) अग्नि के

22. 'महाजनी प्रथा' का सर्वप्रथम उल्लेख निम्नलिखित में से किस प्राचीन ग्रंथ में हुआ है? [यूपीएसएसएससी चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015]
(*a*) रामायण (*b*) महाभारत
(*c*) शतपथ ब्राह्मण (*d*) उपनिषद्

23. वेदों के गद्य प्रकरण क्या कहलाते हैं? [यूपीएसएसएससी कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015]
(*a*) उपनिषद् (*b*) संहिता (*c*) ब्राह्मण (*d*) अरण्यक

24. प्राचीनतम वेद कौन-सा है? [यूपीएसएसएससी कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2015]
(*a*) सामवेद (*b*) ऋग्वेद (*c*) अथर्ववेद (*d*) यजुर्वेद

25. ऋग्वेद में निहित गायत्री मंत्र किस देवता को समर्पित है? [यूपीएसएसएससी यूडीए/एलडीए भर्ती परीक्षा, 2015]
(*a*) अग्नि (*b*) मारुत (*c*) इंद्र (*d*) सविता (सवितृ)

26. महाभारत में वर्णित कुरुक्षेत्र की लड़ाई कितने दिन तक चली थी? [यूपीएसएसएससी ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2011]
(*a*) 16 दिन (*b*) 18 दिन (*c*) 20 दिन (*d*) 24 दिन

27. किस वैदिक ग्रंथ में 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है? [उत्तराखंड पीसीएस (प्रा.) 2012]
(*a*) ऋग्वेद (*b*) अथर्ववेद (*c*) सामवेद (*d*) यजुर्वेद

28. ऋग्वेद में ..... सूक्त हैं–
(*a*) 1028 (*b*) 1017 (*c*) 1128 (*d*) 1020

29. ऋग्वेद है– [यूपी आरओ/एआरओ (प्रा.) 2016]
(*a*) स्तोत्रों का संकलन (*b*) कथाओं का संकलन
(*c*) शब्दों का संकलन (*d*) युद्ध का ग्रंथ

30. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्राह्मण ग्रंथ ऋग्वेद से संबंधित है?
(*a*) ऐतरेय ब्राह्मण (*b*) गोपथ ब्राह्मण
(*c*) शतपथ ब्राह्मण (*d*) तैत्तिरीय ब्राह्मण

31. 'गोपथ ब्राह्मण' संबंधित है– [यूपी आरओ/एआरओ (प्रा.) 2014]
(*a*) यजुर्वेद से (*b*) ऋग्वेद से
(*c*) अथर्ववेद से (*d*) सामवेद से

32. निम्नलिखित में से किसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है?
(*a*) यजुर्वेद (*b*) सामवेद [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1997]
(*c*) अथर्ववेद (*d*) उपरोक्त कोई नहीं

33. उपनिषदों का मुख्य विषय है– [यूपी लोअर सब. (प्रा.) 1998]
(*a*) सामाजिक व्यवस्था (*b*) दर्शन
(*c*) विधि (*d*) राज्य

34. आरंभिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है–
(*a*) सिंधु (*b*) शुतुद्री
(*c*) सरस्वती (*d*) गंगा

35. वैदिक नदी कुभा का स्थान कहां निर्धारित होना चाहिए? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1999]
(*a*) अफगानिस्तान में (*b*) चीनी तुर्किस्तान में
(*c*) कश्मीर में (*d*) पंजाब में

36. ऋग्वैदिक काल में निष्क किस अंग का आभूषण था? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2007]
(*a*) कान का (*b*) गला का
(*c*) बाहु का (*d*) कलाई का

37. गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2005]
(*a*) अथर्ववेद में (*b*) ऋग्वेद में
(*c*) सामवेद में (*d*) यजुर्वेद में

38. पूर्व-वैदिक आर्यों का धर्म प्रमुखतः था–
(*a*) भक्ति (*b*) मूर्ति पूजा और यज्ञ
(*c*) प्रकृति पूजा और यज्ञ (*d*) प्रकृति पूजा और भक्ति

39. ऋग्वेद काल में जनता निम्न में से मुख्यतया किसमें विश्वास करती थी? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]
(*a*) मूर्ति पूजा (*b*) एकेश्वरवाद
(*c*) देवी पूजा (*d*) बलि एवं कर्मकांड

40. प्रसिद्ध दस राजाओं का युद्ध किस नदी के तट पर लड़ा गया?
(*a*) गंगा (*b*) ब्रह्मपुत्र (*c*) कावेरी (*d*) परुष्णी

41. प्राचीन काल में आर्यों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन था–
(*a*) कृषि (*b*) शिकार [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]
(*c*) शिल्पवर्ग (*d*) व्यापार

42. ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द किस कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2008]
(*a*) जौ (*b*) चना (*c*) चावल (*d*) गेहूं

43. वैदिक युग में प्रचलित लोकप्रिय शासन प्रणाली थी–
(*a*) निरंकुश (*b*) प्रजातंत्र
(*c*) गणतंत्र (*d*) वंश परंपरागत राजतंत्र

44. ऋग्वैदिक जन सभा जो न्यायिक कार्यों से संबंधित थी–
(*a*) सभा (*b*) समिति
(*c*) विधाता (*d*) उपर्युक्त में से सभी

45. ऋग्वैदिक धर्म था– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2014]
(*a*) बहुदेववादी (*b*) एकेश्वरवादी
(*c*) अद्वैतवादी (*d*) निवृत्तमार्गी

46. सर्वाधिक ऋग्वैदिक सूक्त समर्पित हैं– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2002]
(*a*) अग्नि को (*b*) इंद्र को
(*c*) रुद्र को (*d*) विष्णु को

47. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध पवित्र स्थल निरंजना नदी पर स्थित था? [यूपीएसएसएससी सम्मि. सहा. लेखा. व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2016]
(*a*) बोध गया (*b*) कुशीनगर
(*c*) लुम्बिनी (*d*) ऋषिपत्तन

48. ज्ञान प्राप्त करने के बाद, गौतम को किस रूप में जाना जाने लगा? [यूपीएसएसएससी ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा, 2018 (II)]
(*a*) जिन (*b*) बुद्ध (*c*) ज्ञान (*d*) बोधि

49. बुद्ध को परिनिर्वाण कहां प्राप्त हुआ था?
[यूपीएसएसएससी सम्मि. सहा. लेखाकार व लेखा परीक्षक (सा.च.) परीक्षा, 2015]
(*a*) बोध गया (*b*) कुशीनगर (*c*) राजगृह (*d*) वैशाली

50. बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहां दिया था?
[यूपीएसएसएससी विधानभवन रक्षक एवं वन रक्षक परीक्षा, 2016 (II)]
(*a*) कुशीनगर (*b*) सारनाथ (*c*) अयोध्या (*d*) वाराणसी

51. बुद्ध कौशाम्बी किसके राज्य-काल में आए थे?
[यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2010]
(*a*) शतानीक (*b*) उदयन (*c*) बोधि (*d*) निचक्षु

52. नागार्जुन कौन थे?
[यूपीएसएसएससी चकबंदी लेखपाल (सा.च.) परीक्षा, 2015]
(*a*) एक जैन भिक्षु (*b*) एक बौद्ध दार्शनिक
(*c*) एक यूनानी शासक (*d*) एक वैदिक ऋषि

53. बुद्ध के जीवन की किस घटना को 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2014]
(*a*) उनका महापरिनिर्वाण (*b*) उनका जन्म
(*c*) उनका गृहत्याग (*d*) उनका प्रबोधन

54. बुद्ध का जन्म हुआ था– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2002]
(*a*) वैशाली (*b*) लुम्बिनी
(*c*) कपिलवस्तु (*d*) पाटलिपुत्र

55. महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण किसके गणतंत्र में हुआ था?
[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2005]
(*a*) मल्लों के (*b*) लिच्छवियों के
(*c*) शाक्यों के (*d*) पालों के

56. गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति निम्नलिखित में से कौन था? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2013]
(*a*) आनंद (*b*) सारिपुत्त
(*c*) मोग्गलान (*d*) सुभद्द

57. बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2011]
(*a*) वैशाली में (*b*) श्रावस्ती में
(*c*) कौशाम्बी में (*d*) राजगृह में

58. गौतम बुद्ध ने ..... में धम्मचक्कप्पवत्तनसुत्त (धर्मचक्रप्रवर्तन सूत्र) का उपदेश दिया। [यूपीएसएसएससी कनिष्ठ सहायक परीक्षा, 2018]
(*a*) कपिलवस्तु (*b*) लुम्बिनी
(*c*) बोध गया (*d*) सारनाथ

59. बुद्ध की मृत्यु के पश्चात् प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की गई– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2000]
(*a*) महाकस्सप द्वारा (*b*) धर्मसेन द्वारा
(*c*) अजातशत्रु द्वारा (*d*) नागसेन द्वारा

60. भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी–
(*a*) राजगृह (राजगीर) में (*b*) गया में
(*c*) पाटलिपुत्र में (*d*) वैशाली में

61. कश्मीर में कनिष्क के शासनकाल में जो बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी उसकी अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की थी?
(*a*) पार्श्व (*b*) नागार्जुन (*c*) शूद्रक (*d*) वसुमित्र

62. बुद्ध के उपदेश किससे संबंधित हैं? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1991]
(*a*) आत्मा संबंधी विवाद (*b*) ब्रह्मचर्य
(*c*) धार्मिक कर्मकांड (*d*) आचरण की शुद्धता व पवित्रता

63. 'त्रिपिटक' क्या है? [यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2003, 2004]
(*a*) गांधी जी के तीन बंदर (*b*) ब्रह्मा, विष्णु, महेश
(*c*) महावीर के तीन नगीने (*d*) बुद्ध के उपदेशों का संग्रह

64. क्षणिकवाद का प्रतिपादन किसने किया?
(*a*) बुद्ध (*b*) जैन (*c*) चार्वाक (*d*) न्याय

65. निम्नलिखित में से किस बौद्ध ग्रंथ में संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1996]
(*a*) दीघ निकाय (*b*) विनय पिटक
(*c*) अभिधम्म पिटक (*d*) विभाषा शास्त्र

66. बौद्ध धर्म में 'त्रिरत्न' का क्या अभिप्राय है?
[यूपी आरओ/एआरओ (प्रा.) 2017]
(*a*) त्रिपिटक (*b*) बुद्ध, धम्म, संघ
(*c*) शील, समाधि, संघ (*d*) सत्य, अहिंसा, करुणा

67. जैन धर्म के संस्थापक हैं– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2010]
(*a*) आर्य सुधर्मा (*b*) महावीर स्वामी
(*c*) पार्श्वनाथ (*d*) ऋषभदेव

68. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कौन थे?
(*a*) पार्श्वनाथ (*b*) ऋषभदेव
(*c*) महावीर (*d*) चेतक

69. जैन 'तीर्थंकर' पार्श्वनाथ निम्नलिखित स्थानों में से मुख्यत: किससे संबंधित थे? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2016]
(*a*) वाराणसी (*b*) कौशाम्बी (*c*) गिरिब्रज (*d*) चम्पा

70. महावीर स्वामी का जन्म कहां हुआ था?
(*a*) कुंडग्राम में (*b*) पाटलिपुत्र में
(*c*) मगध में (*d*) वैशाली में

71. महावीर जैन की मृत्यु निम्नलिखित में से किस नगर में हुई?
(*a*) राजगीर (*b*) सांची (*c*) पावापुरी (*d*) समस्तीपुर

72. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रणाली भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान भूमि राजस्व प्रणाली से संबंधित नहीं थी?
[यूपीएसएसएससी गन्ना पर्यवेक्षक परीक्षा, 2018]
(*a*) जमींदारी (स्थायी बंदोबस्त) (*b*) महालवाड़ी
(*c*) दस्तक (*d*) रैयतवाड़ी

73. जैन तीर्थंकरों के क्रम में अंतिम कौन था?
(*a*) पार्श्वनाथ (*b*) ऋषभदेव (*c*) महावीर (*d*) मणिसुव्रत

74. जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए क्या शब्द है?
(*a*) जिन (*b*) रत्न (*c*) कैवल्य (*d*) निर्वाण

75. महावीर स्वामी को किस नदी के तट पर ज्ञानोदय प्राप्त हुआ था?
[यूपी आरओ/एआरओ (मुख्य) 2017]
(*a*) स्वर्णसिक्ता (*b*) पलाशिनी
(*c*) गंगा (*d*) ऋजुपालिका

76. त्रिरत्न सिद्धांत सम्यक् धारण, सम्यक् चरित्र एवं सम्यक् ज्ञान जिस धर्म की महिमा है, वह है– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2004]
(*a*) बौद्ध धर्म (*b*) ईसाई धर्म
(*c*) जैन धर्म (*d*) उक्त में से कोई नहीं

77. निम्नलिखित में से कौन-सा धर्म 'विश्व विनाशकारी प्रलय' की अवधारणा में विश्वास नहीं करता? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2014]**
(*a*) बौद्ध धर्म (*b*) जैन धर्म
(*c*) हिंदू धर्म (*d*) इस्लाम

78. जैन धर्म का आधारभूत बिंदु है– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]**
(*a*) कर्म (*b*) निष्ठा (*c*) अहिंसा (*d*) विराग

79. प्रारंभिक जैन साहित्य निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखे गए?
(*a*) अर्ध-मागधी (*b*) पाली **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2006]**
(*c*) प्राकृत (*d*) संस्कृत

80. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल पार्श्वनाथ से संबद्ध होने के कारण जैन-सिद्ध क्षेत्र माना जाता है?
[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2002; यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2002]
(*a*) चंपा (*b*) पावा
(*c*) सम्मेद शिखर (*d*) ऊर्जयंत

81. जैन संप्रदाय में प्रथम विभाजन के समय श्वेतांबर संप्रदाय के संस्थापक थे–
(*a*) स्थूलभद्र (*b*) भद्रबाहु
(*c*) कालकाचार्य (*d*) देवर्धि-क्षमा श्रमण

82. भगवान महावीर का प्रथम शिष्य था?
(*a*) जमालि (*b*) योसुद (*c*) विपिन (*d*) प्रभाष

83. बराबर की गुफाओं का उपयोग किसने आश्रयगृह के रूप में किया?
(*a*) आजीविकों ने (*b*) थारुओं ने
(*c*) जैनों ने (*d*) तांत्रिकों ने

84. उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैनियों दोनों की प्रसिद्ध तीर्थस्थली है–
[यूपीयूडीए/आईडीए (मुख्य) 2010]
(*a*) सारनाथ (*b*) कौशाम्बी (*c*) कुशीनगर (*d*) देवीपाटन

85. श्रवणबेलगोला में गोमतेश्वर की विशाल प्रतिमा किसने स्थापित करवाई थी? **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2009; आईएएस (प्रा.) 1994]**
(*a*) चामुंडराय ने (*b*) कृष्ण प्रथम ने
(*c*) कुमारपाल ने (*d*) तेजपाल ने

86. महान धार्मिक घटना, महामस्तकाभिषेक, निम्नलिखित में से किससे संबंधित है और किसके लिए की जाती है?
(*a*) बाहुबली (*b*) बुद्ध (*c*) महावीर (*d*) नटराज

87. प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित किया गया था–
[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2003]
(*a*) कनिष्क द्वारा (*b*) हर्ष द्वारा
(*c*) चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा (*d*) समुद्रगुप्त द्वारा

88. कौटिल्य प्रधानमंत्री थे–
[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2002; यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2002]
(*a*) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के (*b*) अशोक के
(*c*) चंद्रगुप्त मौर्य के (*d*) राजा जनक के

89. चाणक्य अपने बचपन में किस नाम से जाने जाते थे?
(*a*) अजय (*b*) चाणक्य **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2006]**
(*c*) विष्णुगुप्त (*d*) देवगुप्त

90. कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक– **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2012]**
(*a*) चंद्रगुप्त मौर्य के संबंध में नाटक
(*b*) आत्मकथा
(*c*) चंद्रगुप्त मौर्य का इतिहास
(*d*) शासन के सिद्धांतों की पुस्तक

91. पाटलिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था–
(*a*) ईंटों का (*b*) पत्थर का
(*c*) लकड़ी का (*d*) मिट्टी का

92. अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था, है– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1996]**
(*a*) कलिंग शिलालेख
(*b*) अशोक का गिरनार शिलालेख
(*c*) रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख
(*d*) अशोक का सोपारा शिलालेख

93. चंद्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को किस वर्ष में पराजित किया था?
[यूपी आरओ/एआरओ (मुख्य) 2014]
(*a*) 317 ई.पू. (*b*) 315 ई.पू.
(*c*) 305 ई.पू. (*d*) 300 ई.पू.

94. किसने सहिष्णुता, उदारता और करुणा के त्रिविध आधार पर राजधर्म की स्थापना की? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]**
(*a*) अशोक (*b*) अकबर
(*c*) रणजीत सिंह (*d*) शिवाजी

95. अशोक के निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख हुआ है? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2016]**
(*a*) तृतीय मुख्य शिलालेख (*b*) द्वितीय मुख्य शिलालेख
(*c*) नवां मुख्य शिलालेख (*d*) प्रथम स्तंभ अभिलेख

96. अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा किस नगर में आयोजित की गई थी?
(*a*) मगध (*b*) पाटलिपुत्र (*c*) समस्तीपुर (*d*) राजगृह

97. सारनाथ स्तंभ का निर्माण किया था– **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2008]**
(*a*) हर्षवर्धन ने (*b*) अशोक ने
(*c*) गौतम बुद्ध ने (*d*) कनिष्क ने

98. निम्नलिखित में से किसे सर्वश्रेष्ठ स्तूप मानते हैं?
(*a*) अमरावती (*b*) भरहुत **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2008]**
(*c*) सांची (*d*) सारनाथ

99. सांची का स्तूप किस शासक ने बनवाया था? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1991]**
(*a*) बिंबिसार (*b*) अशोक (*c*) हर्षवर्धन (*d*) पुष्यमित्र

100. अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है–
(*a*) संस्कृत (*b*) प्राकृत (*c*) पालि (*d*) हिंदी

101. निम्नांकित में से कौन-सा अशोक कालीन अभिलेख 'खरोष्ठी' लिपि में है?
(*a*) कालसी (*b*) गिरनार
(*c*) शाहबाजगढ़ी (*d*) मेरठ

102. अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम किसने पढ़ा था?
[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2006; यूपीपीएससी (जीआईसी) 2010]
(*a*) बूहलर (*b*) रॉबर्ट सेबेल
(*c*) जेम्स प्रिंसेप (*d*) कॉड्रिंगटन

103. अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यत: किस नाम से जाने जाते हैं?
(*a*) चक्रवर्ती (*b*) प्रियदर्शी (*c*) धर्मदेव (*d*) धर्मकीर्ति

104. निम्नलिखित में से किस एक अभिलेख में अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मिलता है?
(*a*) कालसी (*b*) रुम्मिनदेई
(*c*) विशिष्ट कलिंग राजादेश (*d*) मास्की

105. अशोक का रुम्मिनदेई स्तंभ संबंधित है– **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2008]**
(*a*) बुद्ध के जन्म से (*b*) बुद्ध के ज्ञान-प्राप्ति से
(*c*) बुद्ध के प्रथम उपदेश से (*d*) बुद्ध के शरीर-त्याग से

106. कलिंग युद्ध का विवरण हमें ज्ञात होता है– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2016]**
(*a*) 13वें शिलालेख द्वारा (*b*) रुम्मिनदेई स्तंभ लेख द्वारा
(*c*) ह्वेनसांग के विवरण द्वारा (*d*) प्रथम लघु शिलालेख द्वारा

107. 'भारत का नेपोलियन' किसे कहा जाता है?
[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1990; यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2009]
(*a*) चंद्रगुप्त मौर्य (*b*) चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य
(*c*) अशोक महान (*d*) समुद्रगुप्त

108. निम्नलिखित में से किस गुप्त राजा का एक अन्य नाम देवगुप्त था?
[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2007]
(*a*) समुद्रगुप्त (*b*) चंद्रगुप्त द्वितीय
(*c*) कुमारगुप्त (*d*) उपर्युक्त में से कोई नहीं

109. अंग्रेजों के शासनकाल में भारत के 'आर्थिक दोहन' के सिद्धांत को किसने प्रतिपादित किया? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1995; यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004]**
(*a*) एम.एन. राय (*b*) जयप्रकाश नारायण
(*c*) राममनोहर लोहिया (*d*) दादाभाई नौरोजी

110. इलाहाबाद का अशोक स्तंभ किसके शासन के बारे में सूचना प्रदान करता है? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004]**
(*a*) चंद्रगुप्त मौर्य के (*b*) चंद्रगुप्त प्रथम के
(*c*) चंद्रगुप्त द्वितीय के (*d*) समुद्रगुप्त के

111. प्रयाग प्रशस्ति किसके सैन्य अभियान के बारे में जानकारी देती है?
[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2004]
(*a*) चंद्रगुप्त प्रथम (*b*) समुद्रगुप्त
(*c*) चंद्रगुप्त द्वितीय (*d*) कुमारगुप्त

112. समुद्रगुप्त के 'प्रयाग प्रशस्ति' में कोसल के शासक का क्या नाम था?
(*a*) शिवगुप्त (*b*) सोमेश्वर देव
(*c*) महेंद्र (*d*) महिपाल

113. निम्नलिखित में से किस गुप्त शासक ने हूणों पर विजय प्राप्त की?
[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004]
(*a*) चंद्रगुप्त द्वितीय (*b*) कुमारगुप्त प्रथम
(*c*) स्कंदगुप्त (*d*) भानुगुप्त

114. 'शक-विजेता' किसे जाना जाता है? **[यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2010]**
(*a*) चंद्रगुप्त प्रथम (*b*) समुद्रगुप्त
(*c*) चंद्रगुप्त द्वितीय (*d*) कुमारगुप्त

115. सर टॉमस मुनरो भू-राजस्व बंदोबस्त से संबद्ध हैं–
[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2000]
(*a*) स्थायी बंदोबस्त (*b*) महालवाड़ी बंदोबस्त
(*c*) रैयतवाड़ी बंदोबस्त (*d*) उपर्युक्त में से कोई नहीं

116. निम्नलिखित में से कौन-सा बंदरगाह गुप्तकाल में उत्तर भारतीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता था?
(*a*) कल्याण (*b*) ताम्रलिप्ति
(*c*) भड़ौच (*d*) काम्बे

117. चंद्रगुप्त के नौ रत्नों में से निम्न में से कौन फलित-ज्योतिष से संबंधित था? **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2008]**
(*a*) वररुची (*b*) शंकु (*c*) क्षपणक (*d*) अमर सिंह

118. कालिदास किसके शासनकाल में थे?
(*a*) समुद्रगुप्त (*b*) अशोक महान
(*c*) चंद्रगुप्त I (*d*) चंद्रगुप्त II

119. गुप्तकालीन रजत मुद्राओं को नाम दिया गया था–
[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2002]
(*a*) कार्षापण (*b*) दीनार (*c*) रूपक (*d*) निष्क

120. भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर किसे माना जाता है?
[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2009]
(*a*) एम. के. गांधी (*b*) राममोहन राय
(*c*) रबींद्रनाथ टैगोर (*d*) दयानंद सरस्वती

121. सती प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य प्राप्त हुआ है–
[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2010]
(*a*) एरण से (*b*) जूनागढ़ से
(*c*) मंदसौर से (*d*) सांची से

122. गुप्त संवत की स्थापना किसने की?
(*a*) चंद्रगुप्त I (*b*) श्रीगुप्त
(*c*) चंद्रगुप्त II (*d*) घटोत्कच

123. नगरों का क्रमिक पतन किस काल की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता थी?
(*a*) गुप्तकाल (*b*) प्रतिहार युग
(*c*) राष्ट्रकूट (*d*) सातवाहन युग

124. किस शासक वंश ने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था?
(*a*) गुप्त वंश (*b*) पाल वंश (*c*) राष्ट्रकूट (*d*) प्रतिहार

125. प्राचीन भारत में किस वंश का शासनकाल 'स्वर्ण युग' कहा जाता है? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2004]**
(*a*) मौर्य (*b*) शुंग (*c*) गुप्त (*d*) मगध

126. गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर क्या थी?
(*a*) उपज का चौथा भाग (*b*) उपज का छठा भाग
(*c*) उपज का आठवां भाग (*d*) उपज का आधा भाग

127. 'स्थायी बंदोबस्त' किसके साथ किया गया?
(*a*) जमींदारों के साथ (*b*) ग्रामीण समुदायों के साथ
(*c*) मुकदमों के साथ (*d*) किसानों के साथ

128. 'हर्षचरित' नामक पुस्तक किसने लिखी?
(*a*) आर्यभट्ट (*b*) बाणभट्ट
(*c*) विष्णुगुप्त (*d*) परिमलगुप्त

129. वर्ष 1905 में बंगाल के विभाजन के दौरान, भारत के वायसराय कौन थे?
[यूपीएसएसएससी सम्मि. अवर अधीनस्थ सेवा-II (सा.च.) परीक्षा, 2016]
(*a*) लॉर्ड कर्जन (*b*) लॉर्ड एल्गिन II
(*c*) लॉर्ड मिंटो (*d*) लॉर्ड हार्डिंग्ज

130. सम्राट हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से कहां स्थानांतरित की थी? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1992]
(*a*) प्रयाग (*b*) दिल्ली (*c*) कन्नौज (*d*) राजगृह

131. सम्राट हर्षवर्धन ने दो महान धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया था– [यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2001]
(*a*) कन्नौज तथा प्रयाग में (*b*) प्रयाग तथा थानेश्वर में
(*c*) थानेश्वर तथा वल्लभी में (*d*) वल्लभी तथा प्रयाग में

132. उत्तर प्रदेश में स्थित वह स्थल जहां हर्षवर्धन ने बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन किया था– [यूपी लोअर सब (प्रा.) 2004]
(*a*) काशी (*b*) प्रयाग (*c*) अयोध्या (*d*) सारनाथ

133. निम्नलिखित शासकों में से किसने हर्षवर्धन को पराजित किया था? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2016]
(*a*) कीर्तिवर्मन द्वितीय (*b*) विक्रमादित्य द्वितीय
(*c*) पुलकेशिन प्रथम (*d*) पुलकेशिन द्वितीय

134. किसके प्रशासन काल में 'स्थायी बंदोबस्त' प्रारंभ किया गया था? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2005; यूपीपीसीएस (प्रा.) 2007; यूपीपीसीएस (जीआईसी) 2010]
(*a*) वारेन हेस्टिंग्ज (*b*) लॉर्ड कार्नवालिस
(*c*) सर जॉन शोर (*d*) लॉर्ड वेलेजली

135. ह्वेनसांग किसके शासनकाल में भारत आया था? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1990; यूपीपीसीएस (मुख्य) 2012]
(*a*) चंद्रगुप्त II (*b*) सम्राट हर्ष
(*c*) चंद्रगुप्त मौर्य (*d*) चंद्रगुप्त I

136. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1995]
(*a*) तक्षशिला (*b*) विक्रमशिला
(*c*) मगध (*d*) नालंदा

137. निम्नलिखित में से कौन शासक "पृथ्वीराज चौहान" के नाम से प्रसिद्ध है? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2010]
(*a*) पृथ्वीराज प्रथम (*b*) पृथ्वीराज द्वितीय
(*c*) पृथ्वीराज तृतीय (*d*) उपर्युक्त में से कोई नहीं

138. गोविंदचंद्र गहड़वाल की एक रानी कुमारदेवी ने धर्मचक्र-जिन विहार कहां बनवाया था? [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2007]
(*a*) बोध गया (*b*) राजगृह
(*c*) कुशीनगर (*d*) सारनाथ

139. हम्मीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है–
(*a*) चंद्रवंशी (*b*) ब्राह्मण (*c*) यदुवंशी (*d*) सूर्यवंशी

140. आल्हा-ऊदल संबंधित थे–
(*a*) चंदेरी से (*b*) विदिशा से (*c*) महोबा से (*d*) पन्ना से

141. 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं–
(*a*) कल्हण (*b*) बिल्हण (*c*) जयानक (*d*) चंदबरदाई

142. जेजाकभुक्ति प्राचीन नाम था– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2008]
(*a*) बघेलखंड का (*b*) बुंदेलखंड का
(*c*) मालवा का (*d*) विदर्भ का

143. धंगदेव किस वंश का शासक था?
(*a*) जेजाकभुक्ति के चंदेल (*b*) मालवा के परमार
(*c*) महिष्मति के कलचुरी (*d*) त्रिपुरी के कलचुरी

144. चितौड़ के 'त्रिभुवन नारायण मंदिर' को किसने बनवाया?
(*a*) राणा प्रताप ने (*b*) राजा धंगदेव ने
(*c*) परमार राजा भोज ने (*d*) पृथ्वीराज चौहान ने

145. महानतम प्रतिहार राजा था– [यूपीपीसीएस (जीआईसी) 2010]
(*a*) धर्मपाल (*b*) हर्ष
(*c*) मिहिरभोज (*d*) महेंद्रपाल

146. गुर्जर प्रतिहार शासकों में से किसकी उपाधि 'आदिवाराह' थी? [यूपी आरओ/एआरओ (प्रा.) 2017]
(*a*) वत्सराज (*b*) नागभट्ट II
(*c*) मिहिरभोज (*d*) नागभट्ट I

147. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक गुर्जर-प्रतिहार राजवंश से संबंधित नहीं है?
(*a*) नागभट्ट-II (*b*) महेन्द्रपाल-I
(*c*) देवपाल (*d*) भरत्रभट्ट-I

148. गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की थी– [यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2002; यूपीपीसीएस (प्रा.) 2003]
(*a*) नागभट्ट प्रथम (*b*) वत्सराज
(*c*) हर्षवर्द्धन (*d*) मिहिरभोज

149. निम्नलिखित में से कौन त्रिकोणात्मक संघर्ष का हिस्सा नहीं था?
(*a*) प्रतिहार (*b*) पाल [यूपीपीसीएस (प्रा.) 2015]
(*c*) राष्ट्रकूट (*d*) चोल

150. राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई–
(*a*) 1816 ई. में (*b*) 1820 ई. में
(*c*) 1828 ई. में (*d*) 1830 ई. में

151. राजा भोज ने शासन किया–
(*a*) बस्तर पर (*b*) धार पर
(*c*) महाकौशल पर (*d*) उज्जैन पर

152. निम्नलिखित में से किसने काल्पनिक वैज्ञानिक उपकरणों पर पुस्तक लिखी है? [यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2013]
(*a*) भोज (*b*) गोविंदराज (*c*) चंद्रवर्मन (*d*) महीपाल

153. राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित प्रथम संस्था थी– [यूपीपीसीएस (मुख्य) 2009]
(*a*) ब्रह्म समाज (*b*) आत्मीय सभा
(*c*) ब्रह्म सभा (*d*) तत्वबोधिनी सभा

154. गुलाम वंश का संस्थापक कौन था? [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1990]
(*a*) इल्तुतमिश (*b*) अलाउद्दीन खिलजी
(*c*) बलबन (*d*) कुतुबुद्दीन ऐबक

155. दिल्ली सल्तनत का कौन-सा सुल्तान 'लाख बख्श' के नाम से जाना जाता है?
(*a*) इल्तुतमिश (*b*) बलबन
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) कुतुबुद्दीन ऐबक

156. कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी– [यूपीपीसीएस (प्रा.) 1990]
(*a*) लाहौर (*b*) दिल्ली
(*c*) अजमेर (*d*) लखनौती

157. निम्नलिखित में से किसने दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया था? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004; 2012]**
(*a*) कुतुबुद्दीन ऐबक (*b*) इल्तुतमिश
(*c*) रजिया (*d*) मुइज्जुद्दीन गौरी

158. दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक कौन था? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2002]**
(*a*) कुतुबुद्दीन ऐबक (*b*) इल्तुतमिश
(*c*) रजिया (*d*) बलबन

159. निम्नलिखित में से कौन मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका थी? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004; (जीआईसी) 2010]**
(*a*) रजिया सुल्तान (*b*) चांद बीबी
(*c*) दुर्गावती (*d*) नूरजहां

160. रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में किसका हाथ था? **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2004]**
(*a*) अफगानों का (*b*) मंगोलों का
(*c*) तुर्कों का (*d*) अरबों का

161. दिल्ली के किस सुल्तान के विषय में कहा गया है कि उसने "रक्त और लौह" की नीति अपनाई थी? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2009]**
(*a*) इल्तुतमिश (*b*) बलबन
(*c*) जलालुद्दीन फ़िरोज खिलजी (*d*) फिरोजशाह तुगलक

162. निम्नलिखित में से किसने भारत में प्रसिद्ध फारसी त्यौहार 'नौरोज' को आरंभ करवाया?
(*a*) बलबन (*b*) इल्तुतमिश
(*c*) फिरोज तुगलक (*d*) अलाउद्दीन खिलजी

163. किस सुल्तान के काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई?
(*a*) गयासुद्दीन बलबन (*b*) अलाउद्दीन खिलजी
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) फिरोजशाह तुगलक

164. निम्न में से किस सुल्तान ने 'बाजार सुधार' लागू किए थे?
(*a*) जलालुद्दीन खिलजी (*b*) अलाउद्दीन खिलजी
(*c*) मुहम्मद तुगलक (*d*) बलबन

165. निम्न मुस्लिम बादशाहों में से किस एक ने मूल्य नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया? **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 1990, 2014; यूपीपीसीएस (जीआईसी) 2010]**
(*a*) अलाउद्दीन खिलजी (*b*) इल्तुतमिश
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) शेरशाह सूरी

166. गाजी मलिक किस वंश का संस्थापक था?
(*a*) तुगलक (*b*) खिलजी (*c*) सैय्यद (*d*) लोदी

167. किस वंश के सुल्तानों ने सबसे अधिक समय तक देश में राज किया? **[यूपी लोअर सब. (प्रा.) 2008]**
(*a*) खिलजी वंश (*b*) लोदी वंश
(*c*) दास वंश (*d*) तुगलक वंश

168. दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था– **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2012]**
(*a*) इल्तुतमिश (*b*) अलाउद्दीन खिलजी
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) सिकंदर लोदी

169. 'अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग किस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2004]**
(*a*) अलाउद्दीन खिलजी (*b*) फिरोज शाह तुगलक
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) सिकंदर लोदी

170. मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया– **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2002]**
(*a*) दौलताबाद (*b*) कालिंजर
(*c*) कन्नौज (*d*) लाहौर

171. निम्नलिखित में कौन पहला सुल्तान था, जिसने भारत में सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया? **[यूपीपीसीएस (मुख्य) 2017]**
(*a*) इल्तुतमिश (*b*) बलबन
(*c*) मुहम्मद बिन तुगलक (*d*) बहलोल लोदी

172. इब्नबतूता भारत में किसके शासनकाल में आया? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1991; यूपीपीसीएस (मुख्य) 2011]**
(*a*) बहलोल लोदी (*b*) फिरोज तुगलक
(*c*) गयासुद्दीन तुगलक (*d*) मुहम्मद बिन तुगलक

173. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने एक नगर बसाया जहां अब आगरा है? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1993]**
(*a*) मुहम्मद बिन तुगलक (*b*) फिरोज तुगलक
(*c*) बहलोल लोदी (*d*) सिकंदर लोदी

174. पानीपत का प्रथम युद्ध किसके मध्य हुआ था? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1996; यूपीपीसीएस (मुख्य) 2012]**
(*a*) बाबर और राणा सांगा (*b*) हेमू और मुगल
(*c*) हुमायूँ और शेर खान (*d*) बाबर और इब्राहिम लोदी

175. पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण क्या था?
(*a*) उसकी घुड़सवार सेना (*b*) उसकी सैन्य कुशलता
(*c*) तुलुगमा प्रथा (*d*) अफगानों की आपसी फूट

176. निम्नलिखित में से किस युद्ध में एक पक्ष द्वारा प्रथम बार तोपों का उपयोग किया गया था? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 1996]**
(*a*) पानीपत का प्रथम युद्ध (*b*) खानवा का युद्ध
(*c*) प्लासी का युद्ध (*d*) पानीपत का तीसरा युद्ध

177. किस वर्ष बाबर ने सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया? **[यूपीपीसीएस (प्रा.) 2016]**
(*a*) 1527 ई. (*b*) 1526 ई. (*c*) 1525 ई. (*d*) 1524 ई.

178. 'तुजुक-ए-बाबरी' किस भाषा में लिखा गया था?
(*a*) फारसी (*b*) अरबी (*c*) तुर्की (*d*) उर्दू

179. निम्नलिखित मध्ययुगीन शासकों में से कौन एक उच्च शिक्षित था? **[यूपीयूडीए/एलडीए (प्रा.) 2010]**
(*a*) बलबन (*b*) अलाउद्दीन खिलजी
(*c*) इब्राहिम लोदी (*d*) शेरशाह

180. वर्ष 1857 के विद्रोह में कानपुर के नेता कौन थे? **[यूपीएसएसएससी सम्मि. अवर अधीनस्थ सेवा-II (सा.च.) परीक्षा, 2016]**
(*a*) तात्या टोपे (*b*) कुंवर जगदीश सिंह
(*c*) नाना साहेब (*d*) वाजिद अली शाह